



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 377]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 24, 2009/पौष 3, 1931

No. 377]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 24, 2009/PAUSA 3, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 2009

अंतिम जांच परिणाम

विषय : आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण., ईरान, मलेशिया, रूस और थाईलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाले कार्बन ब्लैक" के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

फा. सं. 14/21/2008-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (इसके पश्चात् जिसे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर संबद्ध शुल्क का आकलन एवं क्षति निर्धारण) नियम (इसके पश्चात् इन्हें पाटनरोधी नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. जांच की शुरुआत :

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके पश्चात् जिसे प्राधिकारी कहा गया है) को समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (इसके पश्चात् जिसे "अधिनियम" कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर संबद्ध शुल्क का आकलन एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (इसके पश्चात् इन्हें "पाटनरोधी नियम" कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग की ओर से एसोसिएशन ऑफ कार्बन ब्लैक मैनुफैक्चरर्स से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण., ईरान, मलेशिया, रूस और थाईलैंड (इसके पश्चात् जिन्हें संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित "रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक" (इसके पश्चात् जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था ।

2. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने आस्ट्रेलिया, चीन जन.गण., ईरान, मलेशिया, रूस और थाईलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित "रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक" के आयातों के बारे में भारत के राजपत्र, असाधारण में 26 दिसम्बर, 2008 को प्रकाशित अधिसूचना सं. 14/21/2008-डीजीएडी के तहत पाटनरोधी जांच शुरू की ।

ख. प्रक्रिया

3. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- I. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम-5 के उप-नियम-5 के अनुसार जांच आरंभ करने से पहले, इस पाटन-रोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में, भारत में स्थित संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों को सूचित किया ।
- II. प्राधिकारी ने 26 दिसंबर, 2008 की जांच अधिसूचना की प्रतियां उसे उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों और घरेलू उद्योग को भेजीं और उनसे जांच शुरुआत की अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया । जांच से संबंधित पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर दें और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं । निर्यातकों को भेजे गए पत्र, आवेदन और प्रश्नावली की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों को भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई थीं कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए संबद्ध देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें ।
- III. कुछ हितबद्ध पार्टियों से, प्रश्नावली के जवाबों को फाइल करने हेतु, समय को बढ़ाए जाने के लिए अनुरोध प्राप्त हुआ था । समय-सीमाओं को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने समय बढ़ाने की अनुमति प्रदान कर दी ।
- IV. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों को और संबद्ध देश के भारत में स्थित उच्चायोगों/दूतावासों को आवेदन की अगोपनीय रूप की प्रति उपलब्ध करवाई ।
- V. संबद्ध देश के भारत में स्थित उच्चायोगों/दूतावासों को पाटन-रोधी नियमों के नियम 6(2) के अनुसार जांच के आरंभ के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर देने का सुझाव दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रति भी उन्हें भेजी गई जिसमें ज्ञात निर्यातकों के नाम व पते लिखे हुए थे ।
- VI. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियम के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों की संगत सूचना प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली भिजवाई ।

आस्ट्रेलिया में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

1. कॉन्टीनेटल कार्बन कंपनी, सर जोसेफ बैंक्स ड्राइव कर्नेल एन एस डब्ल्यू 2231	2. कैबैट आस्ट्रेलिया पीटीवाई लि. पी.ओ. बॉक्स 829 टॉर्क, विक्टोरिया 3228, आस्ट्रेलिया
--	---

चीन जन.गण. में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

1. हैबई डुगुआंगिंग इन्स्ट्री ग्रुप कंपनी लि., वेस्टर्व साइड, डोंगुआ साउथ रोड, शहे सिटी, हैबई प्रोविंस, चीन जन.गण.	2. शंघाई कार्गोस इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, टी 2-12 एफ. नं. 2601, जितु रोड, शंघाई चीन जन.गण.
3. हेबीनिंग कन्ट्री झिन्हुआ रबड केमिकल कंपनी लि., शंगली रोड गुआंगश डिस्ट्रिक्ट 31-1-101, हेंगशुई सिटी, हैबई प्रोविंस, चीन जन.गण.	4. हैबई योंगही केमिकल इंडस्ट्रीज इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी, लि. नं. 199, झिन्हुआ रोड शिजिआझंग, हैबई चीन जन.गण.
5. गंसु जिन्शी केमिकल कंपनी लिमिटेड, 109 #, वेस्ट सबर्ब मिन्हे काउन्टी गंसु चीन जन.गण.	6. शन्डंग शुआंगयां केमिकल कंपनी लि., नं. 787 डोन्नार रोड डान्जिंग सिटी, शन्डंग, चीन जन.गण.
7. वेफेंग होन्गुआ इंडस्ट्री एंड कामर्स कंपनी लि., लॉचेंग टाउन, शुजेंग सिटी, शन्डंग प्रोविंस चीन जन.गण.	8. लाइवू ताइशा कार्बन ब्लैक कंपनी लि., गाओसुआंग इंडस्ट्रीयल जॉन, लाइचेंग, लाइवू चीन जन.गण.
9. कीचेंग केमिकल कंपनी लि., बेचेनवेंग, टेन्जिइन काउन्टी, एनीएंग सिटी, हेनन प्रोविंस, चीन जन.गण.	10. जिआंगझी, ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लिमिटेड, लियाओ जिंगडेझेन सिटी, जियांगझी प्रोविंस, 333000, चीन जन.गण.
11. सुझोऊ बोआहुआ कार्बन, झुशुगुआ सुसोऊ, चीन जन.गण. -21515	12. तिआंजिन डोल्फिन कार्बन ब्लैक लि., ईस्ट ऑफ रेलवे, नार्थ ऑफ यिन्हेक्यो बेचेन डिस्ट्रिक्ट, तिआंजिन, चीन जन.गण. 300400

ईरान में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

1. डूडेह सनाटी पार्स कंपनी नं. 49, पड़ीदर ऐली, अफ्रीका एवे, तेहरान - 15188 ईरान	2. रिमोर्ग कार्बन ब्लैक मैनुफैक्चरिंग कंपनी यूनिट 9, नं. 11, ईस्ट नाहिद स्ट्रीट, अफ्रीका एवेन्यू, तेहरान
3. ईरान कार्बन कंपनी, इंटरनेशनल प्राइवेट कंपनी, बॉक्स 14155-1333, तेहरान, ईरान ।	

मलेशिया में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

1. पैराडाइज पॉलिमर्स एंड केमिकल्स, मलेशिया, 470 तमन मुहिब्बाह जया, सुंगई सिपुत (अटारा), पेरक, मलेशिया-31100	2. सेगफ्रील कार्बन इंडस्ट्रीज (एम) सदन बहाद, लोट 149675, एल जी बी इंटरनेशनल, इंडस्ट्रियल पार्क, इपॉह पेरक मलेशिया - 31100
---	---

रूस में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

1. ओम्सटैकगलिरोड जोजेएससी, 644049, बराबिन्सकया स्ट्रीट, 20, ओम्स, रूस	2. एम्टले हीलिंग कंपनी, एम्टेल हाऊस 35 कुतुजोटस्क प्रोस्पेक, 1211170, मॉस्को, रूस
3. सेवेर्गेजप्रोम, 39/2, लेनिन स्ट्रीट उख्ता कोमी, रिपब्लिक रशियन फेडरेशन	4. निझनेकम्स्क कार्बन ब्लैक प्लांट 423570 निझनेकम्स्क, प्रोम्बजा रिपब्लिक ऑफ टार्टरिस्तान
5. यरोस्लव इतेरवुग्लेरोड, 150053 यरोस्लवल	

थाईलैंड में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

1. थाई कार्बन ब्लैक, 44 मू.1, आयुथया, एंगथंग हाइवे, टैम्बॉल पासा, एम्फूर मुआंग, एंगथंग 14000	2. ब्रिजस्टोन कार्बन ब्लैक (थाईलैंड) कंपनी लि., रोजाना इंडस्ट्रीयल पार्क, बैन खाई डिस्ट्रिक्ट थांग प्रोविस, थाईलैंड ।
3. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कंपनी लि., नौवां तल, हरिथोर्न टावर, 54 नार्थ रोड, सिलोम, बैंगरक, बैंकांक 10500, थाईलैंड	

vii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में, निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों/एसोसिएशन ने जवाब भेजे हैं:

क्र.सं.	हितबद्ध पार्टी का नाम	देश
1.	मै. कॉन्टिनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी टी वाई लि.	आस्ट्रेलिया
2.	मै. निग्बो देताई केमिकल कंपनी लि.	चीन जन.गण.
3.	मै. हेबई डजुआंग्मिंग जुवुबा कार्बन ब्लैक कंपनी, लि.	चीन जन.गण.
4.	मै. लाँग्झिंग केमिकल स्टॉक कंपनी लि.	चीन जन.गण.
5.	मैसर्स निग्बो शीन- ऑल केमिकल कंपनी लिमिटेड	चीन जन.गण.
6.	मै. जियांगझी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लिमिटेड ("ब्लैक कैट")	चीन जन.गण.
7.	चीन रबड़ इंडस्ट्री एसोसिएशन	चीन जन.गण.
8.	मै. सुझोऊ बोआहुआ कार्बन ब्लैक कंपनी लि.	चीन जन.गण.
9.	मै. यरोस्लावस्की टेक्निकेस्की अगलेरोड	रूस
10.	मै. ऑम्सटेकग्लेरोड लिमिटेड	रूस
11.	मै. ट्राइगोन गल्फ एफ जेड सी ओ	यू ए ई
12.	मै. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कंपनी लिमिटेड ("टी सी पी")	थाईलैंड

मै. आम्टेकग्लेरोड लि. ने प्रश्नावली के अनुसार उत्तर दायर नहीं किया ।

viii. भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं जिनसे पाटनरोधी नियमों के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी :

1. मै. जे.के.टायर्स, लिंक हाऊस, 3 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110 002	2. मै. बिरला टायर शिवम चैम्बर्स 53, सैयद आमिर अली एवेन्यू, कोलकाता- 700 019, पश्चिम बंगाल ।
3. मै अपोलो टायर्स, अपोलो हाऊस, 7 इस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-32, गुडगांव 122001 (हरियाणा)	4. मै. सिएट लिमिटेड, सिएट महल, 463 डाक्टर ऐनी बेसेन्ट रोड, वर्ली, मुंबई-400030
5. मै. एम.आर. एफ लि., 124 ग्रीम्स रोड चैन्ने-06	6. मै. राल्सन, प्लाट नं. 3 न्यू इंडस्ट्रियल एरिया मंडीदीपा डिस्ट्रिक्ट रामसन, एम.पी.- 462046
7. मै. पोद्दार टायर, जी.टी.रोड, जुगियाना, लुधियाना (पंजाब) 141420	8. मै. ओरिएन्टल रबड़ इंडस्ट्रीज, 525, कोरेगांव बीमा पुणे नगर रोड, पुणे ।
9. मै. हिन्दुस्तान रबड़, 1, जानकी सैन्टर आफ बीरा देसाई रोड, अंधेरी, वेस्ट, मुंबई-53	10. मै. अग्रवाल रबड़, 15-1-503/49/ए, अशोक मार्केट, सिद्दीयाम्बर बाजार, हैदराबाद 500 01,
11. मै. एक्सल रबड़, फ्लैट्स नं. 507, साई सदन, अपार्टमेंट्स, एस.बी.आई बालकम्पेट के सामने, एस.आर.नगर, हैदराबाद- 500038	12. मै. टेगा इंडस्ट्रीज, प्रथम तल, 210, 5वां मेन रोड, विजय नगर, सेकण्ड स्टेज रोड बंगलौर-560040
13. मै. फिनिक्स, यूएल, आईडियल प्लाजा, फोर्थ फ्लोर 11/1 शरत बोस रोड, कोलकाता-600 02, वेस्ट बंगाल	14. मै. मोनोटीना टायर्स, मुंबई, मुंबई 422 01, महाराष्ट्र

15. मै. टीवीएस श्रीचक्र, पेरुमलपट्टी रोड, बेलारिपट्टी रोड मूलूर तालुक मदुरै- 625122	16. मैसर्स आहुजा कांन्टीनेन्टल 1109 मित्तल टॉवर्स, एम.जी.रोड, बेंगलूर
17. मै. मिडास रबड, पी. जॉन जकारिया बिल्डिंग कीट्टायम, केरल, 686001	18. मै. टोलिन्स, एम सी रोड, कलाडी - 683 574, केरल
19. मै. टी एम टायर्स, 5-35 सर्वे नं. 305 एंड 321 कलाकल विलेज, मेडक-502320, आंध्र प्रदेश	20. मै. हार्टेक्स रबड, 6-3-865, मधुपला टावर्स, अमीरपेट, हैदराबाद - 500 016

ix. इसके उत्तर में निम्नलिखित ने जवाब दिया है :

क्र.	हितबद्ध पार्टी का नाम
1.	मै. अपोलो टायर्स लि.
2.	मै. जे.के. टायर्स एंड इंडस्ट्रीज लि.
3.	मै. गुडईयर साउथ एशिया टायर्स प्रा.लि.
4.	मै. गुडईयर इंडिया लि.
5.	मै. कैबोट इंडिया लि.
6.	मै. जनरल रबर्स
7.	आटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए),
8.	ऑल इंडिया रबड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, नई दिल्ली
9.	मै. जेम पॉलिटैक इंडस्ट्रीज प्रा.लि.

मै. जनरल रबर्स, मै. अपोलो टायर्स लि., मै. कैबोट इंडिया लि., मै. गुडईयर इंडिया लि., मै. जे.के.टायर ने अपने आयातकों की प्रश्नावली दायर कर दी है जिसमें उन्होंने संबद्ध वस्तु के आयातों का ब्यौरा उपलब्ध कराया है ।

x. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की सार्वजनिक फाइल के रूप में एक अगोपनीय प्रति उपलब्ध कराई है जो हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए उपलब्ध है ।

xi. 1 अक्टूबर, 2007 से 30 सितंबर, 2008 (जांच अवधि) तक की 12 माह की अवधि के लिए जांच की गई थी और क्षति विश्लेषण अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007 और अप्रैल 2007-मार्च, 2008 की अवधियों और जांच अवधि के लिए किया गया था । वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण करने के लिए जांच अवधि के तुरंत बाद की तिमाही के लिए जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों पर भी विचार किया गया है ।

xii. आवेदक द्वारा सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके

कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

- xiii. अधिकारी ने अधिनियम और पाटनरोधी नियम को ध्यान में रखते हुए 25 मई, 2009 की अधिसूचना सं. 14/21/2008-डीजीएडी के तहत संबद्ध देशों की संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की । संबद्ध देशों की संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क 30 जुलाई, 2009 की सी.शु. अधिसूचना सं. 83/2009-सी.शु. के तहत लगाया गया था ।
- xiv. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 3 अगस्त, 2009 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए समस्त हितबद्ध पार्टियों को अवसर भी प्रदान किया । जिन पार्टियों ने सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत किए थे, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था । हितबद्ध पार्टियों को प्रतिपक्षी हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त विचारों पर उत्तर संबंधी अनुरोध प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था ।
- xv. हितबद्ध पार्टियों से प्राप्त लिखित अनुरोधों/उत्तरों में दिए गए तर्कों पर जहां संगत पाया गया है, इस प्रकटन विवरण में विचार किया गया है ।
- xvi. घरेलू उद्योग तथा सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था ।
- xvii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचारित आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है ।
- xviii. हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी । संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और उसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पार्टियों के समक्ष नहीं किया गया है । जहां कहीं संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाली पार्टियों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।
- xix. जहां कहीं किसी हितबद्ध पार्टी ने वर्तमान जांच के दौरान अवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ये जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।

- XX. *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना है ।

विविध प्रक्रियात्मक मुद्दे

4. कुछेक हितबद्ध पार्टियों ने यह बताया है कि प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों का उपयोग किया है जबकि आवेदन में आईबीआईएस के आंकड़े निहित थे और पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक फाइल में संशोधित आयात आंकड़े रखे जाने चाहिए । इसके अलावा, उन्होंने कुछेक प्रक्रियात्मक मुद्दे उठाए हैं जिन पर निम्नानुसार विचार किया गया है:

- (क) सार्वजनिक फाइल का रखरखाव : यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल का रखरखाव पाटनरोधी नियमों के अनुसार किया है, जिसे निरीक्षण हेतु खुला रखा है और कई हितबद्ध पार्टियों ने वस्तुतः इसका समय-समय पर निरीक्षण किया है । सार्वजनिक फाइल में जांच की शुरुआत के बाद और मै. हाईटैक से संबंधित सूचना को शामिल करने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा किए गए क्षति संबंधी अनुरोध निहित हैं । प्राधिकारी ने इस संबंध में यह नोट किया है कि जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी का दायित्व सार्वजनिक फाइल के जरिए साक्ष्य उपलब्ध कराना होता है । नियमों में घरेलू उद्योग द्वारा समय-समय पर किए गए विभिन्न अनुरोधों को अन्य हितबद्ध पार्टियों के पास भेजने का प्रावधान नहीं है । यह हितबद्ध पार्टियों पर निर्भर करता है कि वे सार्वजनिक फाइल को देखें और प्रतियां प्राप्त करें ।
- (ख) अनंतिम शुल्क : कुछ हितबद्ध पार्टियों ने अनंतिम शुल्क की सिफारिश का विरोध किया है । तथापि, यह नोट किया जाता है कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग से संबंधित स्थिति को देखते हुए अनंतिम शुल्क लगाना न्यायोचित था ।
- (ग) आंकड़ों में संशोधन : कुछ हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आंकड़े संशोधित किए जाते रहे । तथापि, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी जांच एक ऐसी प्रक्रिया होती है, जिसमें जांच जैसे-जैसे बढ़ती है, वैसे-वैसे आंकड़ों की गुणवत्ता और मात्रा में वृद्धि होती रहती है । इस प्रकार जांच के प्रत्येक चरण पर आंकड़ों में परिवर्तन/सुधार होता रहता है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू समान वस्तु

5. विचाराधीन उत्पाद "रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक" है । यह एक अकार्बनिक रसायन है जिसे रबड़ (टायर सहित) के उत्पाद/प्रक्रिया में सुदृढकारी पूरक के रूप में प्रयोग किया जाता है । कार्बन ब्लैक को एसीठिलीन ब्लैक, चैनल ब्लैक, फर्नेस ब्लैक, लैम्प ब्लैक, थर्मल ब्लैक और नोडर डे कार्बन के नाम से भी जाना जाता है । कार्बन ब्लैक को दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है । रबड़ कार्बन बल्क एप्लीकेशन और गैर-रबड़ कार्बन ब्लैक एप्लीकेशन । रबड़ एप्लीकेशन में कार्बन ब्लैक एक ऐसा कार्बन ब्लैक है जिसे रबड़ (टायरों सहित) के उत्पादन/प्रक्रिया में सुदृढकारी पूरक के रूप में प्रयोग किया जाता है । वर्तमान में किया गया अन्वेषण रबड़ एप्लीकेशन में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक जैसे कॉपियरों और कंप्यूटर के प्रिन्टर कार्टिज्स, पेन्ट्स, केयोन्स और पॉलिशों में स्याहियों, वर्तमान में किए गए अन्वेषण के दायरे में नहीं है ।

6. संबद्ध वस्तु अधिनियम के अध्याय 28 की उपशीर्ष सं. 28030010 के अंतर्गत आती है । सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से जांच के दायरे में बाध्यकारी नहीं है ।

घरेलू उद्योग के विचार

7. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि ऐसी किसी स्थिति में जब घरेलू उद्योग समान वस्तु की पेशकश नहीं करता है, वहां विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को सीमित करना उचित नहीं होगा । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु पर विचार कर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को इन सामान्य कारणों से परिभाषित करना उचित नहीं है कि (क) विचाराधीन उत्पाद को उस दृष्टि से तय किया जाना चाहिए जिस उत्पाद का संगत अवधि में भारत को निर्यात किया जा रहा है, (ख) किसी पाटनरोधी जांच में अंतर्गस्त प्रथम कदम विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करना है । विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए समान वस्तु की पहचान करना अपेक्षित है, (ग) यद्यपि, यह स्वीकार किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने समान वस्तु की पेशकश नहीं की है, तथापि इसका तात्पर्य यह है कि ऐसे प्रत्येक प्रकार के उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग के संरक्षण प्रदान करने से इंकार किया जा रहा है । तथापि, घरेलू उद्योग समीक्षा की मांग करने और परवर्ती समीक्षा के जरिए ऐसे उत्पाद को शामिल करने का पात्र है । चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अलग-अलग अवसरों पर यह निर्णय लिया है कि ऐसे किसी उत्पाद के प्रकार के उत्पाद क्षेत्र में शामिल किए जाने के प्रयोजनार्थ समीक्षा नहीं की जा सकती, जिसे पूर्व में अलग रखा गया था । इसलिए वर्तमान विधिक मान्यता के परिणामस्वरूप एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है कि जिसमें घरेलू उद्योग के पास बाहर रखे गए उत्पाद हेतु नई याचिका दायर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है ।

8. हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे

- i. ऑल इंडिया रबड़ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, नई दिल्ली ने अन्य बातों के साथ-साथ यह भी कहा है कि थर्मल ब्लैक का उत्पादन भारत में नहीं किया जाता और इसलिए इसे अन्वेषण के दायरे से बाहर रखा जाए ।
- ii. मै. जेम पॉलीटैक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लि. ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित बातों पर भी तर्क-वितर्क किया है :

सेमी कन्डक्टिव कंपाउंड एप्लीकेशन में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक की विशेषीकृत श्रेणियां बढ़िया प्रक्रियागत विशेषताएं, लो सल्फर कन्टेंट और अच्छी विद्युतीय संचालकता प्रदान करती है। इन ग्रेडों का निर्माण भारत में नहीं किया जाता; इनके लिए प्रीमियम डाइज की आवश्यकता होती है और रबड़ एप्लीकेशंस में सुदृढ़कारी पूरक के रूप में प्रयुक्त नहीं होते। इन्हें प्लास्टिक एप्लीकेशंस में इलैक्ट्रो-स्टैटिक डिस्चार्ज (ईएसडी) और सेमीकन्डक्टर (एससी) के रूप में प्रयोग किया जाता है । इनकी बनावट पीयूसी से अलग होती है । इसलिए इन ग्रेडों को नॉन-रबड़ एप्लीकेशंस में शामिल किया जाए और जिनमें केबल, फिल्मस, इलेक्ट्रॉनिक एप्लीकेशन के लिए इंजेक्शन मोल्डेड प्रोडक्ट्स शामिल है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

9. थर्मल ब्लैक - हालांकि घरेलू उद्योग ने तर्क किया है कि थर्मल ब्लैक कार्बन ब्लैक ही है और यह भी कहा है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान एन880, एन990 और एन 991 ग्रेडोंत्पादन नहीं कर रहा है ।

10. घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों के परिसरों में की गई आगे जांच और सत्यापन से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान इन ग्रेडों का उत्पादन नहीं किया है और भारत में इन ग्रेडों का आयात किया गया है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और आपूर्त ये ग्रेड इन ग्रेडों का स्थान नहीं ले सकते । रिकॉर्ड में इस आशय का कोई साक्ष्य नहीं है कि उपभोक्ताओं ने इन ग्रेडों का उपयोग कुछ अन्य ग्रेडों के साथ एक-दूसरे के स्थान पर किया है। न तो अन्य ग्रेडों के उपभोक्ता इन ग्रेडों का एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग कर सकते हैं। चूंकि इन ग्रेडों का बाजार अलग-अलग है, इसलिए प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और दायरे से थर्मल ब्लैक के इन ग्रेडों को अलग रखा है ।

11. सेमी कन्डक्टिव कंपाउंड एप्लीकेशंस के लिए ब्लैक कार्बन - चूंकि घरेलू उद्योग ने कहा है कि यह कार्बन ब्लैक का वह ग्रेड नहीं है जो रबड़ एप्लीकेशंस के लिए हो; इसलिए प्राधिकारी द्वारा इन ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र से बाहर रखा गया है ।

12. थर्मल अनुप्रयोगों हेतु कार्बन ब्लैक (एन 880, एन 990 और एन 991) तथा अर्धसुचालक यौगिक अनुप्रयोगों के लिए थर्मल अनुप्रयोगों के लिए कार्बन ब्लैक को अलग रखे जाने के कारण प्राधिकारी ने पाटन और क्षति विश्लेषण, दोनों के प्रयोजनार्थ इन ग्रेडों को अलग रखने के बाद वर्तमान प्रयोजनार्थ समग्र विश्लेषण किया है ।

13. समान वस्तुओं के संबंध में पाटनरोधी नियम के नियम 2(घ) में निम्नलिखित प्रावधान है:-

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

14. भारतीय बाजार में निर्यातकों द्वारा बेचे गए उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए उत्पाद में संभव अंतर के संबंध में प्राधिकारी ने नोट किया है कि निर्यातकों में, इस बात कोई विवाद नहीं है कि इन दोनों उत्पादों में कोई अंतर है । रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी ने यह माना है कि संबद्ध देश से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद की विशेषताएं जैसे भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं, कार्यात्मक एवं उपयोगी, उत्पाद विनिर्देशों, वितरण एवं मार्केटिक और वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण में आयातित संबद्ध उत्पाद के समतुल्य ही है । दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किए जा सकते हैं ।

15. इस प्रकार प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमों के अनुसार विचाराधीन संबद्ध उत्पाद के जैसा समान वस्तु है ।

(घ) घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

16. पाटनरोधी नियम के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं

उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।

17. घरेलू उद्योग की ओर से एसोसिएशन ऑफ कार्बन ब्लैक मैन्यूफैक्चरर्स ने आवेदन किया है, मैसस फिलिप्स कार्बन ब्लैक लि. और मै. हाई-टैक कार्बन ने क्षति की सूचना उपलब्ध करवा दी है जबकि मै. कॉन्टीनेन्टल कार्बन इंडिया लि. ने आवेदन का समर्थन किया है ।

हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे

18. मै. जियांग्सी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लि. (ब्लैक कैट) ने अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क किया है कि आवेदन का मै. हाई-टैक कार्बन इंडिया का मैसर्स लाओजिंग बिरला कंपनी लि. (चीन) और मै. थाई कार्बन ब्लैक पब्लिक कंपनी लि. (थाईलैंड) के साथ संबंध के आलोक में कोई आधार नहीं है । इसके अलावा, फिलिप्स कार्बन ही मै. सीएट लि., जो उनकी संबद्ध कंपनी है, द्वारा किए गए आयातों के मद्देनजर पात्र नहीं है ।

घरेलू उद्योग के विचार

19. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि नियम 2(ख) में इस कारण से संशोधन किया गया है क्योंकि ऐसी किसी कंपनी, जिसे विदेशी आपूर्तिकर्ता या किसी भारतीय आयातक से संबद्ध पाया गया है, या जो स्वयं उक्त सामग्री की आयातक है, को शामिल करने या अलग रखने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को विवेकाधिकार प्रदान करना अपेक्षित था । चूंकि आयातों या संबंध की वास्तविकता से स्वतः अलग रखने का अर्थ नहीं निकलता है और चूंकि सामान्य/साधारण नियम सभी पार्टियों को शामिल करने का है, इसलिए अलग रखने की मांग करने वाली हितबद्ध पार्टियों को यह सिद्ध करना अपेक्षित होता है कि वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में इस प्रकार से अलग रखा जाना वस्तुतः आवश्यक है । तथापि, महज दावे को छोड़कर हितबद्ध पार्टियों ने कोई तथ्यपरक सामग्री प्रदान नहीं की है जिससे इन दोनों कंपनियों को अलग रखना न्यायोचित ठहराया जा सके । मै. सीएट लि. तथा मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लि. संबद्ध कंपनियां नहीं हैं । आवेदक ने आगे यह अनुरोध किया है कि यद्यपि हितबद्ध पार्टियों ने अलग रखने की जरूरत को न्यायोचित नहीं ठहराया है, तथापि मामले के तथ्यों से किसी कंपनी को अलग रखना न्यायोचित नहीं ठहरता है । आवेदक ने इस संबंध में पाटनरोधी पाठ्य पुस्तकों और अन्य जांच प्राधिकारियों की पद्धतियों का हवाला दिया है और यह तर्क दिया है कि इन कंपनियों को अलग रखने का कोई भी औचित्य नहीं है । दोनों कंपनियों ने अपना उत्पादन कम नहीं किया है और व्यापार शुरू नहीं किया है । वस्तुतः मै. हाईटैक कार्बन, जो संबद्ध थाई कंपनी है, ने अग्रिम लाइसेंस के तहत ही समूची सामग्री का निर्यात किया है । (जबकि चीन की संबद्ध कंपनी से कोई आयात नहीं हुआ है) । मै. सीएट लि. के मामले में भी अधिकांश आयात अग्रिम लाइसेंस पर हुए हैं । आवेदक ने यह भी दावा किया है कि हाईटैक कार्बन की संबद्ध कंपनी द्वारा थाईलैंड से किए गए निर्यातों की मात्रा भारत में उत्पाद के कुल आयातों और खपत के अनुसार काफी कम है । इसी प्रकार मै. सीएट लि. द्वारा किए गए आयातों का हिस्सा उसकी कुल बिक्री का अत्यंत कम बनता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी ने नोट किया है कि मै. हाई टैक कार्बन का मै. थाई कार्बन ब्लैक पब्लिक कंपनी और मै. लिओविंग बिरला कंपनी लि. से संबंध है। मै. हाई-टैक कार्बन ने दावा किया है कि मै. लिओविंग बिरला कंपनी ने भारतीय बाजार में कार्बन ब्लैक का निर्यात नहीं किया है। हालांकि मैसर्स थाई कार्बन ब्लैक पब्लिक ने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है तथा जांच अवधि में एम.टी. में 518624 एम.टी. के कुल निर्यात योग में से उनका पूरी निर्यात मात्रा केवल 2178 एम.टी. ही है। कुछ हितबद्ध पार्टियों ने मै. हाईटैक की संबद्ध कंपनी द्वारा किए गए निर्यातों के मद्देनजर उसे बाहर रखने के बारे में दिए गए अपने तर्क को दोहराया है, तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाई संबद्ध कंपनी द्वारा किए गए निर्यात इतने अधिक नहीं हैं और यह ऐसी स्थिति में नहीं किए गए हैं जिससे यह माना जा सके कि मै. हाईटैक पर घरेलू उद्योग के भाग के रूप में अपात्र मानने की दृष्टि से विचार किया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हाईटैक कार्बन ने आयात और व्यापार नहीं किया है। कंपनी का मुख्य ध्यान उत्पादन पर अधिक केन्द्रित रहा है। इसके अलावा, रिकॉर्ड में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लि. और मै. सिएट लि. संबद्ध कंपनियां हैं। यद्यपि एटीएमए ने एक हितबद्ध पार्टी के रूप में वर्तमान जांच में भाग लिया है और मै. सिएट लि. उनका सदस्य है, तथापि रिकॉर्ड में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि मै. सिएट लि. ने सीमाशुल्क के भुगतान के बाद संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का भारी मात्रा में आयात किया है।

21. प्राधिकारी ने नोट किया है कि थाई कार्बन ब्लैक द्वारा किया गया निर्यात भारत के उत्पादन और खपत की तुलना में बहुत ही कम है। इसके साथ-साथ यह स्थापित नहीं किया गया है कि मै. हाई टैक कार्बन को घरेलू उद्योग की परिधि से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि निर्यात संबंध रखने वाले कंपनी द्वारा किए गए हैं। प्राधिकारी उचित समझते हैं कि हाई-टैक कार्बन को घरेलू उद्योग के क्षेत्र में शामिल किया जाए। जहां तक मै. फिलिप्स कार्बन की पात्रता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसे बाहर रखने को न्यायोचित ठहराने के लिए हितबद्ध पार्टियों ने पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।

22. रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और हाई टैक कार्बन का उत्पादन समान वस्तु के घरेलू उत्पादन के बड़े हिस्से में शामिल है जो भारत के उत्पादन के 50% से कहीं ज्यादा है। इसके अलावा, याचिका समर्थन मै. कंटीनेंटल कार्बन ने किया है। इस प्रकार आवेदन, पाटनरोधी नियमों के नियम 2(ख) और 5(3) की अपेक्षाओं का समाधान करता है। इसके आगे, मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मैसर्स हाई-टैक कार्बन को वर्तमान प्रयोजन से पाटन-रोधी नियमों के नियम 2(ख) के साथ पढ़ने पर नियम 2(ख) के अर्थ में घरेलू उद्योग के तहत माना जा रहा है।

संबद्ध देश

23. आई.बी.आई.एस. डाटा जिस पर आवेदक ने भरोशा किया, के आधार पर आस्ट्रेलिया, चीन जन.गण., ईरान, मलेशिया, रूस और थाईलैंड के मूल रूप में निर्मित या निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में जांच की शुरुआत की गई। तथापि, प्राधिकारी ने डी. जी. सी. आई. एंड एस. से उक्त विषय पर डाटा उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया था और ये प्राप्त भी हो गए थे। डाटा का अवलोकन करने से यह पता चलता है कि ईरान से संबद्ध वस्तु के आयात निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से कम हैं। मलेशिया के आंकड़ों की जांच करने पर यह पाया गया था कि मलेशिया से हुए संबद्ध वस्तु के आयातों की तुलना में पाटन मार्जिन नकारात्मक है। अतः प्राधिकारी ईरान और मलेशिया के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जांच एतद्वारा समाप्त करते हैं। इस प्रकार आगे की जांच आस्ट्रेलिया, चीन जन.गण., रूस और थाईलैंड के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर सीमित की जाती है।

हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

24. अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रतिवाद भी किए गए हैं :-

- संबद्ध देश का चयन भेदभाव पूर्ण ढंग से किया गया है क्योंकि कुछ मौन असंबद्ध देशों में आयात की मात्रा न तो नकारने लायक है और न ही आयात मूल्य कम है।
- थाईलैंड के बजाए रूस ज्यादा समुचित समतुल्य देश होगा क्योंकि कार्बन ब्लैक के निर्माण के लिए प्राथमिक कच्चा माल थाईलैंड में स्टॉक से ज्यादा भरा है जबकि चीन में यह कोल टार के रूप में है जो कार्बन ब्लैक के निर्माण के लिए ज्यादा किफायती कच्चा माल है।
- प्राधिकारी को मासिक आधार पर तुलना करनी चाहिए और यदि यह व्यावहारिक न हो तो तिमाही आधार पर किया जाए जैसाकि डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 में प्रावधान है कि "यह तुलना व्यापार के समान स्तर पर की जाए। सामान्यतः फैक्ट्री के स्तर पर और जहां तक संभव हो उन बिक्रियों के संबंध में की जाए जो उस समय पर की गई हो।"
- उनकी अपनी वेबसाइट के अनुसार ही अप्रैल, 2008 से पहले तक कोई क्षति दिखाई नहीं देती। इस प्रकार क्षति अर्जित की गणना तीसरी और चौथी तिमाही के डाटा के आधार पर की जानी चाहिए। आगे की तिमाही के निर्धारण जांच अवधि के दौरान कीमतों और लागत में अत्यधिक अस्थिरता के कारण, क्षति और पाटन निर्धारण दोनों के लिए ही किए जाने चाहिए।

- इच्छुक पार्टियों ने तर्क दिया है कि पाटन-रोधी शुल्कों को पूर्व प्रभावी आधार पर थोपने का कोई औचित्य नहीं है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

25. प्राधिकारी ने नोट किया है कि संबद्ध देशों के अलावा, 3% से ज्यादा मात्रा में आयात की सूचना केवल यू.के. से प्राप्त हुई है । आवेदक ने दावा किया है कि (क) यू.के. में उत्पादन की कोई सुविधा नहीं है (ख) यू.के. से निर्यात यानांतरण द्वारा होता है (ग) यू.के. से आयातों में ऑफ स्पेक मैटेरियल की भारी बिक्री शामिल है । किसी भी इच्छुक पार्टी ने आवेदक के इस दावे का खंडन नहीं किया है ।

26. प्राधिकारी ने नोट किया है कि एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में रूस द्वारा विचारे जाने के लिए प्राथमिक कारण यह देखना है कि तीसरे देश के कच्चे माल अर्थात् कोलतार में समानता हो । तथापि, पाटनरोधी नियमों के अनुसार यह आवश्यक है कि एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में तीसरे देश का उचित ढंग से पदनामित प्राधिकारी द्वारा किया जाए जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर को भी और प्रसंगाधीन उत्पाद को ध्यान में रखा जाए और चयन के समय उपलब्ध कराई गई विश्वसनीय सूचना पर पूरा ध्यान दिया जाए । प्राधिकारी के पास इस संबंध में कोई विश्वसनीय सूचना रिकॉर्ड में मौजूद नहीं है । इसलिए, प्राधिकारी ने इस स्तर पर, भारत में उत्पाद की लागत पर विचार किया है और चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए जायज समायोजन किया है । जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों में रिकॉर्ड किया जा चुका है, चीन के एक सहयोगी उत्पादक अर्थात् मै. जियांगशी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लि. ("ब्लैक कैट") ने अन्य बातों के साथ-साथ संबद्ध उत्पाद के लिए कच्ची सामग्री के रूप में प्रयुक्त कोल आधारित टार तथा तेल आधारित टार के बीच कीमत में अंतर का दावा किया है । इस प्रयोजनार्थ उसने जांच अवधि के लिए कोल आधारित टार के संबंध में चीन के सीमाशुल्क के निर्यात आंकड़ों को उपलब्ध कराया है । यह अनुरोध किया गया था कि चीन के निर्यात जापान, ताईवान, कोरिया और मंगोलिया को किए जाते हैं, जिनमें से जापान में सर्वाधिक मात्रा में आयात होते हैं । जापान को किए गए मासिक आधार पर कोल आधारित टार के निर्यातों का संक्षेप में उल्लेख निम्नानुसार है :-

जांच अवधि के दौरान कोल आधार टार की चाइनीज कस्टम्स एक्सपोर्ट स्टेटिस्टिक्स का सारांश

एच.एस.कोड 27060000	आयातक देश: जापान			
	निर्यात की मात्रा किग्रा. में	निर्यात मूल्य एफओबी अम.डॉ. में	प्रति टन इकाई कीमत जिसमें वैट भी शामिल है	अम.डॉ. में वैट की प्रति टन नेट पर दिए यूनिट मूल्य
अक्तूबर-07	15,502,298	5,333,260	344	294

नवंबर-07	11,698,655	4,148,016	371	317
दिसंबर-07	14,560,343	5,399,859	397	339
जन.-08	11,029,308	4,374,271	399	341
फर.-08	8,324,216	3,319,458	420	359
मार्च-08	12,838,507	5,395,734	443	379
अप्रैल-08	11,910,519	5,281,898	426	364
मई-08	16,366,168	6,969,834	426	364
जून-08	11,194,695	5,241,809	468	400
जुलाई-08	13,408,305	7,080,159	528	451
अगस्त-08	7,859,734	5,006,943	637	544
सितंबर-08	4,659,025	3,206,600	688	588
कुल	139,351,773	60,757,841	436	373

निर्यातक ने यह भी अनुरोध किया था कि कोल आधारित टार की उपर्युक्त बाजार कीमत पर उचित तुलना हेतु बेंचमार्क रूप में विचार किया जाए ।

27. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने भी यह अनुरोध किया है कि तिमाही आधार पर सामान्य मूल्य की तुलना निर्यात मूल्य से की जाए । जांच अवधि के दौरान कीमत और लागत में भारी अंतर को देखते हुए प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों से प्राप्त आंकड़ों का त्रैमासिक विश्लेषण किया है और वर्तमान जांच परिणामों में भी इसका अनुपालन किया है।

28. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने यह दावा नहीं किया है कि घरेलू उद्योग को अप्रैल, 2008 तक कोई क्षति नहीं पहुंची है । इसके विपरीत, घरेलू उद्योग ने कहा है कि लाभ में कमी की शुरुआत कार्य, को समाप्त तिमाही से हो गई है और अब तक भी हो रहा है। इसके अतिरिक्त, यदि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण केवल पिछली दो तिमाहियों के आधार पर किया जाता है तो इससे अन्वेषण की अवधि घटकर केवल दो तिमाहियों तक रह जाएगी । जबकि तिमाही हर तिमाही तुलना/विश्लेषण वांछनीय हो तो यह स्थापित नहीं किया गया है कि किसी विशेष तिमाही के लिए सूचना को बाहर रखे जाने की जरूरत है या जांच अवधि को ही कम करना अपेक्षित है । निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की तिमाही आधार पर तुलना करना अथवा घरेलू उद्योग की क्षति का तिमाही आधार पर निर्धारण करना यह इंगित नहीं करता है कि जांच की अवधि को तिमाही या 6 माह तक ही सीमित किया जाए ।

29. प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करना अपेक्षित है । विभिन्न हितबद्ध पार्टियों के विचारों को भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बारे में विधिक अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ग्रहण किया गया है । यह नोट किया जाता है कि भूतलक्षी आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए निर्धारित मापदंडों

की इस मामले में पुष्टि नहीं होती है । अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वर्तमान मामले में भूतलक्षी आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित नहीं है ।

(ड) सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

30. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी जिसमें उन्हें यह सुझाव दिया गया था कि वे निर्धारित स्वरूप और ढंग से ही सूचना उपलब्ध करवाएं । प्रश्नावलियों की प्रतिक्रिया में निम्नलिखित कंपनियों से उत्तर प्राप्त हुए थे ।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	देश
1.	मै. निग्बो देताई केमिकल कंपनी लि.	चीन जन.गण.
2.	मै. हेबई डजुआंगिंग जुवुबा कार्बन ब्लैक कंपनी, लि.	चीन जन.गण.
3.	मै. लांग्सिंग केमिकल स्टॉक कंपनी लि.	चीन जन.गण.
4.	मैसर्स निग्बो शीन- ऑल केमिकल कंपनी लिमिटेड	चीन जन.गण.
5.	मै. जियांग्झी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लिमिटेड ("ब्लैक कैट")	चीन जन.गण.
6.	मै. यरोस्लावस्की टेखनिकेस्की अगलेरोड	रूस
7.	मै. कॉन्टिनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी टी वाई लि.	आस्ट्रेलिया
8.	मै. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कंपनी लिमिटेड	थाईलैंड

31. प्राधिकारी ने नोट किया है कि विचाराधीन उत्पाद जो भारत को बेचा गया है और समान वस्तुएं, जो उनके घरेलू बाजारों में गई हैं, के संबंध में किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने किसी अंतर का दावा पेश नहीं किया है । निर्यातकों ने सामान्य मूल्यों का दावा उनके घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तु के ग्रेडों के आधार पर किया है । कुछ निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि सामान्य मूल्य और निर्यातक कीमत की तुलना मासिक या तिमाही औसतों के आधार पर की जानी चाहिए । तिमाही आधार पर विश्लेषण करने हेतु निवेदनों को स्वीकार किया गया है और प्राधिकारी ने इस स्तर पर सामान्य मूल्य की निर्यात कीमत के साथ तुलना तिमाही औसतों के आधार पर की है । तथापि, चीन जन. गण. के मामले में, जैसा कि यह नीचे विस्तार से उल्लेख किया गया है । प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के निर्धारण के बारे में कई अनसुलझे मुद्दे बचे हुए हैं, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है । अतः चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर किया गया है ।

चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य

32. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 में प्रावधान है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

33. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में, प्राधिकारी ने इंगित किया है कि आवेदक ने यह दावा किया था कि चीन जन.गण. एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था है और थाईलैंड पर एक बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में एक समुचित प्रतिनिधि देश की तरह विचार किया जा सकता है। प्राधिकारी ने अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सभी हितबद्ध पार्टियों से टिप्पणियां आमंत्रित की थीं। एक चीनी निर्यातक ने जिसका नाम जियांग्सी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लिमिटेड (ब्लैक कैट) है, बिना यह दावा किए कि उसे एक बाजार अर्थव्यवस्था माना जाए, अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया कि इस उद्देश्य के लिए रूस के एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की तरह मान लिया जाए।

हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे

34. यह तर्क दिया गया है कि परिकलित सामान्य मूल्य की गणना हेतु एक ही देश के सामान्य मूल्य पर विचार करना पाटनरोधी करार का उल्लंघन है।

35. मै. लॉगजिंग ने यह अनुरोध किया है कि वह राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों से कच्ची सामग्रियों की खरीद करती है, ऐसा औसत खरीद कीमत उक्त कच्ची सामग्री की औसत निर्यात कीमत के समान है।

36. यह तर्क दिया गया है कि जापान के लिए चीन की निर्यात कीमत पर विचार करते समय वैट को छोड़कर निर्यात कीमत को ही लिया जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग के विचार

37. अपने दावे के समर्थन में घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित तर्क दिए हैं :-

- i. जब तक चीन के निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि वे नियमावली में निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की जांच पर खरे उतरते हैं तब तक उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया जा सकता ।
- ii. प्रतिवादी निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि वे अन्य बातों के साथ-साथ स्वामित्व एवं नियंत्रण, संयंत्र अर्जन, कच्ची सामग्री की कीमत और लेखा मानकों के अनुसार किस प्रकार बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के पात्र हैं ।
- iii. समस्त प्रतिवादी कंपनियों ने या तो राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों की अधिकांश शेयरधारिता अपने पास रखी है या फिर उन्होंने हाल ही में निजी कंपनियां अर्जित की हैं (जिस मामले में रूपांतरण की प्रक्रिया संगत बन जाती है) । इसके अलावा, कुछ प्रतिवादी कंपनियां एक ही समूह की भाग नहीं हैं और समूचे समूह ने समग्र रूप में उत्तर दायर नहीं किया है ।
- iv. चीन में प्रमुख निविष्टि, कोल आधारित टार की कीमत में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन नहीं होता है । कच्ची सामग्री हर हालत में उत्पादन की कुल लागत के 75-85% के बीच रहती है और इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण शर्त है । इसके अलावा, संबद्ध वस्तु में निर्यात बिक्री पर वैट की कोई वापसी नहीं है । अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री कीमत या उत्पादन लागत में वैट को जोड़कर की जाए । वैट की राशि तक निर्यात कीमत को कम करना इस कारण से अनुचित है कि जब तक सामान्य मूल्य को वैट के लिए समायोजित नहीं किया जाता, तब तक पाटन मार्जिन की राशि कम बनी रहती है ।
- v. प्राधिकारी को सीमाशुल्क आंकड़ों से ही निर्यात कीमत का सत्यापन करना चाहिए । निर्यातकों के परिसरों पर सत्यापन यह सिद्ध करने के लिए अपर्याप्त है कि किसी निर्यातक ने समस्त निर्यात सौदों का खुलासा किया है ।

चीन जन. गण. के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

38. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन. गण. को भारत और अन्य डब्ल्यू टी ओ सदस्यों ने पाटनरोधी जाचों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की तरह समझा है । चीन जन. गण. को पाटनरोधी नियमों के संबंध में निर्यातक देश या व्यक्तिगत निर्यातकों

द्वारा अनुमान के खंडन के अंतर्गत एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की तरह माना जाता है ।

39. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के पैरा-8, अनुबंध-1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है । चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ चीनी निर्यातकों ने प्रश्नावली की प्रतिक्रिया स्वरूप अपने उत्तर भिजवा दिए हैं जिनमें बाजार अर्थव्यवस्था की प्रश्नावली के लिए उत्तर शामिल हैं और मै. जियांग्सी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लि. (ब्लैक कैट) के अलावा, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की उपधारणा का खंडन करने की मांग की है । प्रश्नावली के लिए जवाब और क्रियाशील निर्माताओं के बाजार अर्थव्यवस्था के जवाब और निर्यातकों को निम्नानुसार संबद्ध देश की संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी निर्माताओं/निर्यातकों के समान मूल्य के निर्धारण के लिए परीक्षण कर लिया गया है ।

चीनी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत निवेदन

मै. पियान्सी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी, लि. ("ब्लैक कैट")

41. प्रश्नावली की प्रतिक्रिया में निर्यातक ने भाग डी. ई. जी. आई. जे. एंड के और प्रश्नावली के परिशिष्ट-1 के प्रश्नों का इस आधार पर उत्तर नहीं दिया कि ये भाग या तो घरेलू बिक्री या उत्पादन लागत से संबंधित थे । उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि उन्होंने स्वयं के बाजार अर्थव्यवस्था की तरह समझे जाने के लिए आवेदन नहीं किया है इसलिए उनकी सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमों के अनुसार तीसरे बाजार के आधार पर होना चाहिए ।

42. निर्यातक ने कोल आधार टार और तेल आधारित टार में कीमत के अंतर का भी दावा किया । इस उद्देश्य के लिए, निर्यातक ने अन्वेषण की अवधि के लिए कोल आधारित टार के संबंध में चाइनीज कस्टम्स एक्सपोर्ट स्टैटिस्टिक्स उपलब्ध करवाएं क। यह भी बताया गया कि चीन, जापान, ताइवान, कोरिया और मंगोलिया को कोल आधारित टार का निर्यात करता है जिनमें जापानी आयातकों की बड़ी संख्या है । मासिक आधार पर जापान को जो कोल आधारित टार के निर्यात किए गए वे निम्नानुसार हैं :-

जांच अवधि के दौरान कोल आधार टार की चाइनीज कस्टम्स एक्सपोर्ट स्टैटिस्टिक्स का सारांश				
एच.एस.कोड 27060000	आयातक देश: जापान			
	निर्यात की मात्रा क्रिया. में	निर्यात मूल्य एफओबी अम.डॉ. में	प्रति टन इकाई कीमत जिसमें वैट भी शामिल है	अम.डॉ. में वैट की प्रति टन नेट पर दिए यूनिट मूल्य
अक्तूबर-07	15,502,298	5,333,260	344	294
नवंबर-07	11,698,655	4,148,016	371	317
दिसंबर-07	14,560,343	5,399,859	397	339
जन.-08	11,029,308	4,374,271	399	341
फर.-08	8,324,216	3,319,458	420	359
मार्च-08	12,838,507	5,395,734	443	379
अप्रैल-08	11,910,519	5,281,898	426	364
मई-08	16,366,168	6,969,834	426	364
जून-08	11,194,695	5,241,809	468	400
जुलाई-08	13,408,305	7,080,159	528	451
अगस्त-08	7,859,734	5,006,943	637	544
सितंबर-08	4,659,025	3,206,600	688	588
कुल	139,351,773	60,757,841	436	373

43. निर्यातक ने अनुरोध किया है कि कीमत की तुलना करने के लिए कोल आधारित टार के उपर्युक्त बाजार मूल्य को बेंचमार्क रूप में माना जाए । इसके साथ-साथ निर्यातकों के प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वे कोल आधारित टार की कीमतों की तुलना तेल-आधारित टार की कीमतों से कर लें जिन्हें प्राधिकारी अन्य देशों के निर्यातकों की जांच के दौरान प्राप्त कर सकते हैं । इसके अतिरिक्त, निर्यातक ने कोल आधारित टार और तेल आधारित टार के कारण कीमत में अंतर का दावा भी किया ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

44. जैसा कि पहले कहा गया है कि चूंकि चीन जन. गण. की पाटनरोधी जांचों के प्रयोजन से एन एम ई की तरह माना गया है इसलिए चीन के घरेलू बाजार में प्राप्त की गई कच्चे माल की कीमतों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि ये कीमतें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को दर्शाती हैं इसलिए आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक, विशेष रूप से इस संदर्भ में कि निर्यातक ने कोल आधारित टार नाम के बड़े कच्चे माल के निर्यातकों के संबंध में वह डाटा जापान को उपलब्ध करा दिया था जो उस कीमत से कहीं ज्यादा है जिस पर जन.गण.गण. के कार्बन ब्लैक निर्यातकों द्वारा माल खरीदा गया है ।

इसलिए, इन प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजन से सामान्य मूल्य को तैयार किया जा रहा है जैसा कि इन निष्कर्षों के संभत भाग में स्पष्ट किया गया है । जहां तक निर्यात मूल्य का संबंध है, निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना/डाटा को स्वीकार कर लिया गया है ।

मै. लॉग्सिंग केमिकल्स स्टॉक कंपनी लिमिटेड

45. निर्यातक के उत्तर का अवलोकन करने के बाद उनके पास अन्य बातों के साथ-साथ कुछ स्पष्टीकरण मांगते हुए अपूर्णता पत्र भेजा गया था । निर्यातक ने पत्र का उत्तर दिया । यह नोट किया गया है कि मै. लॉग्सिंग का पुनर्गठन सामूहिक स्वामित्व वाले उद्यम हवाईशेन कार्बन ब्लैक फैक्ट्री से किया गया था । तथापि, सत्यापन के दौरान पुनर्गठन के बारे में कोई परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट नहीं दिखाई गई । कंपनी से यह भी अनुरोध किया गया कि वह अंतर्राष्ट्रीय कीमत की तुलना में प्रमुख कच्ची सामग्री की मासिक खरीद कीमत के आंकड़े प्रदान करे । परंतु कंपनी ने इसे प्रदान करने में असमर्थता व्यक्त की ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

46. यह पाया गया है कि पुनर्गठन के समय कंपनी द्वारा परिसंपत्ति मूल्यांकन की कोई कार्रवाई नहीं की गई थी । इसके अलावा, यह देखा गया था कि खरीदी गई प्रमुख कच्ची सामग्री राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों से प्राप्त की गई थी और यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है कि निविष्टि की कीमत में बाजारी स्थितियां प्रदर्शित होती हैं । यह भी नोट किया गया है कि एक निर्यातक ने प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् कोल आधारित टार के जापान को किए गए निर्यातों के बारे में आंकड़े प्रदान किए हैं जो उस कीमत

से काफी अधिक हैं, जिस कीमत पर वह सामग्री चीन जन.गण. में कार्बन ब्लैक के उत्पादकों द्वारा खरीदी गई है । अतः सामान्य मूल्य की गणना इन जांच परिणामों के संगत खंड में किए गए उल्लेखानुसार की जा रही है । जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना/आंकड़े स्वीकार किए गए हैं ।

मै. नंगबो शीन- ऑल कैमिकल कंपनी

47. निर्यातक के जवाब का अवलोकन करने पर उन्हें त्रुटि संबंधी एक पत्र भेजा गया था और अन्य बातों के साथ-साथ उनसे कुछ स्पष्टीकरण भी मांगे गए थे । निर्यातक ने पत्र का जवाब दिया है । मै. निंगबोशीन-ऑल कैमिकल कंपनी भारत को संबद्ध वस्तु के निर्यात में संलग्न चीन की एक व्यापार कंपनी है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

48. जवाब के निरीक्षण से यह मालूम हुआ कि प्रत्यर्थी की एक संबंधित कंपनी है जिसका नाम मै. एच.एच.यू आई है जिसने वास्तव में संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया था । इस प्रतिविरोध के गुणों का अध्ययन किए बिना यह भी नोट किया है कि इसने मैसर्स लॉगिंग केमिकल स्टॉक कंपनी लि. से भारी मात्रा में संबद्ध वस्तु प्राप्त की । उन्हें संबद्ध वस्तु के अन्य पूर्तिकर्ता जिसका नाम मै. जियांगझी हेइबाओ, कार्बन ब्लैक कंपनी लि. है, ने इस जांच में सहयोग नहीं किया है । चूंकि मै. लॉगिंग केमिकल स्टॉक कंपनी को एम ई टी की हैसियत नहीं दी गई है इसलिए इसका विस्तार कंपनी तक नहीं किया जा सकता क्योंकि मैसर्स लॉगिंग केमिकल स्टॉक कंपनी ने अन्य बातों के साथ-साथ भारी मात्रा में कच्चे सामान को राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों से प्राप्त किया था जिनके लिए यह नहीं कहा जा सकता कि वे बाजार की स्थितियों को प्रतिबिंबित करती हैं । इसके अलावा, मै. लॉगिंग से यह भी अनुरोध किया गया था कि वह अंतर्राष्ट्रीय कीमत की तुलना में प्रमुख कच्ची सामग्री की मासिक खरीद कीमत के आंकड़े प्रदान करे । परंतु कंपनी ने इसे प्रदान करने में असमर्थता व्यक्त की । यह भी नोट किया गया है कि एक निर्यातक ने प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् कोल आधारित टार के जापान को किए गए निर्यातों के बारे में आंकड़े प्रदान किए हैं जो उस कीमत से काफी अधिक हैं, जिस कीमत पर वह सामग्री चीन जन.गण. में कार्बन ब्लैक के उत्पादकों द्वारा खरीदी गई है ।

अतः सामान्य मूल्य की गणना इन जांच परिणामों के संगत खंड में किए गए उल्लेखानुसार की जा रही है । जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना/आंकड़े स्वीकार किए गए हैं ।

मै. निंगबो देतई केमिकल कं. लि.

49. निर्यातक के जवाब का अवलोकन करने पर उन्हें त्रुटि संबंधी एक पत्र भेजा गया था और अन्य बातों के साथ-साथ उनसे कुछ स्पष्टीकरण भी मांगे गए थे । इसके अलावा,

प्रतिवादी ने यह तर्क दिया है कि देताई द्वारा कच्ची सामग्री की औसत खरीद कीमत जापान के लिए उक्त कच्ची सामग्री की औसत निर्यात कीमत के समान है । अतः प्राधिकारी को यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि निविष्टि की कीमतें बाजार द्वारा निश्चित होती हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

50. उत्तर के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि यह कंपनी चार शेयर धारकों द्वारा 2005 में बनाई गई थी जिनमें सन्ताई इलेक्ट्रीकल कंपनी लि. भी शामिल थी । तथापि, मै. सन्ताई इलेक्ट्रीकल कं. लि. 2006 से प्रत्यर्थी की शेयरधारिता नहीं है और इसलिए कंपनी की शेयरधारिता का ब्यौरा उपलब्ध नहीं था । उत्तर के साथ संलग्न बिजनेस लाइसेंस की प्रति से यह मालूम होता है कि यह लाइसेंस मै. सन्ताई इलेक्ट्रीकल कं. लि. के बजाए मै. सन्ताई इलेक्ट्रीकल एप्रेटस फैक्ट्री के नाम पर है ।

51. इसके अलावा, कंपनी द्वारा यह भी दावा किया गया है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले बड़े कच्चे माल की कोई अंतर्राष्ट्रीय कीमतें नहीं हैं और यह कि कच्चे माल को घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों पर खरीदा गया । चूंकि चीन जन.गण. को पाटनरोधी जांचों के उद्देश्य के लिए एम एम ई के रूप में माना गया है इसलिए चीनी घरेलू बाजार में प्राप्त कच्चे माल की कीमतों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि वे अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को दर्शाती हैं ।

52. इसलिए, इन प्रारंभिक जांचों के प्रयोजन से सामान्य मूल्य को तैयार किया जा जा रहा है जैसा कि इन निष्कर्षों की संगत भाग में स्पष्ट किया गया है । जहां तक निर्यात मूल्य का संबंध है, निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना/डाटा को स्वीकार कर लिया गया है ।

मै. हेबई डजौग्मिंग जुवुवा कार्बन ब्लैक कं. लि.

53. निर्यातक द्वारा भिजवाए गए जवाब का अवलोकन किया गया और कुछ त्रुटियां पाई गईं । तदनुसार त्रुटि के संबंध में पत्र भेजा गया जिसमें स्पष्टकरण मांगे गए । यद्यपि, निर्यातक ने अपूर्णता पत्र का उत्तर दिया है परंतु उसने उसमें की गई समस्त पूछताछों का उचित उत्तर नहीं दिया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

54. यह नोट किया गया था कि कंपनी ने संयंत्र एवं मशीनरी के अर्जन से संबंधित मुद्दे का उचित उत्तर नहीं दिया । यह भी देखा गया था कि वह प्रचलित बाजार कीमत पर घरेलू बाजार में कच्ची सामग्री और अन्य निविष्टियों की खरीद करती है । कंपनी से यह भी अनुरोध किया गया था कि वह अंतर्राष्ट्रीय कीमत की तुलना में प्रमुख कच्ची सामग्री की मासिक खरीद कीमत के आंकड़े प्रदान करे । परंतु कंपनी ने इन्हें प्रदान करने में असमर्थता व्यक्त की ।

55. जैसा कि पहले बताया जा चुका है चूंकि चीन जन.गण. को पाटनरोधी जांचों के उद्देश्यों के लिए एम एम ई के रूप में माना गया है । इसलिए चीनी घरेलू बाजार में प्राप्त कच्चे माल की कीमतों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि वे अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को दर्शाती हैं इसलिए विशेष रूप से इस संदर्भ में कि एक चीनी उत्पादक ने कोल आधारित टार नाम के बड़े कच्चे माल के निर्यातों के संबंध में जापान को वह डाटा उपलब्ध करा दिया जो कंपनी द्वारा किए गए दावों से कहीं ज्यादा है ।

56. इसलिए, सामान्य मूल्य निकाला जा रहा है । जैसा कि इन निष्कर्षों की संगत भाग में स्पष्ट किया गया है । जहां तक निर्यात मूल्य का संबंध है, निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना/डाटा को स्वीकार कर लिया गया है ।

चीन जन.गण. के निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

57. प्राधिकारी ने नोट किया है कि निर्यातकों को यह स्थापित करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि बेसिक इनपुट्स की कीमतें बाजार मूल्यों को वास्तविक तौर पर दर्शाती हों । निर्माताओं ने कच्चे माल के पूर्तिकर्ताओं के नाम दे दिए हैं और उनके लीगल स्टेट्स को पहचान दे दी है । कंपनियों ने यह स्थापित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि इनपुट्स की चालू अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर प्राप्त किया गया है । जहां तक पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. को एन.एम.ई. का दर्जा प्रदान किए जाने का संबंध है, चीन के घरेलू बाजार में खरीदी गई कच्ची सामग्री की कीमत के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उसमें खासकर इस दृष्टिकोण से बाजार मूल्य प्रदर्शित नहीं होते हैं कि चीन के एक उत्पादक ने प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् कोल आधारित टार के जापान को किए गए निर्यातों के संबंध में आंकड़े प्रदान किए हैं, जो कंपनियों द्वारा किए गए दावे से काफी अधिक हैं ।

58. इस बात पर विचार करते हुए कि कच्चे माल की लागत संबद्ध वस्तु की लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, प्राधिकारी चीनी निर्यातकों के साथ बाजार अर्थव्यवस्था की तरह व्यवहार नहीं कर पाएंगे ।

59. उपर्युक्त के मद्देनजर क्या कच्ची सामग्री की कीमत में बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं, संबद्ध वस्तु की लागत और कीमत पर उसका प्रभाव प्रदर्शित होता है, लेखा मुद्दों आदि के संबंध में प्राधिकारी का यह विचार है कि चीन जन.गण. के उत्पादक/निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन नहीं कर सके ।

चीन जन. गण. के मामले में मूल्य के परिकलन के लिए अपनाया गया तरीका

60. प्राधिकारी ने चीनी निर्माताओं के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन निम्नलिखित आधार पर किया है :-

(क) प्रमुख निविष्टि कोल-आधारित टार की कीमतों पर विचार उस कीमत के आधार पर किया गया है जिस कीमत पर इस माल को चीन जन.गण. से जापान निर्यात करने का दावा किया गया है ।

(ख) कच्चे माल का उत्पादन प्रति यूनिट पर खपत पर विचार क्रियाशील निर्यातकों द्वारा किए गए दावों के अनुसार किया गया है ।

(ग) परिवर्तन लागतों की घरेलू उद्योग के कुशल निर्माता की सूचना/डाटा के आधार पर अपनाया गया है ।

(घ) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों की घरेलू उद्योग के कुशल निर्माता की सूचना/डाटा के आधार पर लिया गया है ।

(ङ) लाभ की गणना एक्स फैक्टरी लागत पर 5% की दर से की गई है जिसमें ब्याज शामिल नहीं है ।

61. निष्पक्ष तुलना के उद्देश्यों से उत्पत्ति और बेचे गए संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड के लिए अलग-सामान्य मूल्य की गणना की गई है और जांच अवधि की प्रत्येक तिमाही के लिए भी सामान्य मूल्य की गणना अलग से की गई है । तथापि, यह किए गए पाटन मार्जिन को इस तरह से औसतन रखा गया है कि वे समूची जांच अवधि के बराबर हों और बाद में भी "विचाराधीन उत्पाद" माना जाए ।

आस्ट्रेलिया, रूस और थाईलैंड के मामले में सामान्य मूल्य

62. प्रश्नावली के उत्तर, निम्नलिखित कंपनियों द्वारा भिजवाए गए थे :

क्र.सं.	कंपनी का नाम	देश
1	मै. कॉन्टिनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी टी वाई लि.	आस्ट्रेलिया
2	मै. यरोस्लावस्की टेक्निकेस्की अगलेरोड	रूस
3	मै. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कंपनी लिमिटेड	थाईलैंड

63. सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अपनाई गई कार्य प्रणाली निम्नानुसार है :-

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ हितबद्ध पार्टियों ने निर्यातक देश के लिए समग्र रूप में एक सामान्य मूल्य के निर्धारण का विरोध किया है । तथापि, प्राधिकारी ने इन जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ संबंधित प्रतिवादियों द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के आधार पर उस सीमा तक सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है जिस सीमा तक उनके रिकॉर्डों पर भरोसा किया जा सकता है ।

सामान्य मूल्यों के निर्धारण हेतु क्रियाशील निर्यातकों के लिए अपनाया गया सामान्य तरीका

64. सर्वप्रथम यह देखा गया था कि क्या घरेलू बाजारों में क्रियाशील निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियां प्रतिनिधिक थीं और घरेलू विक्रय कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्यों के निर्धारण की अनुमति देने के लिए व्यवहार्य थी और क्या प्रतिवादियों द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार व्यापार परीक्षण का सामान्य तरीके को पूरा किया गया था । अपने जवाबों में निर्यातकों ने अपने घरेलू बाजारों में की गई बिक्रियों का सौदा-वार ब्यौरा उपलब्ध कराया था । उपलब्ध कराई गई सूचना पर संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए अलग घरेलू बिक्री कीमत बराबर वाली औसत निर्धारित करने के लिए वहां तक भरोसा किया गया है जहां तक यह व्यवहार्य हो व्यापार परीक्षण के साधारण तरीके के निर्धारण के लिए संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागतों को स्वीकार कर लिया गया है । आगे, सभी घरेलू बिक्री सौदों को संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागतों के संबंध में यह निर्धारित करने के लिए जांचा गया था कि क्या घरेलू बिक्रियां व्यापार के साधारण तरीके से की गई थी । यह भी देखा गया था कि क्या घाटे वाले सौदे बिक्री के 20% से ज्यादा तो नहीं थे ।

65. इस बात पर विचार करते हुए कि बड़े कच्चे सामान की कीमतों में महत्वपूर्ण विचलन हुए हैं, आवेदक और एक चीनी निर्यातक ने प्राधिकारी से तिमाही तुलनाओं के आधार पर पाटन के प्रभाव का आकलन करने का अनुरोध किया है ।

66. प्राधिकारी मानते हैं कि उपर्युक्त निवेदनों में आधार है और उसी ग्रेड के लिए तिमाही दर तिमाही उत्पाद की लागत और बिक्री मूल्य में महत्वपूर्ण विचलन देखे हैं और इसलिए निष्पक्ष तुलना सुनिश्चित करने के लिए पाटन मार्जिन का आंकलन, तिमाही आधार पर किया है ।

मै. कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी. टी. वाई. लि., आस्ट्रेलिया

67. सामान्य मूल्य का निर्धारण, प्रतिवादी को संबद्ध वस्तु घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित उक्त पैराग्राफ में उल्लिखित तरीके के अनुसार किया गया है । समायोजन, प्रतिवादी द्वारा किए गए दावेनुसार छूट और अंतरदेशीय भाड़े के कारण किए गए हैं ।

मै. यरोस्लावस्कीय टैक्नीकेस्काई अगलेरोड

68. निर्यातक के जवाब की जांच करने पर कुछेक त्रुटियां नोट की गईं और निर्यातक से आवश्यक सूचना/स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया जिसमें जवाब के परिशिष्ट-1 में उल्लिखित सूचना भी शामिल है । प्रतिवादी को पूर्ण आंकड़े प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था, जिसके पूरक सूचना प्राप्त हुई थी । संबद्ध वस्तु की

घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर पूर्ववर्ती पैराग्राफों में उल्लिखित कार्यप्रणाली के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है ।

मै. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कं. लि.

69. सामान्य मूल्य का निर्धारण, निर्यातक द्वारा किए गए दावेनुसार पैकिंग के खर्चों का समायोजन करने के पश्चात आगामी सत्यापन होने तक, रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचनानुसार निर्यातक के संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित पिछले पैराग्राफ में उल्लिखित पद्धति के अनुसार किया गया । तथापि, निर्यातक के जवाब की जांच करने पर कुछ त्रुटियां नोट की गईं और निर्यातक से आवश्यक सूचना/स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया जिसमें कुछ लेने-देने से संबंधित सूचना शामिल थी जैसा कि जवाब की परिशिष्ट-1 में उल्लेख किया गया है । अपूर्णता पत्र के जरिए कुछेक सौदों के संबंध में स्पष्टीकरण मांगे गए थे, लेकिन निर्यातक ने उसका जवाब नहीं दिया; इसलिए प्राधिकारी इन सौदों की अनदेखी करने के बाद आगे की कार्रवाई करने के लिए बाध्य हुए । इन सौदों को छोड़कर निर्यातक के दावों को स्वीकार किया गया है । निर्यातक के दावे के अनुसार छूट और अंतरदेशीय परिवहन के लिए समायोजन किए गए हैं ।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

70. चूंकि संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई दूसरा जवाब प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार ही अपने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का निर्णय लिया है ।

निर्यात कीमत

प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

71. प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमतें इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रश्नावली के जवाबों के आधार पर निर्धारित की जा सकती हैं ।

मै. कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी.टी.वाई. लि., आस्ट्रेलिया

72. भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है । समायोजन, अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, बंदरगाह पर चढ़ाई-उतराई खर्च, सीमा शुल्क और कमीशन के कारण किए गए हैं जैसा कि निर्यातक द्वारा दावा किया गया है ।

मै. योस्लावसकी टेक्नीकेस्काई अगलेरोड

73. मै. योस्लावसकी टेक्नीकेस्काई अगलेरोड ने आरंभ में अपूर्ण उत्तर दायर किया था। उनके उत्तर की जांच करने पर कुछेक त्रुटियां पाई गई थीं और प्रतिवादी से अनुरोध किया गया था कि वह उत्तर के परिशिष्ट-2 में उल्लिखित सूचना सहित आवश्यक सूचना/स्पष्टीकरण प्रदान करें। पूर्ण उत्तर प्रस्तुत करने के लिए प्रतिवादी को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था, जिसके बाद पूरक सूचना प्राप्त हुई थी। शुरु में यह बताया गया था कि यह कंपनी भारत को संबद्ध वस्तु का सीधे निर्यात नहीं करती है, अपितु अपने एजेंट मै. ट्राइगोन के जरिए संबद्ध वस्तु की आपूर्ति करती है। लेकिन बाद में यह पता चला कि मै. ट्राइगोन ने न केवल मै. योस्लावसकी टेक्नीकेस्काई अगलेरोड से संबद्ध वस्तु की खरीद की है, अपितु कुछ अन्य कंपनियों से भी की है। इस वास्तविक सूचना की जानकारी कंपनी ने प्राधिकारी को नहीं दी। वस्तुतः सत्यापन दौरे के दौरान भी डीजीएडी दल को यह विश्वास दिलाया गया कि मै. ट्राइगोन गल्फ फैज्को केवल मै. योस्लावसकी टेक्नीकेस्काई अगलेरोड का एक एजेंट है। इसके अलावा, आंकड़ों की आगे जांच करने पर निर्यातक अर्थात् मै. ट्राइगोन गल्फ फैज्को और मै. योस्लावसकी टेक्नीकेस्काई अगलेरोड से प्राप्त उत्तरों में काफी असंगतताएं नोट की गई हैं, जिसकी वजह से प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के आंकड़ों की अनदेखी की। अतः प्राधिकारी ने केवल उत्तर पर भरोसा न करने और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्यात कीमत की पुष्टि न करने के लिए बाध्य हुए।

74. इस प्रकार, संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए पृथक भारत में भारित औसत निर्यात कीमत, डी जी सी आई एंड एस डाटा के अनुसार, भारत में रिपोर्ट किए गए निर्यात के आधार पर की गई है। समायोजन मार्ग और रेल पर अंतरदेशीय दुलाई खर्चा, स्टफिंग, वेयरहाउसिंग, विलंब शुल्क, समुद्री भाड़े, बैंक प्रभार, कमीशन इत्यादि के कारण मै. ट्राइगोन गल्फ फैज्को द्वारा दिए गए निवेदनों के अनुसार किए गए हैं।

मैसर्स थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कं. लि. ("ब्लैक कैट")

75. भारत के लिए पृथक भारित औसत कीमत, संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है। समायोजन, कमीशन, भाड़ा, पोतपरिवहन तथा बीमा के कारण किए गए हैं जैसा कि निर्यातक द्वारा दावा किया गया है।

76. ऊपर किए गए उल्लेख कि अनुसार संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/प्रकार के लिए भारत हेतु पृथक भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। निर्यातक के दावे के अनुसार अंतरदेशीय परिवहन, विदेशी परिवहन, विदेशी बीमा, ऋण, बैंक प्रभारों और निर्यात पैकिंग के लिए समायोजन किए गए हैं। यह नोट किया गया है कि चीन के अन्य निर्यातकों ने वैट के लिए भी समायोजन किए हैं; परंतु मै. जियांगशी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लि. ने ऐसा नहीं किया है। अतः वैट के लिए समायोजन निर्यात कीमत में भी किया गया है।

मैसर्स लॉग्सिंग कैमिकल स्टॉक कं. लि.

77. भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, जवाब के परिशिष्ट-2 में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है। समायोजन, विदेश में भाड़े, विदेशी बीमा, आउटपुट वैट, निर्यात पैकिंग, अंतर्देशीय भाड़े, हैंडलिंग, जमा और बैंक प्रभार के कारण किए गए हैं, निर्यातक द्वारा दावा किया गया है।

मैसर्स निंग्बो शीन ऑल केमिकल कं.

78. भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, जवाब के परिशिष्ट-2 में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है। समायोजन, विदेश में भाड़े, विदेशी बीमा, आउटपुट वैट, हैंडलिंग और बैंक प्रभार के कारण किए गए हैं जैसा कि आगामी अन्वेषण और सत्यापन के अधीन, प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए निर्यातक द्वारा दावा किया गया है। इसके अतिरिक्त समायोजन, जिनके लिए मैसर्स लॉग्सिंग कैमिकल स्टॉक कं. लि. निर्माता ने दावा किया है और जो मैसर्स निंग्बो शीन-ऑल केमिकल कं. को संबद्ध वस्तु का मुख्य आपूर्तिकर्ता है, अंतर्देशीय भाड़े, पैकिंग और जमा, के कारण किए गए हैं।

मै. निंग्बो देतई केमिकल कं. लि.

79. भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, जवाब के परिशिष्ट-2 में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है। समायोजन, विदेश में भाड़े, बीमा, आउटपुट वैट, हैंडलिंग और बैंक प्रभार के कारण किए गए हैं। जैसा कि निर्यातक द्वारा दावा किया गया है।

मै. हेबई डिजुआंग्मिंग जुवुबा कार्बन ब्लैक

80. भारत के लिए पृथक औसत निर्यात कीमत, जवाब के परिशिष्ट-2 में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है समायोजन शुल्क घोषणा, बंदरगाह चार्जस, अंतर्देशीय दुलाई, विदेश में दुलाई, बीमा और बैंक प्रभार के कारण किए गए हैं जैसा कि आगामी जांच और सत्यापन के अधीन प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए निर्यातक द्वारा दावा किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह नोट किया गया है कि चीन जन गण के अन्य निर्यातकों ने वैट के कारण भी समायोजन किए हैं लेकिन मै. हेबई डिजुआंग्मिंग जुवुबा कार्बन ब्लैक क0लि0 ने ऐसा नहीं किया है। इसलिए निर्यात कीमत के लिए वैट के कारण समायोजन भी किया जा रहा है।

असहयोगी निर्यातकों/निर्माताओं के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

81. चूंकि संबद्ध वस्तु के अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी ने निर्यात कीमत पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित करने का निर्णय लिया है। डाटा का मिलान आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई और सहयोगी निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार किया गया है।

पाटन मार्जिन - तुलना की पद्धति

82. यह नोट किया गया है कि रबड़ अनुप्रयोगों के लिए कार्बन ग्रेडों में उत्पादित किया जाता है और बेचा जाता है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना यह दर्शाती है कि सांझी लागतों और विभिन्न ग्रेडों की कीमतों में बड़ा अंतर है यद्यपि सभी ग्रेड एक ही सामान्य उद्देश्य के लिए प्रयोग कि जाते हैं और सभी एक ही कार्य करते हैं। इसी के मद्देनजर, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्यों में और एक्स फैक्टरी स्तर पर विभिन्न ग्रेडों की निर्यात कीमतों में अंतर करके ब्लैक कार्बन के प्रत्येक ग्रेड के लिए अलग से पाटन मार्जिन निकाला है। औसत वाला समूचा पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रत्येक ग्रेड और संबंधित मात्रा पर आधारित पाटन की गणना करके किया गया है जिससे अलग-अलग ग्रेडों में पाए गए पाटन को नकारात्मक नहीं माना गया है। तुलना करने से जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के पाटन की मौजूदगी का पता चला। औसत भार वाली पाटन मार्जिन जिसे निर्यात कीमत की प्रतिशत की तरह दिखाया गया है, को सकारात्मक और महत्वपूर्ण मानकर निर्धारित किया गया है।

83. इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग और क्रियाशील विदेशी निर्माताओं द्वारा फाइल की गई सूचना यह दर्शाती है कि जांच की अवधि के दौरान उत्पाद की कीमतों में बड़े अंतर थे। घरेलू उद्योग ने बताया कि, निरीक्षण की अवधि के दौरान बेसिक फीडस्टॉक मूल्यों में काफी बढ़ोतरी हुई जिसके परिणामस्वरूप जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। इसलिए घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को जहां तक संभव हो सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य को एक ही समय पर मानना चाहिए। कुछ प्रतिवादी निर्यातक इस बात पर सहमत हुए कि जांच की अवधि के लिए समान भार वाली औसत के आधार पर सामान्य मूल्य की निर्यात मूल्य के साथ तुलना उचित नहीं होगी।

84. इस प्रकार निष्पक्ष तुलना के सिद्धांतों और वर्तमान मामले के विशेष तथ्यों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की निर्यात कीमत से तुलना तिमाही औसतों के आधार पर की है कीमत जिसे बाद में पीयूसी के लिए एकल पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए नकारात्मक पाटन किए बिना समूची पीओआई के लिए समग्र रूप में माना गया है।

85. तुलना से जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के पाटन की मौजूदगी का पता चलता है। निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है, जो सकारात्मक तथा काफी अधिक है।

हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे

85. कुछ हितबद्ध पार्टियों ने खपत मानकों के प्रकटन की मांग की है। लेकिन प्राधिकारी ने नोट किया कि ऐसे मानकों का प्रकटन उसी हितबद्ध पार्टी को किया जा सकता है, जिसके आंकड़ों को स्वीकार किया गया है। ऐसे मानकों का प्रकटन अन्य हितबद्ध पार्टियों को नहीं किया जा सकता।

पाटन मार्जिन

86. सामान्य मूल्यों और निर्यात कीमतों पर विचार करने के पश्चात्, जांच के होने तक, उत्पाद के लिए अलग से निर्धारण किया गया है, पाटन मार्जिनों को निम्नानुसार निर्धारित किया गया है।

निर्यातक	देश	पाटन मार्जिन प्रति कि० ग्रा० अमेरिकी डालर	पाटन मार्जिन % में
मै० कॉन्टीनेंटल कार्बन आस्ट्रेलिया पीटीवाई लि०	आस्ट्रेलिया	*****	38.36%
नॉन कॉअपरेटिव उत्पादक/निर्यातक	आस्ट्रेलिया	*****	61.19%
मै० जियांग्डी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक क० लि०	जन गण	*****	20.93%
मै० निग्बो देतई केमिकल क० लि०	जन गण	*****	24.61%
मै० हेबई डिजुआंग्मिंग जुवुबा कार्बन क० लि०	जन गण	*****	28.77%
मै० लॉगिंग केमिकल स्टॉक क० लि०	जन गण	*****	31.50%
मै० एचएचयूआई/निग्बो कार्बन ब्लैक क० लि०	जन गण	*****	29.34%
नॉन कॉअपरेटिव उत्पादक/निर्यातक	जन गण	*****	93.72%
मै० यरोस्तावस्की टेक्नीकेस्काई अगलेरोड थू मै० ट्राइगन कल्फ फेजको	रूस	*****	27.29%
नॉन-कॉअपरेटिव उत्पादक/निर्यातक	रूस	*****	79.62%
मैसर्स थार्ने टोकाई कार्बन प्रोडक्ट क० लि०	थाईलैंड	*****	21.27%
नॉन कॉअपरेटिव निर्माता/निर्यातक	थाईलैंड	*****	43.49%

च. क्षति और कारणात्मक संबंध

हितबद्ध पार्टियों द्वारा क्षति से संबंधित अनुरोध

चाइना रबड़ इंडस्ट्री एसोसिएशन और मै0 सुझीऊ बाओहुआ कार्बन ब्लैक क0लि0 चाइना के अनुरोध

87. घरेलू उद्योग को पहुंची क्षति के संबंध में विस्तृत अनुरोध गए हैं और अन्य बातों के साथ-साथ यह भी तर्क दिया गया है कि निम्नलिखित सारणी स्पष्ट रूप से स्थापित करती है कि जांच की अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग के कार्य प्रदर्शन में सुधार आया है।

क्र० सं०	विवरण	घरेलू उद्योग को आभासित क्षति पर टिप्पणी
1.	बिक्री में वास्तविक और संभावित गिरावट	घरेलू उद्योग की बिक्रियां निश्चित अर्थों में बढ़ी हैं। घरेलू उद्योग अपनी उच्चतम क्षमता से संचालित हो रहा है।
2.	लाभों में वास्तविक और संभावित गिरावट	लाभ बढ़ा है। याचिकाकर्ता, आधार वर्ष की तुलना में, जब पाटन का कोई अभिकथन नहीं था, व्यापक लाभ कमा रहे हैं।
3.	आउटपुट में वास्तविक और संभावित गिरावट	उत्पादकता और क्षमतापूर्वक उपयोग में बढ़ोतरी के साथ ही आउटपुट भी बढ़ा है।
4.	मार्केट शेयर में वास्तविक और संभावित गिरावट	कभी घरेलू निर्माताओं ने बाजार का 19% तक शेयर प्राप्त कर लिया है।
5.	उत्पादकता में वास्तविक और संभावित गिरावट	उत्पादकता में सुधार हुआ है। उत्पादकता में कमी का कोई संकेत नहीं है।
6.	निवेश पर रिटर्न में वास्तविक और संभावित गिरावट	जांच की अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न आधार वर्ष की तुलना में, जब रिटर्न नकारात्मक हुआ करता था, बढ़ा है।
7.	क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट	क्षमता उपयोग 13% से ज्यादा बढ़ गया है। घरेलू उद्योग अपनी उच्चतम क्षमता से कार्य कर रहा है।
8.	पाटन मार्जिन का परिणाम	दावा किया गया पाटन मार्जिन परिकल्पनात्मक है।
9.	रोकड़ प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का रोकड़ प्रवाह, आधार वर्ष की तुलना में बढ़ा है।
10.	वस्तुसूचियों पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	यदि बिक्री/उत्पादन के दिनों की संख्या से जोड़कर विचार किया जाए तो औसत स्टॉक की पूरी स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। घरेलू उद्योग ने स्टॉक की उद्योग के नार्म्स से कर्म बनाए रखा है।
11.	रोजगार पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	कर्मचारियों की संख्या स्थिर बनी हुई है। रोजगार पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है।

12.	मजदूरी पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	घरेलू उद्योग में मजदूरी सामान्य से ज्यादा बढ़ी है।
13.	विकास पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	उन्नति पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है।
14.	पूंजी बढ़ाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	इससे यह स्पष्ट है कि वे पूंजी में आसानी से बढ़ोतरी कर सकते हैं।
15.	निवेशों पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	घरेलू उद्योग ने विस्तार वाली बड़ी परियोजनाओं की चालू किया है। इससे यह स्पष्ट है कि अभिकथित पाटन के कारण निवेशों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है।

88. यह तर्क दिया गया है कि उपर्युक्त सारणी यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग ने पाटन-रोधी करार के अंतर्गत निर्धारित किसी भी अनिवार्य क्षति मापदण्ड को प्रभावित नहीं किया है। घरेलू उद्योग के लाभों में बढ़ोतरी हुई है। क्षमता बढ़ी हुई क्षमता के साथ इसकी उपयोगिता भी बढ़ी है। क्षति के सभी मापदंड यह दिखा रहे हैं कि आधार वर्ष की तुलना में, जांच की अवधि के दौरान, वृद्धि हुई है। अभिकथित पारित निर्मातों और घरेलू उद्योग को क्षति के दावे के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

89. इसके अतिरिक्त, यह प्रतिवाद किया गया है कि बढ़ी हुई कार्यक्षमता और बेहतर लाभ के कारण 2007-08 से घरेलू उद्योग में विस्तार हुआ है। पीसीबीएल द्वारा समय-समय पर जारी विभिन्न प्रेस विज्ञप्तियों को उद्धृत किया गया है। यह तर्क दिया गया है कि इससे स्पष्ट है कि पीसीबीएल बड़े निवेशों के द्वारा अपनी क्षमताएं बढ़ा रहा है। विस्तार के यह कार्यक्रम यह स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि कार्बन ब्लैक के संबंध में घरेलू उद्योग के लिए व्यवसाय का माहौल बहुत अच्छा है और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने विस्तार के कार्यक्रम चालू किए हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग अच्छी दशा में है और अपने लाभ को बढ़ाने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का प्रयोग करना चाहता है। अभिकथित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं है।

90. जहां तक आर्थिक क्षति के डर की बात है तो यह प्रतिवाद किया गया है कि क्षति के डर और आर्थिक क्षति पर आमतौर पर विचार वैकल्पिक रूप से किया जाता है क्योंकि क्षति का डर वर्तमान में आर्थिक क्षति की बजाए निकट भविष्य में आर्थिक क्षति में ज्यादा रहता है। यह प्रतिवाद किया गया है कि क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग का दावा साधारण दावे पर आधारित है न कि तथ्यों पर। यह प्रतिवाद किया गया है कि न तो घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति पहुंची है और न ही इसे क्षति का कोई डर है।

91. इसके अलावा, अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया गया है कि :

- (क) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों में कुछेक ग्रेडों अर्थात् थर्मल ब्लैक तथा अर्द्ध सुचालक यौगिक अनुप्रयोग के ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया गया है कि वे क्षति विश्लेषण हेतु इन ग्रेडों को आयात के आंकड़ों से अलग रखें क्योंकि उनका भारतीय घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अन्यथा, विश्लेषण में गैर-उत्पादित मर्दे शामिल होने की त्रुटि हो जाएगी।
- (ख) प्राधिकारी को मासिक आधार पर तुलना करनी चाहिए और यदि ऐसा व्यवहार्य न हो तो डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 के अनुसार तिमाही आधार पर करनी चाहिए।
- (ग) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के अलग-अलग ग्रेडों के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का अलग-अलग निर्धारण किया है। प्राधिकारी को प्रत्येक ग्रेड के लिए अलग-अलग क्षतिरहित कीमत तथा क्षति मार्जिन का निर्धारण कर उसे उपलब्ध कराना चाहिए और उसकी विधिवत संस्तुति प्रत्येक ग्रेड के लिए अलग-अलग करनी चाहिए।
- (घ) संबद्ध देशों का चयन भेदभावपूर्ण ढंग से किया गया है क्योंकि संबद्ध देशों से इतर कुछेक देशों से हुए आयात की मात्रा न तो नगण्य है और न ही उनकी आयात कीमत कम है।
- (ङ) वैबसाइट के अनुसार, अप्रैल, 2008 से पूर्व कोई क्षति नहीं हुई है अतः क्षति मार्जिन की गणनाएं तीसरी और चौथी तिमाही के आंकड़ों के आधार पर की जानी चाहिए। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान कीमत और लागत में अत्यधिक अस्थिरता के कारण क्षति तथा पाटन, दोनों का तिमाही आधार पर निर्धारण किया जाए।
- (च) मै. पी सी बी एल को रूपए के मूल्य में कमी के कारण घटा हुआ है। यह ज्ञात नहीं है कि क्या इस तथ्य पर क्षति रहित कीमत निकालने और कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने के समय विचार किया गया है।
- (छ) भारतीय रूपए के मूल्य में कमी के परिणामस्वरूप आयात लागत में 15-20% की वृद्धि हुई, जो असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों को छोड़कर क्षति मार्जिन से अधिक है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्धारित शुल्क के बजाए संदर्भ कीमत के आधार पर शुल्क की सिफारिश करनी चाहिए।
- (ज) जांच अवधि के दौरान कोई प्रतिकूल मात्रात्मक तथा कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति में आधार वर्ष तथा पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है।

- (झ) चूंकि घरेलू बिक्री प्राप्ति में वर्ष-दर-वर्ष लगातार वृद्धि हुई है और पहुंच मूल्य में वृद्धि औसत घरेलू बिक्री कीमत में वृद्धि से अधिक रही है, कीमत प्रभाव मौजूद नहीं है,
- (ज) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मात्र 4.66% की गिरावट आई और अभी भी उसके पास 65.28% हिस्सा है तथा कुल भारतीय उद्योग का हिस्सा 87.24% है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट केवल क्षमता की बाधा के कारण आई है। मांग में अचानक वृद्धि की भरपाई करने के लिए आयात अनिवार्य बन गए हैं।
- (ट) घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में सार्वजनिक क्षेत्र से प्राप्त सूचना से प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रतिकूल स्थिति का पता चलता है। अक्टूबर-दिसंबर, 2007, जनवरी-मार्च, 2008, अप्रैल-जून, 08 की तिमाहियों के लिए फिलिप्स कार्बन ब्लैक के वित्तीय निष्पादनों से प्रचालन क्षमता के लाभ और संशोधित कारोबार मॉडल की बेहतर स्थिति का पता चलता है जिससे फीड स्टॉक लागत में वृद्धि में कमी आई है। उच्चतम बिक्री मात्रा हासिल की गई है, कार्बन ब्लैक फंड की पीबीआईटी में भी वृद्धि हुई है, कंपनी के प्रचालन मार्जिन में भी वृद्धि हुई है। घरेलू मांग में वृद्धि के कारण निर्यात कम हुए हैं।
- (ठ) जांच अवधि के भीतर घरेलू उद्योग को आयातों के कारण कोई खास क्षति नहीं हुई है। जुलाई, 08-सितंबर, 08 के दौरान लाभप्रदता में गिरावट फीड स्टॉक कीमत में असामान्य वृद्धि, विदेशी मुद्रा की तुलना में रुपए के मूल्य में गिरावट, जिसकी वजह से निवल लाभ में भारी गिरावट आई है, जैसे कारणों से आई है। वैश्विक आर्थिक संकट के कारण घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है।
- (ड) रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य आयात और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए अपर्याप्त है।
- (ढ) समूची जांच अवधि के दौरान समस्त आर्थिक मापदंडों के बेहतर निष्पादन के बावजूद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपना ध्यान केवल जांच अवधि के दौरान तिमाही-दर-तिमाही आधार पर प्रवृत्तियों के विश्लेषण और जांचोत्तर अवधि की तिमाही पर केन्द्रित किया है। यह विश्लेषण आंशिक है, पूर्ण नहीं।
- (ण) प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत निकालने के लिए निवेश पर उचित आय के रूप में 22% पर विचार किया है, जबकि फिलिप्स कार्बन की निवेश पर आय 40% है। अतः घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
- (त) प्राधिकारी ने क्षति के खतरे की जांच करने के लिए जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों का उपयोग किया है। तथापि, क्षति विश्लेषण हेतु जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों पर विचार नहीं किया गया है। अलग-अलग अवधि का चुनिंदा उपयोग न्यायोचित नहीं है।

अलग-अलग क्षति कारकों के लिए अलग-अलग अवधि का उपयोग क्षति की तथ्यपरक जांच करने के दायित्व के असंगत है ।

- (थ) घरेलू उद्योग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में स्वयं यह स्वीकार किया है कि वैश्विक मंदी के कारण मांग कम रही है ।
- (द) प्राधिकारी ने यह बताया है कि ए टी एम ए ने यह सिद्ध नहीं किया है कि घरेलू उद्योग को कच्ची सामग्री की उच्च कीमत के कारण जांच अवधि में वित्तीय घाटा हुआ है । हाईटैक कार्बन तथा पी सी बी एल की वार्षिक रिपोर्ट में स्पष्ट तौर पर यह उल्लेख है कि उच्च कीमत के सी बी एफ एस की खपत के कारण प्रचालन लाभों पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था । घरेलू उद्योग द्वारा थोक में की गई खरीद लाभप्रदता में आई गिरावट का वास्तविक कारण थी और इसकी वजह आयात को नहीं माना जाना चाहिए ।
- (ध) घरेलू उद्योग की कीमत में 47% की वृद्धि हुई है जो लागत में हुई वृद्धि (जो 42% है) के अनुपातिक है । यह नहीं कहा जा सकता कि घरेलू उद्योग को कीमत न्यूनीकरण की वजह से घाटा हुआ है ।
- (न) जांचोत्तर अवधि में सी बी एफ एस कीमत में गिरावट नहीं आई है, जिसकी वजह से घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत कम होगी यदि क्षतिरहित कीमत में ऐसा कोई समायोजन किया जाता है तो घरेलू उद्योग को प्रत्येक उच्च स्तर पर अनुचित संरक्षण मिलेगा, जो अपेक्षित नहीं है ।
- (प) चूंकि क्षति रहित कीमत और निवल बिक्री प्राप्ति लगभग एक समान है, इसलिए कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है ।
- (फ) चीन के सीमाशुल्क आंकड़ों पर आधारित विवरण को छोड़कर निर्यातक देशों में मुक्त रूप से निपटान योग्य अत्यधिक क्षमता का कोई साक्ष्य नहीं है ।
- (ब) वास्तविक क्षति के खतरे का दावा महज विवरणों पर आधारित है और यह समर्थकारी दस्तावेजों से रहित है ।
- (भ) वास्तविक क्षति के खतरे का निष्कर्ष मात्र जांचोत्तर अवधि की तिमाही में कुछेक क्षति मापदंडों में गिरावट के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए और खासकर उस स्थिति में जब कुछेक क्षति मापदंडों में समग्र क्षति अवधि जिसमें अप्रैल-05 से सितंबर, 08 तक की अवधि शामिल है, के दौरान लगातार वृद्धि हुई है ।
- (म) वास्तविक क्षति के खतरे का पता लगाने के लिए प्राधिकारी को मई, 2009 तक के आयात आंकड़ों पर विचार करना चाहिए ।

- (य) जांच अवधि के बाद के आंकड़े लेते समय और हाई टैक कार्बन, जिसने जांच शुरूआत से पूर्व सूचना प्रस्तुत नहीं की है, को शामिल करते समय प्राधिकारी सूचना और अनुरोधों के नोटिस से संबंधित पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.1 तथा बचाव हेतु सुने जाने का अवसर प्रदान किए जाने के बारे में पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.2 के अंतर्गत अपने दायित्वों की पूर्ति करने में विफल रहे हैं ।
- (र) संबद्ध देशों से आयात मात्रा में वृद्धि मुख्यतः आधार वर्ष में आयात की कम मात्रा के कारण हुई प्रतीत होती है । समग्र और तुलनात्मक रूप में यह वृद्धि वस्तुतः कम है ।
- (ल) संबद्ध देशों से हुए आयातों में वृद्धि हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग पहले से ही क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर प्रचालन कर रहा है और इसमें आगे वृद्धि नहीं की जा सकती ।
- (व) प्राधिकारी ने पिछली 3 तिमाहियों की बिक्री मात्रा की तुलना जांच अवधि की अंतिम तिमाही की बिक्री मात्रा के साथ की है । इसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान क्षति विश्लेषण पुष्टिकृत रहा है ।
- (श) एस एम ई औद्योगिक प्रयोक्ताओं का हिस्सा भारत में कार्बन ब्लैक की कुल मांग का सबसे अधिक रहता है । रबड़ मार्केट कम मार्जिन वाला मार्केट है और चूंकि निविष्टि की लागत एक प्रमुख भूमिका निभाती है, इसलिए पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से इस उद्योग को अनुचित ढंग से हानि होगी ।
- (ष) अधिसूचना 81 (आर ई - 2008)/2004-2009 के तहत कार्बन ब्लैक को प्रतिबंधित सूची में डाला गया है । परिणामतः आयातों में पहले ही कमी आ चुकी है ।

ए टी एम ए के अनुरोध

92. ए टी एम ए ने क्षति के विभिन्न मापदंडों के बारे में विस्तृत अनुरोध किए हैं जिनमें घरेलू उद्योग को कोई क्षति न होने का तर्क दिया गया है ।

घरेलू उद्योग के विचार

93. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

- रिलायंस इंडस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी (2006 (202)ई एल टी 23 (एस सी)) मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय को देखते हुए प्राधिकारी को क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ समग्र घरेलू उत्पादकों पर विचार करना चाहिए । वस्तुतः

निर्दिष्ट प्राधिकारी असहयोगी कंपनियों के लिए सूचना जुटाने हेतु कई मामलों में याचिकाकर्ताओं और / अथवा भारतीय उत्पादकों को निर्देश देते आ रहे हैं। अतः यदि कोई एक घरेलू उत्पादक ने क्षति संबंधी सूचना प्रदान की है तो उस पर क्षति निर्धारण हेतु विचार करना अपेक्षित होता है। अतः घरेलू उद्योग के क्षेत्र को पुनः परिभाषित किया जाए ताकि उसमें फिलिप्स कार्बन और हाईटैक कार्बन को शामिल किया जा सके। घरेलू उद्योग ने अपने तर्क के समर्थन में अर्जेंटीना-ब्राजील से कुक्कुट पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क (डब्ल्यू टी/डी एस 241/आर) तथा ई सी - वैडलेनन के मामलों में डब्ल्यू टी ओ पैनल के निर्णयों का भी हवाला दिया है।

- घरेलू उद्योग के क्षेत्र को रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार कार्यवाही के प्रत्येक चरण पर पुनः परिभाषित करवाया जाता है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, पाटनरोधी जांच में साक्ष्य की मात्रा और गुणवत्ता में सुधार होता रहता है।
- पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन और अंततः शुल्क समग्र विचाराधीन उत्पाद के लिए एक होना चाहिए। इस संबंध में यूरोपीय समुदाय-भारत से कॉटन टाइल बैड लिनेन के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क (डब्ल्यू टी/डी एस/ 141/ए बी / आर) से संबंधित मामले में अपीलीय निकाय का हवाला दिया गया है।
- लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ, माल सूची और बाजार हिस्से के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। उत्पादन, बिक्री मात्रा तथा क्षमता उपयोग जैसे मापदंडों में दिसंबर, 2007 तक सुधार हुआ लेकिन उसके बाद गिरावट आई। यह गिरावट जांच अवधि के भीतर तिमाही निष्पादन के संबंध में अधिक रही है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा उत्पन्न हुआ, जिसे अक्टूबर-दिसंबर, 2008 की अवधि से संबंधित अनेक मापदंडों से देखा जा सकता है। निष्पादन में गिरावट काफी अधिक और वास्तविक है। अतः घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। वस्तुतः जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों से भी वास्तविक क्षति के खतरे का पता चलता है। संबद्ध वस्तु की आयात कीमत और घरेलू उद्योग की कीमत के बीच भारी अंतर है।
- आयात ऐसी कीमत पर हो रहे हैं जिनका घरेलू कीमतों पर अत्यधिक कीमत ह्रासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ रहा है और इससे आगे और आयात होने की मांग में वृद्धि होने की संभावना है।
- इस तर्क का कोई आधार नहीं है कि भारतीय रूपए की मजबूती और कमजोरी का प्रभाव केवल कीमत पर पड़ता है। वस्तुतः भारती रूपए की मजबूती और कमजोरी का प्रभाव घरेलू उद्योग की लागत पर पड़ता है।
- घरेलू उद्योग ने अक्टूबर-दिसंबर, 08 की अवधि के लिए मापदंडों के संबंध में क्षति संबंधी सूचना प्रदान की है। इसके होते हुए भी अनुच्छेद 3.4 के अंतर्गत इन मापदंडों या सूचीबद्ध मापदंडों के संबंध में क्षति की जांच करते समय नियमों में यह प्रावधान नहीं है कि इन सभी मापदंडों की अनिवार्य जांच वास्तविक क्षति के खतरे के निर्धारण के लिए करना अनिवार्य है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित आगे और सूचना प्रदान करने का इच्छुक है।

- नवंबर, 09 में संशोधित आयात नीति के मद्देनजर नवंबर, 2009 के बाद हुए आयातों की मात्रा को काफी अधिक माना जाना चाहिए । यदि आयातों में इस तथ्य के बावजूद कि यह उत्पाद प्रतिबंधित सूची में अंतरित कर दिया गया है, इतनी अधिक मात्रा में वृद्धि हुई होती, तो इसका तात्पर्य यह निकलता कि यदि इस उत्पाद को प्रतिबंधित सूची में अंतरित न किया गया होता तो आयात की मात्रा काफी अधिक रही होती ।
- सार्वजनिक क्षेत्र में निहित सूचना को विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन से प्रत्यक्षतः सह-संबद्ध नहीं किया जा सकता, जिसकी वजह है (क) सार्वजनिक क्षेत्र की सूचना कंपनी के प्रचालनों के बारे में होती है न कि उत्पाद निष्पादन के बारे में; (ख) उत्पाद निष्पादन के संबंध में भी कीमत सूचना केवल घरेलू प्रचालनों के बारे में है जबकि कंपनी की सूचना घरेलू और निर्यात सूचना से संबंधित है। (ग) घरेलू उद्योग के आंकड़ों में दिसंबर, 2007 तक सुधार प्रदर्शित होता है और इसलिए वार्षिक रिपोर्ट में सूचित वास्तविक निष्पादन दावों के प्रतिकूल नहीं है । (घ) घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समग्र घरेलू उद्योग के लिए सामूहिक रूप में देखना अपेक्षित है जबकि वार्षिक रिपोर्टों में अलग-अलग कंपनी विशिष्ट निष्पादन का हवाला दिया गया है । (ङ) कानून में यह सुस्थापित व्यवस्था है कि प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के समग्र निष्पादन को देखा जाए न कि अलग-अलग कंपनियों के निष्पादन को।
- सी बी एफ एस कीमत में गिरावट आयात कीमत में गिरावट से कम रही है । दूसरे शब्दों में हाल की अवधि में घरेलू उद्योग को हुई क्षति में और वृद्धि हुई है ।
- घरेलू उद्योग को हुई क्षति बाजार हिस्से और प्रतिकूल कीमत प्रभाव के संबंध में स्पष्ट होती है ।
- जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में तेजी से गिरावट आई है । वस्तुतः अकेली जांच अवधि में ही तिमाही गत तिमाही आधार पर निष्पादन में तीव्र गिरावट प्रदर्शित होती है ।
- समग्र जांच अवधि में लाभप्रदता और निवेश पर आय वर्ष 2007-08 में लाभप्रदता तथा निवेश पर आय की तुलना में कम रही है ।
- निवेश पर आय को प्राधिकारी ने अक्टूबर-दिसंबर, 07 की अवधि में उचित स्तर पर माना था । इसके अलावा, उस स्तर में तत्पश्चात भारी गिरावट आई ।
- यह तथ्य कि आधार वर्ष में आयात की मात्रा कम रही थी, से स्वतः यह सिद्ध करता है कि क्षति अवधि में आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है । परवर्ती वृद्धि पाटन के कारण हुई है ।
- घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 4.66% की गिरावट को मामूली नहीं माना जा सकता । पाटनरोधी नियमावली में कुछेक मापदंडों के संबंध में वास्तविक तथा संभावित नकारात्मक प्रभावों अथवा वास्तविक तथा संभावित गिरावट के संबंध में निर्धारण का प्रावधान है । अतः जब तक एक या अधिक मापदंडों में वास्तविक गिरावट आती है, तब तक क्षति का सकारात्मक निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए "वास्तविक" शब्द की व्याख्या कुछेक वास्तविकता से इतर, परिणामेतर तथा अत्यधिक नहीं आदि के रूप में

की गई है। अतः बाजार हिस्से में 4.66% की गिरावट को अवास्तविक नहीं माना जा सकता।

- जहां तक उच्च बाजार हिस्से का संबंध है, पाटनरोधी नियमों में घरेलू उद्योग का हिस्सा कम होने की स्थिति में ही क्षति के सकारात्मक निष्कर्ष का प्रावधान नहीं है। पाटनरोधी नियमावली में संभावित गिरावट के संबंध में केवल निर्धारण का प्रावधान है।
- क्षतिरहित कीमत तथा निवल बिक्री प्राप्ति की मात्रा एक समान नहीं रही है। इन दोनों आंकड़ों में भारी अंतर है। इसके अलावा, पाटन के प्रभाव का पता लगाने के लिए कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री को साथ-साथ लिया जाना चाहिए। आंकड़ों से यह पता चलेगा कि वर्तमान मामले में क्षति मार्जिन काफी अधिक है।
- ऐसी किसी स्थिति में जब घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में पहले सुधार हुआ और उसके बाद गिरावट आई, उस स्थिति को पर्याप्त विकृतिकारी माना जाए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

94. हितबद्ध पार्टियों द्वारा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कार्बन ब्लैक के अन्य प्रकारों से संबंधित सूचना पर विचार न करने के तर्कों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने इस संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के उपबंधों को ध्यान में रखते हुए उस सीमा तक कार्बन ब्लैक के संबंध में आंकड़ों पर विचार कर क्षति का निर्धारण किया है, जिस सीमा तक वे व्यवहार्य हैं।

95. जहां तक मुक्त रूप से निपटान योग्य उत्पादन क्षमता के साक्ष्य का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संगत साक्ष्य प्रतिवादी निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तर और घरेलू उद्योग की सूचना में निहित है।

96. कुछ पार्टियों ने हाल की तिमाही में घरेलू उद्योग के निष्पादन का हवाला दिया है और यह दावा किया है कि स्थिति में सुधार हो रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण करते समय क्रमशः जांच अवधि और तत्काल पूर्ववर्ती तिमाही की अवधि के निष्पादन पर ही विचार किया गया है। हितबद्ध पार्टियों ने जांचोत्तर अवधि में परिवर्तन के स्थायी स्वरूप को प्रदर्शित करने के लिए साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।

97. कुछ हितबद्ध पार्टियों ने अग्रिम लाइसेंस पर आयातों की उच्च मात्रा का हवाला दिया है और यह तर्क दिया है कि शुल्क प्रदत्त श्रेणी में आयातों में कम मात्रा के मद्देनजर घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अग्रिम लाइसेंस पर हुए आयात घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के लिए स्पष्टतः प्रासंगिक हैं क्योंकि अग्रिम लाइसेंस धारक के पास स्वदेशी स्रोतों के जरिए अग्रिम लाइसेंस पर आयात की जाने वाली संबद्ध वस्तु को प्राप्त किए जाने का विकल्प होता है।

98. चूंकि प्राधिकारी ने क्षति के सभी मापदंडों की जांच की है, इसलिए ए टी एम ए के विचारों का भी समाधान हो जाता है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने ए टी एम ए द्वारा उठाए गए मुद्दों पर निम्नानुसार मत व्यक्त किया है।

- क. कीमत कटौती : प्राधिकारी ने मलेशिया और ईरान से आयातों के मामले में पाटन रोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की है। लेकिन आयातों की मात्रा, जिसके बारे में डीजीसीआई एंड एस.के. आंकड़ों में सूचना नहीं दी है, थाईलैंड के मामले में कम अंकित पाया गया है। प्रतिवादी थाई निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना, कीमत में सकारात्मक कीमत कटौती को दर्शाती है। बाकी अन्य देशों के संबंध में प्राधिकारी ने नोट किया है कि कीमत कटौती घरेलू उद्योग के इस दावे से मेल खाती है कि वह आयातित और घरेलू उत्पाद में अंतर को कम करने की कोशिश कर रहा है और परिणामस्वरूप घरेलू बिक्री की मात्रा में कमी नहीं आई।
- ख. कीमत ह्रास/न्यूनीकरण :- प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव को जांच अवधि में भी सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है। जहां जांच अवधि में उत्पादन की लागत में बढ़ोतरी होती हो तो ऐसे मामले में विशेष होता है जैसा कि डाटा के तिमाही विश्लेषण में मालूम होता है। यह नोट किया गया है कि अन्वेषण की अवधि में उत्पादन की लागत में बढ़ोतरी बिक्री कीमत में बढ़ोतरी से ज्यादा थी।
- ग. अक्तूबर-दिसंबर, 08 की अवधि में हानियां :- प्राधिकारी ने नोट किया है कि एटीएमए ने यह स्थापित नहीं किया है कि घरेलू उद्योग को कच्चे सामान की ऊंची लागत के कारण इस अवधि में वित्तीय हानियां हुई हैं। किसी भी दिशा में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के वास्तविक लागत ढाँचे पर विचार किया है। ऐसी स्थिति में, जब इन्पुट की कीमतें बढ़ रही हों, प्राधिकारी क्षति का मूल्यांकन करने के लिए प्रचलित इन्पुट कीमतों पर विचार नहीं करते बल्कि वास्तविक डाटा पर भरोसा करते हैं। इस प्रकार प्रचलित इन्पुट कीमतों पर आधारित क्षति का आंकलन करना उचित नहीं होगा। इसके आगे, यह देखा गया है कि जब घरेलू उद्योग के बिक्री मात्रा में व्यापक गिरावट आई तो आयातों की मात्रा में इस अवधि में बढ़ोतरी हुई थी।
- घ. सामान्य मूल्य :- यह बताते हुए कि उत्पाद या इन्पुट्स की कीमतें जल्द उपलब्ध है तो प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि एटीएमए ने प्राधिकारी को ऐसी सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। आवेदन में सामान्य मूल्य के प्रमाण का उद्देश्य यह स्थापित करना है कि जांच के प्रारंभन को न्यायोचित ठहराने वाला प्रथम दृष्टता पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। लेकिन जांच की विशेषता और मात्रा जांच की प्रगति के साथ-साथ जांच के दौरान धीरे-धीरे बढ़ती है। प्राधिकारी को प्राप्त जवाब यह दर्शाते हैं कि मलेशिया और ईरान से आयातों को छोड़कर पाटन मार्जिन काफी सकारात्मक है। वास्तव में, प्राधिकारी मलेशिया और ईरान से आयातों के मामले में किसी पाटन रोधी शुल्क की सिफारिश नहीं कर रहे हैं, इसके बावजूद इन देशों के किसी निर्यातक/उत्पादक से कोई जवाब

प्राप्त नहीं हुआ है। यह भी नोट किया गया है कि फीडस्टोक और कोल-आधारित टार के विभिन्न ग्रेड हैं। कार्बन ब्लैक फीडस्टोक और संबद्ध वस्तुएं उसी सीमा शुल्क वर्गीकरण में आते हैं और किसी भी मामले में सीमा शुल्क डाटा का सारांश उपयोगी नहीं है। इसके अतिरिक्त, कोल आधारित टार के ग्रेड्स में बड़ी श्रृंखला है जो और कीमतों में व्यापक रूप में भिन्न है।

- ड. प्राधिकारी की एटीएमए अनुरोध पर इस बात पर सहमत है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश में उत्पादन की लागत के आधार पर करने की आवश्यकता है। वास्तव में, आवेदक ने सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश में उत्पादन की लागत के आधार पर किया है। इसे, तथापि, उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर तैयार किया गया है।
- च. आवेदन में क्षति की सूचना:- प्राधिकारी ने नोट किया है कि उनके समक्ष दायर किए गए आवेदन में क्षति के सभी अनिवार्य मापदण्डों के संबंध में सूचना है। तथापि, यह नोट किया है कि क्षति के कुछ मापदण्डों के कारण क्षति की उपस्थिति/अनुपस्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे और क्षति के सभी अनिवार्य मापदण्डों का मिश्रण नहीं किया जाना चाहिए। जब आवेदक से क्षति के सभी अनिवार्य मापदण्डों के बारे में सूचना मांगी गई हो तो यह आवश्यक नहीं है कि आवेदक क्षति के प्रत्येक मापदण्ड के संबंध में क्षति का दावा करें। किसी भी मामले में, यह एक स्वीकृत स्थिति होती है कि क्षति के सभी अनिवार्य मापदण्डों के आधार पर घरेलू उद्योग की क्षति का स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है।
- छ. प्रारंभिक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश और उसे लागू करना:- जहां तक प्रारंभिक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने और उसे लागू करने की पूर्व निर्धारित शर्तों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस प्रयोजनार्थ क्षति को केवल वास्तविक क्षति तक सीमित करने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने वास्तविक क्षति का सकारात्मक प्रारंभिक जांच परिणाम भी दर्ज किया है कि अक्टूबर-दिसंबर 2008 की अवधि में वास्तविक क्षति की सीमा में और भी वृद्धि हुई है जब अनेक आर्थिक मापदण्डों के संबंध में स्थिति अत्यंत खराब हुई है।
- ज. मांग में कमी:- प्राधिकारी नोट करते हैं कि सितंबर, 2008 तक उत्पाद की मांग में गिरावट नहीं आई है। यद्यपि एटीएमए ने कोई साक्ष्य उपलब्ध कराए बिना यह दावा किया है कि अक्टूबर-दिसंबर, 08 में आयात मात्रा में तेजी से गिरावट आई है तथापि आईबीआईएस के आंकड़ों से घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से यह पता चलता है कि इस अवधि के दौरान आयात मात्रा में वस्तुतः अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके अलावा, जहां इस बात पर सहमति है कि वाहनों के उत्पादन (और परिणामतः उक्त उद्योग के लिए समस्त-निविष्टियों के उत्पादन में जिसका तात्पर्य संबद्ध वस्तु से ही हैं) में तेजी से गिरावट आई है जो एक ऐसी स्थिति है जिसमें उत्पाद की मांग में

गिरावट आई है किंतु आयात मात्रा में वृद्धि हुई है जिससे पाटित आयातों द्वारा क्षति सीमा बढ़ाने का पता चलता है।

- झ. कच्ची सामग्री की कीमत:- प्राधिकारी नोट करते हैं कि मौके पर की गई और दीर्घावधिक संविदाओं के अपने संबद्ध लाभ एवं अलाभ होते हैं।
- ञ. आईबीआईएस के आंकड़ों में अंतर:- प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आरोप लगाते समय कि आवेदक द्वारा प्रदत्त आईबीआईएस के आंकड़ों और एटीएमए द्वारा प्राप्त आंकड़ों में अंतर है। यह देखा जाता है कि एटीएमए ने इस अंतर की पुष्टि नहीं की है। प्रत्येक मामले में प्राधिकारी ने अब डीजीसीआई एवं एस से आंकड़े प्राप्त किए हैं और उन्हीं के आधार पर वर्तमान जांच परिणाम दर्ज किए हैं।

99. प्रकटन विवरण के बाद हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे:

कुछ हितबद्ध पार्टियों ने प्रकटन विवरण का उत्तर दायर किया है तथापि, उसमें उल्लिखित अतिरिक्त मुद्दों और जांच के लिए प्रासंगिक पाए गए मुद्दों का ही नीचे उल्लेख किया जा रहा है।

- मै. पी सी बी एल के जांचोत्तर अवधि के असंपरीक्षित लेखों से यह सिद्ध होता है कि मार्च, 2009 में कार्बन ब्लैक की मांग में वृद्धि हुई और लाभप्रदता में भारी सुधार हुआ, जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को असामान्य लाभ हुआ। वैश्विक मंदी के बाद घरेलू उद्योग ने भारी मुनाफा कमाना शुरू किया। जून, 2009 और सितंबर, 2009 को समाप्त तिमाही के दौरान घरेलू उद्योग की ई पी एस जांच अवधि की तुलना में अधिक रही है।
- प्राधिकारी ने यह मत व्यक्त किया है कि पाटनरोधी जांच के प्रत्येक चरण पर आंकड़ों में परिवर्तन होता है। लेकिन, ऐसा प्रतीत होता है कि आंकड़ों में ऐसा कोई परिवर्तन सार्वजनिक फाइल बंद होने के बाद किया गया है।
- बिक्री लागत में वृद्धि घरेलू उद्योग की मजदूरी लागत में बढ़ोत्तरी के कारण हुई है। बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक रही है।
- माननीय प्राधिकारी को प्रत्येक संबद्ध देश के सहयोगी निर्यातकों के कंपनी विशिष्ट पाटन मार्जिन का खुलासा करना चाहिए।
- परिकलित एन वी आधारित पाटन मार्जिन के मामले में भी प्राधिकारी को ब्लैक कैट के समक्ष ग्रेड-वार निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन की गणना और प्रत्येक ग्रेड के लिए समायोजनों का गोपनीय ढंग से प्रकटन करना चाहिए।
- प्राधिकारी द्वारा सत्यापित आंकड़े जांच अवधि के आंकड़े हैं। चूंकि जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों का सत्यापन प्राधिकारी ने नहीं किया है, इसलिए उन पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए।

- पाटित आयातों की पहुंच कीमत प्रति इकाई लाभ तथा हानि एवं निवेश पर आय सहित कई आंकड़ों में संशोधन किया गया है । हितबद्ध पार्टियों को इन संशोधनों के ब्यौरे प्रदान किए जाने चाहिए ।

100. प्राधिकारी द्वारा जांच

- प्राधिकारी ने सितंबर, 2008 तक की क्षति अवधि पर विचार किया है । अक्टूबर-दिसंबर, 2008 की अवधि पर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के खतरे के निर्धारण के लिए विचार किया गया है । उसके बाद की कोई अवधि वर्तमान मामले में पाटनरोधी नियमावली के प्रावधान के अनुसार क्षति निर्धारण के लिए अप्रासंगिक है । परवर्ती अवधि के किसी आंकड़े पर विचार करने के लिए पाटन एवं क्षति के विश्लेषण के बारे में संपूर्ण आंकड़ों की जरूरत होगी, जो न तो व्यवहार्य है और न ही इस मामले में अपेक्षित है । प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि परवर्ती अवधि व घटनाक्रमों का निपटान पाटनरोधी नियमावली और अधिनियम में परिकल्पित समीक्षा तंत्र के जरिए किया जाता है ।
- यह कहना गलत है कि सार्वजनिक फाइल बंद कर दी गई थी :- वस्तुतः सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण हितबद्ध पार्टियों ने जांच की प्रक्रिया के दौरान समय-समय पर किया है । इसके अलावा, वर्तमान जांच परिणामों में मांगी गई सूचना कोई नई सूचना नहीं है; प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन के कारण सूचना में मात्र सुधार किया गया है और सूचना की प्रकृति या अवधि में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि उत्पादन लागत में समूची वृद्धि मजदूरी लागत में वृद्धि के कारण नहीं हुई है । वस्तुतः मजदूरी लागत में वृद्धि का भार लाभप्रदता में गिरावट की तुलना में काफी अधिक है ।
- प्रकटन करने के लिए अपेक्षित सीमा तक सूचना का प्रकटन प्रतिवादी हितबद्ध पार्टियों के समक्ष किया गया है ।
- प्राधिकारी का यह मत है कि अन्य हितबद्ध पार्टियों की गोपनीय व्यापार सूचना पर आधारित सूचना का प्रकटन जांच में भागीदार अन्य हितबद्ध पार्टियों को नहीं किया जा सकता ।
- सूचना का सत्यापन निर्दिष्ट प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुरूप किया गया है । यद्यपि, किसी भी हितबद्ध पार्टी ने यह मांग नहीं की है कि प्रारंभिक जांच परिणामों में जांचोत्तर अवधि से संबंधित जिन आंकड़ों पर भरोसा किया गया है, उनका सत्यापन किया जाए । तथापि, प्राधिकारी ने उन्हें अपनाकर आंकड़ों की सत्यता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया है ।
- प्रकटन विवरण में अपनाए गए सभी आंकड़ों के पूर्ण ब्यौरे निहित हैं । आंकड़ों में कोई संशोधन जांच प्रक्रिया का भाग है, जिसमें जांच प्रक्रिया के दौरान साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार होता रहता है । यद्यपि, किए गए सत्यापन के परिणामस्वरूप

निर्यातकों/उत्पादकों के आंकड़ों में परिवर्तन हो सकता है तथापि, इसका तात्पर्य यह नहीं है कि प्राधिकारी को इस प्रकार के परिवर्तनों की सूचना उसके तुरंत बाद हितबद्ध पार्टियों को देनी चाहिए। इन जांच परिणामों में जिस सूचना/आंकड़ों पर भरोसा किया गया है, उनका प्रकटन पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्रकटन विवरण के जरिए विधिवत रूप से किया गया है।

101. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में हितबद्ध पार्टियों के विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानून पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निम्नानुसार विश्लेषण किया है :-

संचयी निर्धारण

102. विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II पैरा (iii) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है। जिसमें यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-

- क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के % के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3% से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है तथा
- ख. आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

103. प्राधिकारी ने यह पाया है कि:

- संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से पाटन मार्जिन ऊपर निर्धारित सीमाओं से अधिक है;
- संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा ईरान को छोड़कर निर्धारित सीमाओं से अधिक है: जैसा कि इन जांच परिणामों के संगत खंड में दर्ज किया गया है।
- आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से हुए निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह निम्नलिखित से स्पष्ट हो जाता है:

क. घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु के विभिन्न ग्रेडों का उत्पादन किया जाता है। संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा इसी प्रकार के ग्रेडों का उत्पादन किया जा रहा है और भारत को उनकी आपूर्ति की जा रही है। संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु से आपस में

और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद की तुलना में तुलनीय गुणधर्म है। दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों से आपूर्ति और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु आपस में समान वस्तु हैं।

ख. ऐसी सामान्य पार्टियां हैं जो विभिन्न स्रोतों से आयातित सामग्री और घरेलू सामग्री का उपयोग कर रही है। अतः आयातित एवं घरेलू सामग्री का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है और घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है।

ग. संबद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने उन्हीं ग्राहकों को समान अवधि में समान उत्पाद की बिक्री की है। बिक्री के माध्यम तुलनीय है।

घ. प्रत्येक देश से आयात की मात्रा काफी अधिक है।

ड.. ग्राहक विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत कीमतों के आधार पर खरीद संबंधी निर्णय लेते हैं।

104. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मानते हैं कि आस्ट्रेलिया, चीन जन.गण., रूस और थाईलैंड से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण उचित होगा।

105. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, एवं (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच का प्रावधान है। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

106. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

मांग एवं बाजार हिस्सा

107. देश में उत्पाद की मांग की निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्त्रोतों से हुए आयातों की राशि के रूप में किया गया है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
भारत में मांग	मी.ट.	406557	437385	500273	515350

यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में उत्पाद की मांग में पर्याप्त एवं सतत वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

108. आवेदक ने समूची क्षति अवधि के लिए आईबीआईएस के आंकड़ों के आधार पर आयात संबंधी सूचना प्रदान की है। प्राधिकारी ने आयात आंकड़ों के लिए डीजीसीआई एवं एस से अनुरोध किया था जो प्राप्त हो गए थे। इसके अलावा, संबद्ध देशों के अनेक उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारतीय ग्राहकों/आयातकों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है। प्राधिकारी ने आयात संबंधी समस्त सूचना का मिलान किया और उसकी तुलना की ताकि क्षति अवधि में आयातों की मात्रा का निर्धारण किया जा सके। यह नोट किया जाता है कि थाईलैंड और आस्ट्रेलिया के मामले में प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यातों की वास्तविक मात्रा डीजीसीआई एंड एस या आईबीआईएस के आंकड़ों में सूचित मात्रा से अधिक है। इसके अलावा, डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में सूचित आयात की मात्रा से काफी अधिक है। अतः थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मामले में प्राधिकारी ने ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यातों की वास्तविक मात्रा को स्वीकार किया है। अन्य सभी मामलों में डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित आयात की मात्रा ली गई है। यह देखा जाता है कि :-

i. संबद्ध देशों से हुए आयातों में मलेशिया को छोड़कर समग्र रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है:

आयात	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
आस्ट्रेलिया	मी.ट.	2,142	2,094	5,905	6,655
चीन जन.गण.	मी.ट.	1,342	6,221	11,565	12,580
रूस	मी.ट.	16,194	8,379	25,008	26,391
थाईलैंड	मी.ट.	125	3,932	5,731	7,888

संबद्ध देश	मी.ट.	19804	20627	48209	53514
अन्य देश	मी.ट.	4081	10043	14858	13645
कुल आयात	मी.ट.	23,885	30,670	63,066	67,159

ii. संबद्ध देशों से हुए आयातों में भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में और आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
भारतीय उत्पादन के संबंध में पाटित आयात	%	3.97	3.89	8.55	9.10
भारत में मांग के संबंध में पाटित आयात	%	4.87	4.72	9.64	10.38

iii. आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है तथा तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में मामूली वृद्धि हुई है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:-

मांग में बाजार हिस्सा %	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
संबद्ध देश	%	4.87	4.72	9.64	10.38
अन्य देश	%	1.00	2.30	2.97	2.65
घरेलू उद्योग	%	69.84	68.25	65.55	65.96
समर्थकर्ता कंपनियां	%	12.97	12.16	10.45	9.95
अन्य भारतीय उत्पादक	%	11.31	12.57	11.39	11.06
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	94.13	92.99	87.39	86.97

109. इस प्रकार यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है जबकि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। वर्ष 2007-08 की तुलना में जांच अवधि में गिरावट अभिभावी अवधि के कारण आ सकती है।

आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

110. जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

111. यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप कीमत में भारी कटौती हुई है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी नोट करते हैं कि अलग-अलग ग्रेडों की कीमत में पर्याप्त अंतर है। इसके अलावा, क्षति अवधि में निविष्टि लागत में पर्याप्त वृद्धि हुई थी जिससे क्षति अवधि के भीतर कीमत में वृद्धि हुई। अतः प्राधिकारी ने तुलनीय ग्रेडों के लिए तिमाही आधार पर आयात की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ की है। इस प्रकार भारतीय औसत कीमत कटौती का निर्धारण संबद्ध आयात मात्रा पर विचार करने के बाद किया गया है। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप मलेशिया से हुए आयातों को छोड़कर कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है यद्यपि संबद्ध देशों से समग्र कीमत सकारात्मक रही है। स्थिति निम्नानुसार है:-

देश	कीमत कटौती (रु/मी.ट.)	कीमत कटौती का %
आस्ट्रेलिया-कॉन्टीनेंटल	***	4 से 8%
चीन जन.गण.	***	8 से 12%
रूस	***	5 से 9%
थाईलैंड-टीसीपी	***	1 से 4%
संबद्ध देश	***	3 से 8%

112. प्राधिकारी ने थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मामले में डीजीसीआई एंड एस के बजाय उनके आंकड़ों का उपयोग करते हुए प्रतिवादी निर्यातकों के लिए कीमत कटौती का निर्धारण किया है क्योंकि प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यात की मात्रा डीजीआई एंड एस में सूचित मात्रा से अधिक है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

113. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल

होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक तथा संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों, घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

114. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार विचार-विमर्श किया गया है:

बिक्री मात्रा

115. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा का विश्लेषण किया गया था। स्थिति निम्नानुसार है:-

अवधि	घरेलू बिक्री मात्रा	
	अवधि के लिए	प्रति तिमाही
	मी.ट.	मी.ट.
2005-06	283,934	70,984 (औसत)
2006-07	298,522	74,631(औसत)
2007-08	327,922	81,980(औसत)
जांच अवधि	339,937	84,984(औसत)
अक्टू-दिसं.07	89,301	89,301 (औसत)
जन.- मार्च08	80,227	80,227 (औसत)
अप्रै.- जून08	85,989	85,989 (औसत)
जुलाई- सितं.08	84,421	84,421 (औसत)
अक्टू.-दिसं..08 (पोस्ट जांच अवधि)	63,664	63,664 (औसत)

116. यह देखा जाता है कि दिसंबर, 2007 तक घरेलू बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है। जनवरी-मार्च, 2008 में बिक्री मात्रा में गिरावट आई। यद्यपि, इसमें परिवर्ती तिमाही में पुनः वृद्धि हुई परंतु यह वृद्धि पूर्ववर्ती तिमाही में आई गिरावट से कम थी। तत्पश्चात जुलाई-सितंबर, 08 में बिक्री मात्रा में गिरावट आई और अक्टूबर-दिसंबर, 08 में इसमें और अधिक गिरावट आई। यह नोट किया जाता है कि अक्टूबर-दिसंबर, 08 में बिक्री मात्रा में गिरावट काफी अधिक रही थी।

क्षमता एवं क्षमता आयोग

	क्षमता	उत्पादन	संयंत्र उपयोगिता
इकाई	मी.ट.	मी.ट.	%
2005-06	440,000	394,279	90.01
2006-07	440,000	423,833	97.17
2007-08	485,000	459,361	96.00
जांच अवधि	500,000	481,702	97.61
अक्टू-दिसं.07	125,000	121,723	98.78
जन.- मार्च 08	125,000	120,106	97.31
अप्रैल- जून 08	125,000	120,678	97.51
जुलाई- सितं.08	125,000	119,194	96.85
अक्टू.-दिसं.08 (जांचोत्तर अवधि)	125,000	78,767	63.99

117 यह देखा जाता है कि क्षति अवधि में दिसंबर, 2007 तक उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि उसके बाद क्षमता उपयोग में क्रमिक गिरावट आई है इसके अलावा, अक्टूबर-दिसंबर, 08 की अवधि में उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में अत्यधिक गिरावट आई है।

कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

118 देखा जाता है कि आयातों द्वारा घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है। घरेलू उद्योग की उत्पादन एवं बिक्री कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ करने पर यह पता चलता है कि आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों का हास भी हो रहा है।

	बिक्री कीमत	उत्पादन की लागत	योगदान मार्जिन	पाटित आयातों की पहुंच कीमत
इकाई	रु./मी.ट. (सूचीबद्ध)	रु./मी.ट. (सूचीबद्ध)	रु./मी.ट. (सूचीबद्ध)	रु./मी.ट.
2005-06	100	100	100	29,214
2006-07	125	119	135	41,046

2007-08	121	113	144	36,999
जांच अवधि	147	143	144	43,608
अक्टू-दिसं.07	128	117	170	36,076
जन.- मार्च 08	134	128	147	39,916
अप्रैल- जून 08	149	147	136	45,733
जुलाई- सितं.08	179	182	123	52,516
अक्टू.-दिसं.08 (जांचोत्तर अवधि)	192	234	1	64,226

119 यह पाया गया है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित इन उत्पादों की बिक्री कीमत से बहुत कम है। परिणामस्वरूप मलेशिया के मामले को छोड़कर घरेलू कीमत उद्योग लागत वृद्धि के अनुपात में उत्पाद की कीमत में वृद्धि नहीं कर पाया है। आयातित उत्पाद की कीमत और घरेलू उद्योग के उत्पाद की कीमत में अत्याधिक अंतर होने के कारण कुछ उपभोक्ताओं ने अपने पाटित आयातों में वृद्धि की है, जैसाकि आयातक प्रश्नावली के कुछेक उत्तरों में देखा जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में कार्बन ब्लैक के कुछेक आयातकों/उपभोक्ताओं से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ था प्राधिकारी ने इन पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना का विश्लेषण किया और इन पक्षकारों द्वारा आयातों तथा घरेलू बाजार से अधिपापण की तुलना की। नीचे दी गई तालिका स्थिति का सारांश देती है :-

	आयातित संबद्ध वस्तु			घरेलू आयातकों से बिक्रीत संबद्ध वस्तु		
	2006-07	2007-08	जांच अवधि	2006-07	2007-08	जांच अवधि
अपोलो	***	***	***	***	***	***
जेके	***	***	***	***	***	***
केबोट इंडिया	***	***	***	***	***	***
गुडईयर इंडिया	***	***	***	***	***	***
गुडईयर एस.ए.	***	***	***	***	***	***
जनरल रबड़	***	***	***	***	***	***

120 ये देखा गया है कि जाँच अवधि के दौरान स्रोतों से अपोलो टायर्स के अधिप्रापण में आंशिक वृद्धि हुई है और आयातों में कमी आई है। जे.के. टायर्स के मामले में, जहां घरेलू बाजार से अधिप्रापण में कमी हुई वहां आयातों से अधिप्रापण बढ़ गया था। प्राधिकारी ने अपोलो टायर्स और जे.के. टायर्स के मामले में घरेलू तथा आयोजित उत्पाद के बीच कीमत अंतर का निर्धारण किया। नीचे तालिका में इसका सारांश दिया गया है :-

	अपोलो	जे.के.
आयात मात्रा (मी.ट.)	***	***
सीआईएफ निर्यात कीमत प्रति मी.ट.	***	***
आयातों की पहुंच कीमत प्रति मी.ट.	***	***
घरेलू उद्योग से खरीद कीमत प्रति मी.ट.	***	***
कीमत कटौती प्रति मी.ट.	***	***

121. यद्यपि, उपर्युक्त औसत आधार पर है तथापि, यह देखा जाता है कि जे.के. टायर्स के मामले में आयात घरेलू उद्योग की कीमत से काफी सस्ते थे। साथ ही साथ यद्यपि, जे.के.टायर्स द्वारा आयात की मात्रा में वृद्धि हुई, तथापि घरेलू प्राप्ति की मात्रा में गिरावट आई। अपोलो टायर्स के मामले में आयात कीमत और घरेलू कीमत लगभग तुलनीय थी। आयात की मात्रा में वृद्धि हुई और घरेलू बिक्री स्थिर रही। तथापि, जांच अवधि में अपोलो की आयात मात्रा में मामूली गिरावट आई और घरेलू बिक्री में लगभग आनुपातिक वृद्धि हुई। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू और आयात कीमत में अंतर का संबद्ध वस्तु की खरीद के बारे में उपभोक्ताओं के निर्णय पर सीधा प्रभाव पड़ा। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातकों/उपभोक्ताओं की अपर्याप्त प्रतिक्रिया के मद्देनजर ऐसा विश्लेषण केवल सीमित ग्राहकों के संबंध में ही किया जा सकता है।

लाभ/हानि, निवेश पर आय और नकद लाभ

122 लाभ / हानि, निवेश पर आया तथा नकद लाभ से संबंधित स्थिति निम्नानुसार रही :

अवधि	लाभ/हानि प्रति मी.ट. (सूचीबद्ध)	लगाई गई पूंजी पर आय % (सूचीबद्ध)	नकद लाभ रु. प्रति मी.ट. (सूचीबद्ध)
2005-06	100	100	100
2006-07	243	205	185
2007-08	291	186	216
जांच अवधि	231	132	179
अक्टू-दिसंबर 07	353	189	252
जनवरी -मार्च 08	255	136	196
अप्रैल-जून 08	205	122	163
जुलाई-सितं.08	107	81	103
अक्टू.-दिसं., 08 (जांचोत्तर अवधि)	(732)	(184)	(401)

123. यह पाया गया है कि दिसंबर, 2007 तक लाभप्रदता में सुधार हो रहा था। हालांकि तत्पश्चात लाभप्रदता में इस सीमा तक गिरावट आई कि अप्रैल, 2008 के स्तर से भी नीचे आ गई थी। निवेश पर आय तथा नकद लाभों की प्रवृत्ति भी लाभप्रदता के समान रही है। निवेश पर आय तथा प्रति इकाई नकद लाभ में दिसंबर 2007 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात वे वर्ष 2006-07 में दर्ज स्तरों से भी कम पर पहुंच गए। आगे अक्टूबर-दिसंबर, 2008 में लाभप्रदता में इस हद तक कमी हुई कि घरेलू उद्योग को उल्लेखनीय रूप से वित्तीय हानि का सामना करना पड़ा। इस तिमाही में निवेश पर आय और नकद लाभ ऋणात्मक हो गए थे। तथापि, यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि में लाभप्रदता बेहतर रही थी। अतः घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की वर्ष 2005-06 में पुनः जांच की गई। यह पाया गया कि जहां घरेलू उद्योग के एक संघटक को वर्ष 2005-06 में बेहतर लाभप्रदता प्राप्त हुई (जांच अवधि की पिछली दो तिमाहियों की तुलना में) वहीं दूसरी कंपनी की लाभप्रदता काफी कम रही (वस्तुतः दूसरी कंपनी को वित्तीय घाटा हुआ)। इस कंपनी द्वारा प्रदत्त सूचना से यह पता चला कि अन्य कारकों की वजह से इस कंपनी को इस अवधि में घाटा हुआ। कंपनी ने यह दावा किया कि अन्य कारकों की वजह से वर्ष 2005-06 में इस कंपनी को हुए कम लाभ को अनुबंध-2 को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग किया जाना चाहिए ताकि वर्तमान प्रयोजनार्थ उसकी लाभप्रदता प्रमाणित की जा सके। कंपनी के दावानुसार अलग की गई लाभप्रदता से यह पता चला कि इस कंपनी को जांच अवधि की पिछली दो

तिमाहियों की तुलना में वर्ष 2005-06 में दूसरी कंपनी के अनुरूप बेहतर लाभप्रदता प्राप्त हुई थी ।

124. एक याचिकाकर्ता कंपनी के परिसरों पर की गई मौके पर जांच से यह पता चला कि घरेलू उद्योग द्वारा लाभों का निर्धारण गलत आधार पर किया गया था । तदनुसार कंपनी को लाभप्रदता की पुनः गणना करने का निर्देश दिया गया था जिसे वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ स्वीकार किया गया था ।

मालसूचियां:

125. मालसूचियों से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:-

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	अक्टू-दिसं.07	जन.- मार्च 08	अप्रैल- जून 08	जुलाई- सितं.08	अक्टू.- दिसं. 08
प्रारंभ	मी.ट.	10649	8361	8528	12322	12322	10049	9841	10228	16190
बंद	मी.ट.	8361	8528	10024	16190	10049	9841	10228	16190	15164
औसत स्टॉक	मी.ट.	9505	8444	9276	14256	11186	9945	10034	13209	15677

126. यह नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान मालसूचियों में वृद्धि हुई है। उत्पादन में कटौती के बावजूद जांच अवधि की अंतिम तिमाही में मालसूची में अत्यधिक वृद्धि हुई जिसमें अक्टूबर-दिसंबर, 2008 की अवधि में आगे और गिरावट आई । उस तिमाही में प्रचलित कीमतों के मद्देनजर लगभग 6000 मी.ट. तक मालसूची में वृद्धि का मूल्य 35.16 करोड़ रुपए के आस-पास है, जो काफी अधिक है ।

रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता

127. रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता से संबंधित आंकड़ों से निम्नलिखित प्रदर्शित होता है:-

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सूचीबद्ध	100.00	100.00	100.44	98.86
मजदूरी-लाख रुपए	सूचीबद्ध	100.00	115.32	140.90	147.21

उत्पादन की प्रति इकाई मजदूरी-रु./मी.ट.	सूचीबद्ध	100.00	106.78	119.81	119.38
प्रति कर्मचारी उत्पादकता-मी.ट.	सूचीबद्ध	100.00	108.07	117.00	124.78

128. यह देखा जाता है कि कर्मचारियों की संख्या में कुछ गिरावट आई । प्रदत्त मजदूरी और उत्पादकता में सुधार प्रदर्शित होता है ।

पाटन मार्जिन

129. पाटन मार्जिन से संबंधित उपर्युक्त अनुच्छेद से यह देखा जा सकता है कि संबद्ध देशों से संबंधित पाटन मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक हैं ।

वृद्धि

130. यह नोट किया गया है कि दिसंबर 2007 तक घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक थी। हालांकि तत्पश्चात वह नकारात्मक होने लगी है जैसाकि विभिन्न मानदंडों में वृद्धि दर्शाने वाली निम्नलिखित तालिका में देखा जा सकता है:-

	इकाई	2006-07	2007-08	जांच अवधि	अक्टू.-दिसं.07	जन.-मार्च,08	अप्रैल-जून08	जुलाई-सितंबर 08
उत्पादन	%	7.96	8.89	4.83	6.09	(1.50)	0.21	(0.68)
बिक्री मात्रा	%	5.28	9.83	3.93	9.28	(10.04)	6.62	(1.42)
लाभ/(हानि) प्रति इकाई	%	143.02	19.88	(20.52)	21.27	(27.76)	(19.55)	(47.96)
निवेश पर आय	%	11.42	(2.06)	(5.86)	0.29	(5.72)	(1.51)	(4.44)
औसत स्टॉक	%	(11.16)	9.85	53.69	20.59	(11.09)	0.90	31.64

निधियां जुटाने की क्षमता

131. यह नोट किया गया है कि अब तक निधियां जुटाने की क्षमता प्रभावित नहीं हुई है।

वास्तविक क्षति का जोखिम

132. उपर्युक्त के अलावा वास्तविक क्षति के जोखिम के दावे की भी जांच की गई थी। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने जांच अवधि की अनुवर्ती अवधि के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति पर भी विचार किया।

- क. भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों में वृद्धि हो रही है। जांच अवधि के बाद भी अक्टूबर-दिसंबर, 2008 की अवधि के लिए आयातों की मात्रा अत्यधिक है।
- ख. संबद्ध वस्तु की आयात कीमत और घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक अंतर है। ऐसी कीमतों पर आयात किया जा रहा है जिसका घरेलू कीमत पर अत्यधिक ह्रासकारी अथवा अवमूल्यनकारी प्रभाव पड़ रहा है और इससे आयातों की मांग में वृद्धि होने की संभावना है। जहां निविष्टि कीमतों में सितंबर, 2008 तक वृद्धि हो रही थी और आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों का अवमूल्यन हो रहा था वहीं उसके बाद निविष्टि कीमतों में गिरावट शुरू हो गई है। परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तु की कीमतें भी कम हो गई हैं। तथापि यह देखा गया कि घरेलू उद्योग के उत्पाद की कीमतों में हुई गिरावट निविष्टि लागतों में हुई गिरावट (जैसाकि योगदान में आई गिरावट से स्पष्ट है) से अधिक है।
- ग. आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु की मांग में अत्यधिक कमी आई है। कार्बन ब्लैक तथा टायरों (अधिकांश संबद्ध वस्तु का उपयोग टायरों के उत्पादन में हो जाता है) के निर्यातों के संबंध में चीनी सीमाशुल्क विभाग के आंकड़ों से यह देखा जा सकता है कि इन देशों से निर्यात की मात्रा में अत्यधिक गिरावट आई है। चीनी सीमाशुल्क विभाग द्वारा जारी सूचना के आधार पर याचिकाकर्ता ने चीन जन.गण. से टायरों के निर्यात में अत्यधिक कमी होने का दावा किया है, जैसाकि नीचे तालिका में दर्शाया गया है। आवेदक ने दावा किया है कि यह मान भी लिया जाए कि चीन की घरेलू मांग में कमी नहीं आई है तो भी यह स्पष्ट है कि केवल चीन, जन.गण. में ही कार्बन ब्लैक की खपत में इतनी अधिक गिरावट आई है कि वह भारत में सकल खपत से भी कहीं अधिक है।

	अप्रैल-सितं., 08	अक्टू-दिसं., 08	जन.- फरवरी., 09
टायरों का औसत मासिक मासिक निर्यात (संख्या)	3,622,818	2,675,376	1,284,561
औसत मासिक कार्बन ब्लैक की खपत (मी.ट.)	50,719	37,455	17,984
मासिक कार्बन ब्लैक की खपत में गिरावट (मी.ट.)		13,264	32,736

घ. आवेदक ने सूचित किया है कि पहले चीनी सीमाशुल्क विभाग संख्या के रूप में आंकड़े दर्शा रहा था जबकि जनवरी, 2009 से आंकड़े भार के रूप में दर्शाए जा रहे हैं और इस प्रकार उन्होंने उपयुक्त विश्लेषण हेतु टॉयर औसत भार 50 कि.ग्रा. और प्रति टायर कार्बन ब्लैक की औसत खपत 14 किग्रा. मान ली है।

133. आवेदक ने यह दर्शाने के लिए सूचना भी प्रस्तुत की है कि कुछेक संबद्ध देशों के घरेलू तथा निर्यात बाजारों में टायरों की मांग में बहुत कमी आई है। चूंकि अधिकांश विचाराधीन उत्पाद टायर उत्पादन में प्रयुक्त हो जाता है अतः यह स्पष्ट रूप से इस बात का संकेत है कि इन देशों में उत्पादकों द्वारा अत्यधिक बेशी उत्पादन किया गया है।

134. हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों की जांच :-

- जांच अवधि के बाद विनिमय दरों में परिवर्तन के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के लिए वास्तविक विनिमय दर को वर्तमान प्रयोजनार्थ स्वीकार किया गया है। अतः यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि जांच अवधि के बाद की विनिमय दर में परिवर्तन का आयात कीमत पर प्रभाव पड़ा है।
- कुछ हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग के घटकों की प्रकाशित रिपोर्टों से क्षति का पता नहीं चलता है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्रकाशित वार्षिक रिपोर्टों से कंपनी के निष्पादन का पता चलता है जबकि प्राधिकारी के लिए विचाराधीन उत्पाद के बारे में घरेलू प्रचालन से संबंधित घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार करना अपेक्षित होता है। यद्यपि, हितबद्ध पार्टियों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए कंपनी का निष्पादन और घरेलू प्रचालनों में घरेलू उद्योग का प्रचालन एक समान है, तथापि आवेदक ने यह सिद्ध करते हुए सूचना प्रस्तुत की है कि घरेलू प्रचालनों के संबंध में निष्पादन में गिरावट आई है।
- जहां तक जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों पर विचार करने का संबंध है, प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के खतरे के निर्धारण हेतु जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों का उपयोग पाटनरोधी अवधि के पूर्णतः संगत है।
- जहां तक वैश्विक मंदी के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी ने यह पाया है कि इस मामले में जांच अवधि 30 सितंबर, 2008 तक की है और उत्पाद की मांग में वृद्धि प्रदर्शित होती है। इसके अलावा, यद्यपि, यह माना जाता है कि वैश्विक

मंदी के कारण उत्पाद की मांग कम हुई है, तथापि मंदी के प्रभाव को चुनिन्दा ढंग से घरेलू उद्योग पर महसूस नहीं किया जा सकता ।

- जहां तक सी बी एफ एस कीमत में वृद्धि का संबंध है, प्राधिकारी ने यह पाया है कि पाटनरोधी नियमावली में यह निर्धारण अपेक्षित है कि क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में होने वाली वृद्धि में इतनी अधिक गिरावट आई है, अथवा होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जिसमें अन्यथा अत्यधिक सीमा तक वृद्धि हो गई होती । अतः यदि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण निविष्टि लागत में वृद्धि की वजह से अपनी कीमत को बढ़ाने में असमर्थ है तो उससे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की पुष्टि होनी चाहिए ।
- जहां तक एस एम ई उपभोक्ताओं की चिंताओं का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के प्रतिकूल प्रभाव की पुष्टि किसी निर्धारित सूचना द्वारा नहीं की गई है । इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यवहार को समाप्त करना है और घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है । यह भी नोट किया जाता है कि आवेदक ने यह दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद की अधिकांश भाग की खपत टायर उद्योग द्वारा की जाती है जिसे एस एम ई नहीं माना जा सकता ।
- कुछ हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि क्षमता उपयोग और घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा काफी अधिक है और देश में मांग की पूर्ति हेतु आयात आवश्यक बन गए हैं । लेकिन रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि यद्यपि क्षमता उपयोग में आई गिरावट काफी अधिक नहीं है, तथापि, घरेलू उद्योग को आयातों के अभाव में अधिक मात्रा की बिक्री करनी चाहिए थी । इसके अलावा, बाजार हिस्से में लगभग 3.88% की गिरावट को घरेलू उद्योग के कम लाभकारी निर्यातों के संबंध में देखना जरूरी है । कम लाभकारी निर्यातों के कारण घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में अधिक बिक्री करना चाहेगा, जिसे वह पाटित आयातों के कारण नहीं कर सकता ।
- कुछ हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान तिमाही निष्पादन पर ध्यान केन्द्रित किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई जांच समूची क्षति अवधि के निष्पादन को ध्यान में रखकर की गई है । क्षति अवधि के लिए आंकड़ों के विश्लेषण का उद्देश्य यह निर्धारण करना होता है कि क्या जांच अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन को क्षति अवधि की तुलना में निष्पादन को ध्यान में रखते हुए क्षतिकारी माना जा सकता है । तिमाही

आधार पर पाटित आयातों के प्रभाव के विश्लेषण से घरेलू उद्योग के निष्पादन पर पाटित आयातों के वास्तविक आयातों के प्रभाव का पता चलता है और यह पाटनरोधी आयातों के पूर्णतः संगत है ।

- सत्यापित सूचना से यह पता नहीं चलता है कि घरेलू उद्योग के लिए निवेश पर आय कुछ हितबद्ध पार्टियों के दावानुसार 40% रही थी ।

वास्तविक क्षति तथा वास्तविक क्षति के जोखिम के संबंध में निष्कर्ष

135. यह देखा गया है कि लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ, मालसूची तथा बाजार हिस्से के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में कमी आई है। दिसंबर, 2007 तक उत्पादन, बिक्री मात्रा तथा क्षमता उपयोग जैसे मानदंडों में सुधार हुआ लेकिन तत्पश्चात उनमें गिरावट आई। प्रस्तावित जांच अवधि में तिमाही निष्पादन के रूप में ह्रास अधिक स्पष्ट है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का जोखिम था जो कीमत में अत्यधिक कटौती, निर्यातक देशों में मुक्त रूप से निपटान योग्य उत्पादन क्षमता, वर्तमान क्षति अवधि की तुलना में आयातों में अत्यधिक वृद्धि, घरेलू उद्योग के पास मालसूची और अक्टूबर-दिसंबर, 2008 की अवधि से संबंधित उपायों की संख्या से स्पष्ट हो जाता है। निष्पादन में आई कमी अत्यधिक और वास्तविक है। इस प्रकार घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। जांच अवधि के तुरंत बाद की तिमाही के जांचोत्तर आंकड़े वास्तविक क्षति का जोखिम भी दर्शाते हैं।

कारणात्मक संबंध

136. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर अन्य ज्ञात कारकों, जो उसी अवधि में उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हों, की जांच करना भी अपेक्षित है ताकि इन अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति को पाटित आयातों के साथ न जोड़ा जाए। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा तथा कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में बदलाव और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता शामिल है।

137. इस बात की जांच की गई कि क्या नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध इन अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग की क्षति पहुंची थी। यह पाया गया कि

- क. तीसरे देशों से आयात:- प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देशों से न्यूनतम सीमा से अधिक आयात केवल यूके से दर्ज किए गए हैं। आवेदक ने सूचित किया है कि यूके में कोई उत्पादन सुविधा नहीं है और यूके से हुए आयात मुख्यतः गौण सामग्री की बिक्री को दर्शाते हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस दावे का विरोध नहीं किया है।
- ख. मांग में कमी:- प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं हुई है। इसके विपरीत क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र मांग में काफी सकारात्मक वृद्धि दिखाई देती है। तथापि यह नोट किया जाता है कि अक्टूबर-दिसंबर, 2008 में मांग में थोड़ी कमी आई है। यद्यपि यह विचार किया गया है कि इस अवधि में मांग में गिरावट आई थी जिसका घरेलू उद्योग पर बिक्री तथा अनुवर्ती उत्पादन और क्षमता प्रयोग के रूप में प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथापि यह नोट किया गया है कि इस अवधि में आयात की मात्रा में और वृद्धि आई। अतः इस अवधि में जहां घरेलू बिक्री (और अनुवर्ती उत्पादन तथा क्षमता प्रयोग) में अत्यधिक कमी आई, वहीं आयातों में वृद्धि हुई।
- ग. खपत का पैटर्न:- खपत के पैटर्न कोई विशेष परिवर्तन प्राधिकारी की जानकारी में नहीं आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई सूचना दी है।
- घ. प्रतिस्पर्धा की स्थिति:- जांच में यह कहीं लक्षित नहीं होता है कि घरेलू उद्योग को क्षति कथित क्षति के लिए प्रतिस्पर्धा की स्थिति या व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां उत्तरदायी हैं।
- ङ. प्रौद्योगिकी में बदलाव :- जांच में यह कहीं लक्षित नहीं होता है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई विशेष बदलाव हुआ जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती है।
- च. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन:- जहां एक ओर घरेलू उद्योग के निर्यात की मात्रा में वृद्धि हुई है वहीं वर्तमान क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा घरेलू तथा निर्यात बाजार में कीमत व लाभप्रदता को अलग-अलग कर दिया गया है। अतः ऐसा नहीं है कि निर्यात निष्पादन के संभावित समावेश के कारण क्षति संबंधी विश्लेषण सही स्थिति प्रस्तुत नहीं करता है।
138. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि सूचीबद्ध जात अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति प्रदर्शित नहीं होती है, तथापि निम्नलिखित मापदंड यह दर्शाते हैं कि पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

- क. यद्यपि क्षति अवधि के दौरान फीडस्टॉक कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई है, तथापि फीडस्टॉक कीमतों में वृद्धि के अनुपात में आयात कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। आयातों की पहुंच कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थीं। कीमत कटौती के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं ने अधिक मात्रा में आयात का सहारा लिया है जिससे संभावित बिक्री का नुकसान और बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- ख. बाजार हिस्से में गिरावट से घरेलू उद्योग अपना उत्पादन एवं क्षमता उपयोग बढ़ा नहीं पाया है। यह पाया गया है कि पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण दिसंबर 2007 के बाद उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।
- ग. आयातों की पहुंच कीमत से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई है। परिणामस्वरूप ऐसा प्रतीत होता है कि कम आयात कीमतों से घरेलू द्वारा अपनी कीमतों में वृद्धि में बाधा आई है।
- घ. आयातों के कीमत ह्रासकारी प्रभाव का सीधा परिणाम घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट तथा उसके फलस्वरूप निवेश पर आय एवं नकद लाभ में गिरावट के रूप में हुआ है। अतः लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभों में गिरावट प्रत्यक्षतः बाजार में पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण है।
- ङ. अक्टूबर-दिसंबर 2008 की अवधि में घरेलू के निष्पादन में आई अत्यधिक गिरावट प्रत्यक्षतः बाजार में पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण है।

139. प्राधिकारी का विचार यह है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। अक्टूबर-दिसंबर 08 की अवधि के साथ-साथ इन आंकड़ों से वास्तविक क्षति के खतरे का पता चलता है।

क्षति का परिणाम एवं क्षति मार्जिन

140. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करके घरेलू उद्योग हेतु संबद्ध वस्तु के विभिन्न ग्रेडों की क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की इस क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। क्षति मार्जिन का परिकलन निम्नानुसार किया गया है:-

देश	निर्यातक	क्षति मार्जिन अम.डा. प्रति किग्रा.	क्षति मार्जिन %
ऑस्ट्रेलिया	मै0 कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया प्रा0लि0	***	12.91%
ऑस्ट्रेलिया	सहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	34.55%
चीन गण.	मै0 जियांग्सी ब्लैक कैट कार्बन कं. लि.	***	10.56%
चीन गण.	मै0 निंगबो डेटाई कमिकल कं. लि.	***	11.42%
चीन गण.	मै0 हेबेई डागुआंगमिंग जुबुबा कार्बन ब्लैक कं. लि.	***	8.38%
चीन गण.	मै0 लॉगजिंग केमिकल स्टॉक कं. लि.	***	15.68%
चीन गण.	मै0 एचएचयूआई/निंगबो शीन सभी केमिकल कंपनी	***	9.41%
चीन गण.	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	51.70%
रूस	मै. यारोस्लावस्की टैक्नीचेस्की अगलेरोड, मै. द्राइगन गल्फ फेजको की मार्फत	***	12.89%
रूस	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	49.62%
थाईलैंड	मै. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कंपनी लि.	***	6.95%
थाईलैंड	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	17.67%

ज. निष्कर्ष

141. हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों की जांच करने तथा इस जांच परिणाम में दर्ज तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :-

- क. भारत में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का निर्यात संबंधित सामान्य मूल्य से कम कीमत पर हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप विचाराधीन उत्पादन का पाटन हुआ है:-
- ख. संबद्ध वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। इसके अतिरिक्त आयातों से घरेलू उद्योग की क्षति का खतरा भी है।
- ग. घरेलू उद्योग को यह क्षति और उसका खतरा संबद्ध देशों से पाटित आयातों से है।

झ. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

142. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में

खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

143. यह स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं होगी, विशेष रूप से तब जबकि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण घरेलू उद्योग की क्षति के निवारण हेतु आवश्यक राशि तक सीमित है। इसकी तुलना में पाटनरोधी उपायों के अधिरोपण से पाटन प्रथाओं से हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

अ. सिफारिशें

144. पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे निर्धारित प्रपत्र में और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

145. प्राधिकारी द्वारा अनुपालन किए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, केंद्र सरकार द्वारा इन सिफारिशों को स्वीकार किए जाने की स्थिति में इस अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर नीचे दी गई तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

क्र.सं.	शीर्ष/ उप-शीर्ष	वस्तु का विवरण *	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	आस्ट्रेलिया	आस्ट्रेलिया	मै. कॉन्टीनेंटल कार्बन आस्ट्रेलिया पीटीवाई लि.	मै. कॉन्टीनेंटल कार्बन आस्ट्रेलिया पीटीवाई लि.	0.138	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
2.	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	आस्ट्रेलिया	आस्ट्रेलिया	क्र.सं. 1 से इतर अन्य कोई संयोजन		0.330	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
3.	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	आस्ट्रेलिया	आस्ट्रेलिया से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.330	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
4	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	उन देशों से इतर कोई देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	आस्ट्रेलिया	कोई	कोई	0.330	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.

5	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. निंगबो कैमिकल कं. लि.	मै. निंगबो देताई कैमिकल कं. लि.	0.143	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
6	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. हेबेई डायुआंगमिंग जुयुवा कार्बन ब्लैक कं. लि.	मै. हेबेई डायुआंगमिंग जुयुवा कार्बन ब्लैक कं. लि.	0.089	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
7	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. लींगजिंग कैमिकल स्टॉक कं. लि.	मै. लींगजिंग कैमिकल स्टॉक कं. लि.	0.168	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
						मै. हुई कैमिकल कं. लि. के जरिए मै. निंगबो शीन ऑल कैमिकल कं. लि.	0.101	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
8	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जियांगक्षी ब्लैक केट कार्बन ब्लैक कंपनी लि.	मै. जियांगक्षी ब्लैक केट कार्बन ब्लैक कंपनी लि.	0.121	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
9	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क्र. सं. 5,6,7 तथा 8 से इतर अन्य कोई संयोजन		0.423	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
10	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.423	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
11	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	उन देशों से इतर कोई देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.423	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
12	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	रूस	रूस	मै. यारोस्लावस्की टेक्नीयेरकी यूगलेरोड	मै. द्राइगोन गल्फ एफजैडसीओ	0.136	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
13	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	रूस	रूस	क्र.सं.12 से इतर अन्य कोई संयोजन		0.391	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
14	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	रूस	रूस से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.391	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
15	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	उन देशों से इतर कोई देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	रूस	कोई	कोई	0.391	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
16	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	थाईलैंड	थाईलैंड	मै. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कंपनी लि.	मै. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कंपनी लि.	0.084	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
17	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	थाईलैंड	थाईलैंड	क्र.सं.16 से इतर अन्य कोई संयोजन		0.186	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
18	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	थाईलैंड	थाईलैंड से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.186	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.
19	28030010	रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	उन देशों से इतर कोई देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	थाईलैंड	कोई	कोई	0.186	प्रति कि.ग्रा.	अम.डॉ.

टिप्पणी : अर्द्ध-स्वचालक यौगिक अनुप्रयोगों के लिए निर्दिष्ट थर्मल ब्लैक और कार्बल ब्लैक ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा गया है ।

146. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी 25 मई, 2009 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं । तथापि, उपर्युक्त पैरा 8 में संस्तुत शुल्क सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (2) के अनुसार अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से प्रवृत्त होगा ।

147. इन जांच परिणामों को केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इनके खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th December, 2009

Final Findings

Subject:- Anti-Dumping Investigations concerning imports of 'Carbon Black used in rubber applications' originating in or exported from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand.

F. No. 14/21/2008-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the AD Rules);

A. INITIATION

1. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time, (hereinafter referred to as 'the Act') and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as 'the AD Rules'), received a written application from the Association of Carbon Black Manufacturers on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 'Carbon Black used in rubber applications' (hereinafter also referred to as the subject goods); originating in or exported from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand (hereinafter also referred to as the subject countries).

2. Having satisfied on the basis of positive evidence submitted by the domestic industry, the Authority vide Notification No.14/21/2008-DGAD dated 26th December 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiated Anti-dumping Investigation concerning imports of 'Carbon Black used in rubber applications', originating in or exported from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand.

B. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed:

- I. The Authority notified the High Commissions/Embassies of the subject countries in India about the initiation of investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 of the AD Rules.

- II. The Authority sent copies of initiation notification dated 26th December 2008 to the known exporters from the subject countries, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it, and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification. Parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter, application and questionnaire sent to the exporter were also sent to the High Commissions/Embassies of the subject countries along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the exporters/producers from the subject countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- III. Request for extension of time to file the questionnaires' response was received from some interested parties. The Authority granted the time extension, keeping in view the time constraints.
- IV. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the High-Commissions/ Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) supra.
- V. The High Commissions/Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaires within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaires sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.
- VI. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

Carbon Black Producers/Exporters in Australia

1. Continental Carbon Company Sir Joseph Banks Drive Kurnell NSW 2231.	2. Cabot Australia Pty. Ltd P.O. Box 829, Torquay, Victoria 3228, Australia
--	--

Carbon Black Producers/Exporters in China PR

1. Hebei Daguangming Industry Group Co., Ltd., Western Side, Donghuan South Road, Shahe City, Hebei Province. P.R.China.	2. Shanghai Kargos International Trade Co., Ltd., T2-12F, No. 2601 Xietu Rd, Shanghai, P. R. China
--	---

3. Hebeijing country xinyuan rubber Chemical Co Ltd., Shengli road Guangsha district 31-1-101, Hengshui city, Hebei province, P.R.China	4. Hebei Yonghui Chemical Industries Import and Export Co., Ltd., No.199, Xinhua Road, Shijiazhuang, Hebei, P. R. China
5. Gansu Jinshi Chemical Co., Ltd., 109 #, West suburb, Minle County, Gansu, P. R. China	6. Shandong Shuangyan Chemical Co., Ltd., NO.787 Donger Road Dongying City, Shandong, P.R.China
7. Weifang Longzhou Industry and Commerce Co., Ltd., Luocheng Town, Shouguang City, Shandong Province. P.R.China	8. Laiwu Taishan Carbon Black Co., Ltd., Gaozhuang industrial zone, Laicheng, Laiwu, P.R.China
9. Qichang Chemical Co., Ltd., Beichenwang, tangyin County, Anyang City, Henan Province, P. R. China	10. Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd., Liyao, Jingdezhen City, Jiangxi Province, 333000, P.R.China
11. Suzhou Boahua Carbon, Xushuguan Suzhou, P.R. China-21515	12. Tianjin Dolphin Carbon Black Ltd., East of Railway, North of Yinheqiao Beichein District, Tianjin, P.R.China 300400

Carbon Black Producers /Exporters in Iran

1. Doodeh Sanati Pars Company, No. - 49, Padidar Alley, Africa Ave., Tehran - 15188 Iran	2. Simorgh Carbon Black Mfg. Co. Unit 9, No. 11, East Nahid St Africa Ave., Tehran
3. Iran Carbon Company, International Private company, Box 14155-1333, Tehran, Iran	

Carbon Black Producers/Exporters in Malaysia

1. Paradise Polymers And Chemicals Malaysia, 470 Taman Muhibbah Jaya, Sungai Siput (Utara), Perak , Malaysia - 31100	2. Segfield Carbon Industries (M), Sdn Bhd, Lot 149675, Igb International Industrial Park, Ipoh, Perak Malaysia - 31100
--	---

Carbon Black Producers/Exporters in Russia

1. Omsktechuglerod OJSC, 644049, barabinskaya Street, 20, Omsk, Russia	2. Amtel Holding Company, Amtel House 45 Kutuzovsk, Prospekt, 121170 Moscow, Russia.
3. Severgazprom, 39/2 Lenin Street Ukhta Komi, Republic Russian Federation	4. Nizhnekamsk Carbon Black Plant 423570 Nizhnekamsk, Prombaza Republic of Tartarstan
5. Yaroslav, Itekuglerod, 150053 Yaroslavl	

Carbon Black Producers/Exporters in Thailand

1. Thai carbon Black, 44 Moo 1, Ayuthaya -Angthong Highway, Tambol Pasa, Amphur Muang, Angthang 14000	2. Bridgestone Carbon Black (Thailand) Co., Ltd., Rojana Industrial Park, Ban Khai District, Rayong Province. Thailand
3. Thai Tokai Carbon Product Co., Ltd. 9th Floor, Harindhorn Tower, 54 North Sathorn Road, Silom, Bangrak, Bangkok 10500, Thailand	

VII. In response to the above notification, following exporters/ producers/ Association have responded:

S.No.	Name of Interested Party	Country
1.	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	Australia
2.	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.	China PR
3.	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co., Ltd.	China PR
4.	M/s Longxing Chemical Stock Co., Ltd.	China PR
5.	M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co., Ltd.	China PR
6.	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd (“Black Cat”)	China PR
7.	China Rubber industry Association	China PR
8.	M/s Suzhou Baohua Carbon Black Co., Ltd.	China PR
9.	M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskii Uglerod	Russia
10.	M/s Omsktechuglerod Ltd.	Russia
11.	M/s Trigon Gulf FZCO	UAE
12.	M/s Thai Tokai Carbon Product Company Ltd. (“TCP”)	Thailand

M/s Omsktechuglerod Ltd. did not file the response as per the questionnaire.

VIII. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

1. M/s JK Tyres, Link House, 3, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi - 110 002	2. M/s Birla Tyre, Shivam Chambers 53, Syed Amir Ali Avenue, Kolkata-700 019, West Bengal.
3. M/s Apollo tyres, Apollo House 7, Institutional Area, Sector-32, Gurgaon - 122001 (Haryana)	4. M/s CEAT Ltd., CEAT Mahal, 463, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai 400 030
5. M/s MRF Ltd., 124 Greams Road, Chennai-06	6. M/s Ralson, Plot No: 3, New Industrial Area, Mandideep. Distt. Raisen, M.P. - 462046
7. M/s Poddar Tyre, GT Road Jugiana, Ludhiana (PB) 141420	8. M/s Oriental Rubber Industries, 525 Koregoan Bima Pune Nagar Road, Pune
9. M/s Hindustan Rubber, 1 Janki Center OFF Veera Desai Road Andheri(W) Mumbai-53	10 M/s Agarwal Rubber, 15-1-503/49/A, Ashok Market, Siddiamber Bazar, Hyderabad 500 01, Andhra Pradesh
11. M/s Exel Rubber, Flat no. 507, Sai Sadan Apts, Opp. SBI Balkampet, S.R. Nagar, Hyderabad - 500038	12. M/s Tega Industries, First floor, No 210, 5th Main Road Vijay Nagar 2nd Stage Bangolre 560040
13. M/s Phoenix Yule, Ideal Plaza, 4th Floor, 11/1, Sarat Bose Road, Kolkatta 600 02, West Bengal	14. M/s Monotona Tyres, Mumbai, Mumbai 422 01, Maharashtra
15. M/s TVS Srichakra, Perumalpatti road Velaripatti Road, Melur Taluq Madurai-625122	16. M/s Ahuja Continental, 1109 Mittal Towers MG Road Bangalore
17. M/s Midas Rubber, P. John Zachariah Buildings, Kottayam, Kerala, 686001	18. M/s Tolins, M.C. Road, Kalady-683 574, Kerala
19. M/s TM Tyres, 5-35, Survey No, 305 & 321 Kalakal Village Medak - 502320, Andhra Pradesh	20 M/s Hartex Rubber, 6-3-865, Madhupala Towers, Ameerpet, Hyderabad- 500 016

IX. In response thereof, following have responded:

S.N.	Name of Interested party
1.	M/s Apollo Tyres Ltd.
2.	M/s J. K. Tyre & Industries Ltd.
3.	M/s Goodyear South Asia Tyres Pvt. Ltd.
4.	M/s Goodyear India Ltd.
5.	M/s Cabot India Ltd.
6.	M/s General Rubbers

7.	Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA), India
8.	All India Rubber Industries Association, New Delhi
9.	M/s Gem Polytech Industries Pvt. Ltd

M/s General Rubbers, M/s Apollo Tyres Ltd., M/s Cabot India Ltd., M/s Goodyear India Ltd, M/s J. K. Tyre, have filed their importer's questionnaire providing details of the imports of the subject goods by them.

- X. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- XI. Investigation was carried out for the 12 months period starting from 1st Oct 2007 to 30th September, 2008 (POI) and the injury analysis has been done for the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008 and the POI. For assessing the threat of material injury, post POI data for the quarter immediately following the POI has also been considered.
- XII. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- XIII. The Authority, having regard to the Act and the AD Rules vide Notification No. 14/21/2008-DGAD dated 25th May 2009 recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of subject goods from the subject countries. The provisional Anti Dumping duty on imports of subject goods from the subject countries were imposed vide Customs notification No. 83/2009-Customs dated 30th July 2009.
- XIV. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 3rd August 2009. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. Interested parties were provided opportunity for rejoinder submissions on the views expressed by opposing interested parties.
- XV. The arguments made in the written submissions/ rejoinders received from interested parties have been considered, wherever found relevant, in this disclosure;
- XVI. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the co-operating producers/exporters.

- XVII. In accordance with Rule 16 of the AD Rules, the essential facts considered by the Authority have been disclosed to the known interested parties and comments received on the same have been duly considered in these findings.
- XVIII. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- XIX. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.
- XX. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

Misc. procedural issues

4. Some interested parties have stated that the Authority has used DGCI&S import data while the application contained IBIS data and that in view of Rule 6(7) of AD Rules the revised import statistics should be placed in the public file. Besides, they have raised a few procedural issues, which are addressed as follows:

- (a) Maintenance of Public file: It is clarified that the Authority has maintained public file as per the AD Rules, which was kept open for inspection and was in fact inspected from time to time by several interested parties. The public file contained injury submissions made by the domestic industry after initiation and after inclusion of information relating to M/s Hi Tech. The Authority notes in this regard that the obligation of the Authority after initiation is to make evidence available through public file. The Rules do not envisage forwarding various submissions made by the domestic industry from time to time to other interested parties. It is for the interested parties to inspect the public file and to obtain copies.
- (b) Provisional duties: Some interested parties have disputed the recommendation of provisional duties. It is, however, noted that the information on record shows that imposition of provisional duties was justified in view of situation relating to the domestic industry.
- (c) Revision of data: Some interested parties have argued that the domestic industry kept revising data. It is, however, noted that anti-

dumping investigations is a process where quality of data improves as the investigation improves. Thus, the data undergoes changes/refinement at each stage of the investigation.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

5. The product under consideration is 'Carbon Black used in rubber applications'. It is an inorganic chemical used in production/ processing of rubber (including tyres), as reinforcing filler. Carbon Black is also known as acetylene black, channel black, furnace black, lamp black, lampblack, thermal black, and noir de carbone. Carbon black can be divided into two categories – rubber and non-rubber applications Carbon black. Carbon black for rubber applications is the Carbon black that is used in production/ processing of rubber (including tyres), as a reinforcing filler. The present investigation is in respect of Carbon black used in rubber applications. Carbon black used in non-rubber applications, such as inks in copiers and computer printer cartridges, paints, crayons and polishes, is not within the scope of the present investigation.

6. The subject goods fall under Chapter 28 of the Act under subheading no. 28030010. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Views of the Domestic Industry

7. The domestic industry has submitted that even in a situation where the domestic industry does not offer like article, it would not be appropriate to restrict the scope of the product under consideration. It is not proper to define the scope of product under consideration by considering like article produced by the domestic industry for the simple reasons that (a) product under consideration should be decided what is being exported to India during the relevant period, (b) the first step involved in an anti dumping investigations is defining the product under consideration. Having defined the product under consideration, the Designated Authority is required to identify like article, (c) even if it is admitted that domestic industry has not offered like article, the same only implies denying protection to the domestic industry in respect of such product type. The domestic industry should, however, be entitled to seek review and inclusion of such product through subsequent review. Since the Designated Authority has held on different occasions that a review cannot be conducted for the purpose of including in the product scope a type of product that was earlier excluded, the present legal understanding is leading to a situation where the domestic industry is left with no choice but to file a fresh petition for the excluded product.

8. Issues raised by Other interested parties

- i. All India Rubber Industries Association. New Delhi has, *inter alia*, stated that Thermal Black is not produced in India and thus, should be kept out of the scope of the investigation.

- ii. M/s Gem Polytech Industries Pvt. Ltd, has, *inter alia*, contended the following:

Specialised grades of carbon Black (HS code: 28030010) meant for semi conductive compound application give superior processing characteristics, low sulphur content and good electrical conductivity. These grades are not manufactured in India; they attract premium price and are not used in rubber application as reinforcing filler. They are used in plastic application as electrostatic discharge (ESD) & semiconductor (SC). Their structure is different from the PUC. Thus, these grades be included in non rubber application including cables, films, injection moulded products for electronic application.

Examination by the Authority

9. **Thermal black**—The domestic industry has contended that Thermal black is nothing but Carbon black and has added that the domestic industry has not produced N880, N990 and N991 grades during the POI and is at present also not producing these grades.

10. Further investigation and verification conducted at the premises of the domestic industry and foreign producers establishes that the domestic industry has not produced these grades during the investigation period and these grades have been imported in India. The grades being produced and supplied by the domestic industry cannot substitute these grades. There is no evidence on record that the consumers have used these grades with some other grades interchangeably. Nor the consumers of other grades can interchangeably use these grades. Since the market for these grades is altogether different, the Authority has excluded these grades of Thermal Black from the ambit and scope of the product under consideration.

11. **Carbon black for semi conductive compound applications**— It is learnt that this is not the grade of Carbon black meant for rubber applications; therefore the Authority excludes these grades from the ambit and scope of the product under consideration.

12. With the exclusion of carbon black for thermal applications (N880, N990 and N991) and Carbon black for semi conductive compound applications, the Authority has carried out entire analysis for the present purpose after excluding these grades—both for dumping and injury analysis.

13. With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

14. With regard to the possible difference between the product sold by the exporters in the Indian market and the product sold by the domestic industry, the Authority notes that there is no dispute by the exporters that there is any difference in the two products. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in product under consideration exported from subject countries and the product

produced by the Indian industry. The subject product produced by the domestic industry are comparable to the Product under consideration in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.

15. Thus, the Authority holds that the subject product produced by the applicant domestic industry is like article to the Product under consideration, in accordance with the AD Rules.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

16. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under:-

"Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry".

17. The Application has been filed by Association of Carbon Black Manufacturers on behalf of the domestic industry. M/s. Phillips Carbon Black Limited and M/s. Hi-Tech Carbon have provided injury information, whereas M/s. Continental Carbon India Limited has supported the application.

Issue raised by the Interested Parties

18. M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat") has, *inter alia*, contended that the applicant does not have standing in view of relationship of M/s Hi-Tech carbon India with M/s Liaoning Birla Co. Ltd (China) and M/s Thai Carbon Black Public Company Ltd. (Thailand). Further, Phillips Carbon is also ineligible in view of imports made by M/s Ceat Ltd., which is their related company.

Views of the Domestic Industry

19. The Domestic Industry has submitted that Rule 2(b) had been amended for the reason that a discretion was required to be provided to the Designated Authority to include or exclude a company who is found to be related to a foreign supplier or an Indian importer or who itself imported the material. Since the fact of imports or relation does not automatically imply exclusion and further since the ordinary/general rule is to include all parties, it is required to be established by the interested parties seeking exclusion that such exclusion is indeed necessary in the facts and circumstances of the present case. However, barring mere claim, no factual material has been provided by the interested parties justifying exclusion of these two companies. M/s Ceat Ltd. and

M/s Phillips Carbon Black Ltd. are not related companies. The Applicant has further submitted that even though the interested parties have not justified the need for exclusion, facts of the case do not justify exclusion of either company. The applicant has made reference to text books on anti-dumping and practices of other investigating authorities in this regard and has contended that there is no justification whatsoever for exclusion of either companies. The two companies have not reduced their production and have not turned to trading. In fact, in case of M/s Hi-Tech Carbon, the related Thai company has exported the entire material only under advance licence (whereas there is no import from the Chinese related company). In case of M/s Ceat Ltd. also, majority of the imports are under advance licence. The Applicant has also claimed that the volume of exports made from Thailand by related company of Hi Tech Carbon is significantly low in terms of total imports and consumption of the product in India. Similarly, the imports made by M/s Ceat Ltd. constituted a very small proportion in its total sales.

Examination by the Authority

20. The Authority notes that M/s Hi Tech Carbon is related to M/s Thai Carbon Black Public Company and M/s Liaoning Birla Co. Ltd. M/s Hi Tech Carbon has claimed that M/s Liaoning Birla Co. has not exported carbon black in Indian market. Even though M/s Thai Carbon Black Public Company Ltd. has exported the subject goods to India, the entire volume of exports is only 2178 MT, out of total of 515350 MT in POI. Some interested parties have reiterated their argument regarding inclusion of M/s Hi Tech in view of exports by their related entity. The Authority, however, notes that the exports made by the Thai related company are not so significant and not under such condition to take a view that M/s Hi Tech should be considered ineligible to be considered as a part of the domestic industry. The Authority notes that the Hi Tech Carbon has not turned to importing and trading. The focus of the company remains substantially on production. Further, there is no evidence on record to show that M/s Phillips Carbon Black Ltd. and M/s Ceat Ltd. are related companies. Even though ATMA has participated in the present investigations as an interested party and M/s Ceat Ltd. is their member, there is no evidence on record to show that M/s Ceat Ltd. has imported significant volumes of the product under consideration from the subject countries after payment of customs duties.

21. The Authority notes that the volume of exports made by M/s Thai Carbon Black is too insignificant in relation to production and consumption in India. Besides, it has not been established that M/s Hi Tech Carbon should be excluded from the purview of domestic industry because of exports made by the related company. The Authority considers it appropriate to include M/s Hi Tech Carbon within the scope of the domestic industry. With regard to eligibility of M/s Phillips Carbon, the Authority notes that the interested parties have not provided sufficient evidence to justify its exclusion.

22. As per the evidence available on record, production of M/s Phillips Carbon Black Ltd. and Hi-Tech Carbon account for a major proportion of the domestic production of like article, being significantly more than 50% of Indian production. Further, the petition is supported by M/s Continental Carbon. The application thus satisfied the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. Further, M/s Phillips Carbon Black Ltd. and

M/s Hi-Tech Carbon are being treated as “domestic industry” within the meaning of Rule 2(b) read along with Rule 2(d) of the AD Rules for the present purpose.

SUBJECT COUNTRIES

23. The investigation was initiated concerning imports of the subject goods originating in or exported from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand on the basis of IBIS data relied upon by the Applicant. However, the Authority had requested the DGCi&S to provide the relevant data on the subject, which was received. A perusal of the data shows that imports of the subject goods from Iran are below the *de-minimis* limits prescribed. On examination of the data from Malaysia, it was found that there is a negative injury margin *vis a vis* imports of the subject goods from Malaysia. Therefore, the Authority hereby terminates the investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from Iran and Malaysia. Thus, further examination is restricted to imports of the subject goods originating in or exported from Australia, China PR, Russia and Thailand.

Other issues raised by the Interested Parties

24. It has been, *inter alia*, contended that:

- Selection of the subject countries is on discriminatory basis as volume of import from some of non-subject countries is neither negligible nor the import price is lower.
- Russia should be the appropriate analogue country instead of Thailand as primary raw material for manufacturing Carbon black is feed stock in Thailand whereas in China PR it is Coal tar, which is more economical raw material for manufacturing Carbon black.
- The Authority should make the comparison on a monthly or if it is not practical, on quarterly basis, as per Article 2.4 of the WTO Anti-dumping Agreement that this comparison shall be made at the same level of trade, normally at the ex-factory level, and in respect of sales made at as nearly as possible the same time.
- No injury exists before April 2008 as per their own website, thus injury margin calculation should be based on data on the third and fourth quarter. Further quarterly determinations may be carried out for both injury and dumping determination due to the extreme volatility in prices and cost during the POI.
- Some interested parties have contended that there is no justification for retrospective imposition of anti dumping duties.

Examination by the Authority

25. The Authority notes that, in addition to the subject countries, volume of imports beyond 3% was reported only from UK. The applicant claimed that (a) there is no production facility in UK, (b) imports from UK are transshipment, (c) imports from UK

include substantial sales of off spec material. None of the interested parties has refuted this claim of the applicant.

26. The Authority notes that the primary reason advanced for consideration of Russia as an appropriate market economy third country is similarity of raw material, viz coal tar. However, the AD Rules require that an appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. The Authority does not have on record any reliable information in this regard. Therefore, the Authority has considered cost of production in India, duly adjusted, for determination of normal value in China PR. As already recorded in the preliminary findings, one of the Chinese co-operating producer, namely M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat"), *inter alia*, has claimed price difference between coal-based tar and oil-based tar used as a raw material for the subject goods. For this purpose, it has provided the Chinese Customs export statistics in respect of coal-based tar for the period of investigation. It was submitted that China exports coal-based tar to Japan, Taiwan, Korea and Mongolia, among which Japanese imports takes a high majority. The exports of coal-based tar to Japan on a monthly basis were provided as mentioned below:

Summary of Chinese Customs Export Statistics of Coal-based Tar during the POI				
HS Code	Importing country: Japan			
27060000	Export QTY in KG	Export Value FOB in USD	Unit price per Ton including VAT	Net unit price per Ton net of VAT in USD
Oct-07	15,502,298	5,333,260	344	294
Nov-07	11,698,655	4,148,016	371	317
Dec-07	14,560,343	5,399,859	397	339
Jan-08	11,029,308	4,374,271	399	341
Feb-08	8,324,216	3,319,458	420	359
Mar-08	12,838,507	5,395,734	443	379
Apr-08	11,910,519	5,281,898	426	364
May-08	16,366,168	6,969,834	426	364
Jun-08	11,194,695	5,241,809	468	400
Jul-08	13,408,305	7,080,159	528	451
Aug-08	7,859,734	5,006,943	637	544
Sep-08	4,659,025	3,206,600	688	588
total	139,351,773	60,757,841	436	373

The exporter also requested that the above market price of coal-based tar be considered as benchmark for price comparison.

27. The Authority notes that domestic industry too has requested for comparison of Normal value with Export price on quarterly basis. Considering the significant variations in prices and costs during the POI, the Authority has already undertaken a quarterly analysis of the data received from various interested parties and has followed the same in the present findings as well.

28. The Authority has noted that the domestic industry has not claimed that it has suffered no injury till April, 2008. On the contrary, the domestic industry has stated that deterioration in their profitability started with quarter ending March, 2008 and the same has continued. Moreover, if dumping margin and injury margin are determined only based on last two quarters, it would lead to reducing the period of investigation to just two quarters. While quarter by quarter comparison/analysis may be desirable, it has not been established that information for any particular quarter is required to be excluded or the period of investigation itself is required to be reduced. Comparison of normal value with export price on quarterly basis, or assessment of injury to the domestic industry on quarterly basis does not imply restricting the period of investigation itself to a quarter or six months.

29. The Authority considered whether retrospective imposition of duty is called for. Views of various interested parties have been taken into account considering the legal requirements for imposition of anti dumping duty on retrospective basis. It is noted that the parameters laid down for imposition of anti dumping duty on retrospective basis are not satisfied in this case. The Authority therefore concludes that the anti dumping duty is not required to be imposed on retrospective basis in the instant matter.

E. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

NORMAL VALUE

30. The Authority sent questionnaire to the known exporters from subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Response to the questionnaires were received from the following companies –

S.N.	Name of Company	Country
i.	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.	China PR
2.	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.	China PR
3.	M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.	China PR
4.	M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co. Ltd.	China PR
5.	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd (“Black Cat”)	China PR
6.	M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskii Uglerod,	Russia
7.	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	Australia
8.	M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd.	Thailand

31. The Authority has noted that no difference has been claimed by any producer/exporter regarding the product under consideration that has been sold to India and like articles that has been sold in their domestic markets. The exporters have claimed Normal values on the basis of grades of the subject goods sold in their domestic market. Some of the exporters and domestic industry have claimed that the Normal value and Export price should be compared on the basis of monthly or quarterly averages. The submissions to conduct a quarterly analysis have been accepted and the Authority has compared Normal value with Export price on the basis of quarterly averages. However, in the case of China PR, as elaborated herein below, there remained significant un-addressed issues of market economy determination in respect of the responding exporters, as elaborated herein below. Therefore, the Normal value in China PR has been determined on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.

Normal value in case of China PR

32. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments".

33. It was stated, in the initiation notification that the applicant claimed that China PR is a non-market economy and Thailand could be considered as a market economy as an appropriate surrogate country. The Authority invited comments from all interested parties in accordance with para 7 of Annexure I. One of the Chinese exporters, namely M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat"), without claiming market economy treatment, , *inter alia*, contended that Russia be treated as an appropriate market economy third country for the purpose.

Issues raised by interested parties

34. It has been contended that consideration of single country normal value for calculating constructed normal value is in violation of AD Agreement.

35. M/s Longxing has submitted that it does purchase one of the raw materials from State-owned companies, such average purchase prices are similar to average export price of that raw material.

36. It has been contended that while considering the export price from China to Japan, only the export price excluding VAT should be taken.

Views of the domestic industry

37. In support of their claim, the domestic industry has, *inter alia*, made the following contentions –

- i. Unless Chinese exporters establish that they pass the test of market economy status for each and every parameters laid down under the Rules, market economy treatment cannot be given to them.
- ii. The responding exporters have not established how they are entitled for market economy status in terms of, *inter-alia*, ownership & control, acquisition of plants, raw material prices and accounting standards.
- iii. All responding companies either continue to have a major shareholding by the State owned entities, or these have been recently acquired by private entities (in which case the process of transformation become relevant). Further, some of the responding companies are part of a group and the response has not been filed by the entire group as a whole.
- iv. The prices of major input, coal based tar in China do not substantially reflect market values. Raw material commands anywhere between 75-85% of total cost of production and therefore this is most vital condition. Further, there is no VAT refund on export sales in subject goods. Therefore, the normal value must be determined by adding VAT to the selling price or cost of production. It is inappropriate to reduce the export prices by the amount of VAT for the reason that the quantum of dumping margin is understated unless normal value is adjusted for VAT.
- v. The Authority should verify export price from the customs data as well. Verification at the premises of exporters is insufficient to establish that all export transactions have been disclosed by an exporter.

Examination of Market Economy claims in respect of China PR

38. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.

39. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether-

- a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

40. The Authority notes that some Chinese exporters have submitted their questionnaire responses including the market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption except M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd ("Black Cat"). The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter have been examined for determination of Normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows:

Submissions made by Chinese exporters/producers

M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat")

41. In its response to the Questionnaire, the exporter did not answer the questions of part D, E, F, G, I, J & K and Appendix 1 of the Questionnaire on the ground that these parts were related to either domestic sales or production cost. It was made clear by them that they did not apply for market economy treatment, therefore their Normal value should be determined on the basis of price or cost in a third market economy analogue country in accordance with the AD Rules.

42. The exporter also claimed price difference between coal-based tar and oil-based tar used as a raw material for the subject goods. For this purpose, it provided the Chinese Customs export statistics in respect of coal-based tar for the period of investigation. It was submitted that China exports coal-based tar to Japan, Taiwan, Korea and Mongolia,

among which Japanese imports takes a high majority. The exports of coal-based tar to Japan on a monthly basis were provided as mentioned below:

Summary of Chinese Customs Export Statistics of Coal-based Tar during the POI				
HS Code 27060000	Importing country: Japan			
	Export QTY in KG	Export Value FOB in USD	Unit price per Ton including VAT	Net unit price per Ton net of VAT in USD
Oct-07	15,502,298	5,333,260	344	294
Nov-07	11,698,655	4,148,016	371	317
Dec-07	14,560,343	5,399,859	397	339
Jan-08	11,029,308	4,374,271	399	341
Feb-08	8,324,216	3,319,458	420	359
Mar-08	12,838,507	5,395,734	443	379
Apr-08	11,910,519	5,281,898	426	364
May-08	16,366,168	6,969,834	426	364
Jun-08	11,194,695	5,241,809	468	400
Jul-08	13,408,305	7,080,159	528	451
Aug-08	7,859,734	5,006,943	637	544
Sep-08	4,659,025	3,206,600	688	588
Total	139,351,773	60,757,841	436	373

43. The exporter has requested that the above market price of coal-based tar be considered as benchmark for price comparison. Besides, it also requested the Authority to compare the prices of coal-based tar with oil-based tar prices, which the Authority is able to obtain in the course of investigation of exporters of other countries. In addition, the exporter claimed the price difference on account of coal-based tar and oil-based tar.

Examination by the Authority

44. As already stated, since China PR has been treated as a NME for the purposes of anti-dumping investigations, the prices of raw-materials procured in the Chinese domestic market cannot be said to be reflecting the international prices, particularly in the context that the exporter has provided that data in respect of the exports of a major raw material, namely coal-based tar to Japan, which is significantly higher than the price at which the material has been purchased by the Carbon black producers in China PR.

Therefore, the Normal value has been constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards the export price, the information/ data provided by the exporter has been accepted.

M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.

45. On a perusal of the response from the exporter, a deficiency letter was sent to them, *inter alia*, seeking certain clarifications therein. The exporter responded to the letter. It has been noted that M/s Longxing was restructured from Hebei Shahe Carbon Black factory, a collectively owned enterprise. However, during the verification, no asset evaluation report on restructuring was shown. The company was also requested to provide data of monthly procurement prices of major raw materials *vis a vis* their international prices. But the company expressed its inability to provide the same.

Examination by the Authority

46. It has been observed that no assets valuation exercise was undertaken by the company at the time of its restructuring. Besides, it was seen that major raw-materials have been procured from State-owned companies, and no evidence has been provided to establish that the input prices reflect the market conditions. It is also noted that one of the exporter has provided that data in respect of the exports of a major raw material, namely coal-based tar to Japan, which is significantly higher than the price at which the material has been purchased by the Carbon black producers in China PR. Therefore, the Normal value is being constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been accepted.

M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co.

47. On a perusal of the response from the exporter, a deficiency letter was sent to them, *inter-alia*, seeking certain clarifications therein. The exporter responded to the letter. M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co. is a Chinese trading company involved in the export of subject goods to India.

Examination by the Authority

48. A perusal of the response showed that the respondent had a related company, namely M/s HHUI, who in fact had exported the subject goods to India; though the company claimed that it was the real exporter. Without going into the merits of this contention, it was also noted that it had predominantly procured the subject goods from M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd. The other supplier of the subject goods to them, namely M/s Jiangxi Heibao Carbon Black Co. Ltd. has not co-operated in this investigation. Since M/s Longxing Chemical Stock Co. has not been given the MET status, the same cannot be also extended to the company, because M/s Longxing Chemical Stock Co., *inter alia*, procured major raw-materials from State-owned companies, which cannot be stated to be reflecting the market conditions. Besides, M/s Longxing was also requested to provide data of monthly procurement prices of major raw materials *vis a vis* their international prices. But the company expressed its inability to provide the same. It is also noted that one of the exporter has provided that data in respect of the exports of a major raw material, namely coal-based tar to Japan, which is significantly higher than the price at which the material has been purchased by the Carbon black producers in China PR.

Therefore, the Normal value has been constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been accepted.

M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.

49. On a perusal of the response from the exporter, a deficiency letter was sent to them, *inter alia*, seeking certain clarifications therein. The exporter responded to the letter. Besides, it has been contended by the respondent that average purchase prices of raw material by DETAI are similar to the average export price of that raw material to Japan. Therefore the Authority should not conclude that the input prices are not market driven

Examination by the Authority

50. A perusal of the response showed that the company was formed in 2005 by four shareholders including M/s Santai Electrical Co. Ltd. However, M/s Santai Electrical Co. Ltd. is no more the shareholder of the respondent since 2006 and hence the details of the shareholding of the company were not available. A copy of the business licence attached with the response showed that the same is in the name of M/s Santai Electrical Apparatus factory, instead of M/s Santai Electrical Co. Ltd.

51. Besides, it has also been contended by the company that there are no international prices of the major raw materials used in the production of the subject goods and that the raw materials were procured in domestic market at market driven prices. Since, China PR has been treated as a NME for the purposes of anti-dumping investigations, the prices of raw-materials procured in the Chinese domestic market cannot be said to be reflecting the international prices.

52. Therefore, the Normal value has been constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been accepted.

M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.

53. The response filed by the exporter was perused and certain deficiencies were observed. Accordingly a deficiency letter was sent seeking clarifications. Though the exporter responded to the deficiency letter but did not appropriately answer all the queries raised therein.

Examination by the Authority

54. It was noted that the company did not appropriately answer the issue regarding acquisition of the plant and machinery. It was also observed that it purchases the raw material and other inputs in the domestic market according to the prevailing market

price. The company was also requested to provide data of monthly procurement prices of major raw materials *vis a vis* their international prices. But the company expressed its inability to provide the same.

55. As already stated, since China PR has been treated as a NME for the purposes of anti-dumping investigations, the prices of raw-materials procured in the Chinese domestic market cannot be said to be reflecting the market values, particularly in the context that one of the Chinese producers has provided that data in respect of the exports of a major raw material, namely coal-based tar to Japan, which is significantly higher than the claims made by the company.

56. Therefore, the Normal value has been constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been accepted.

Determination of Normal value in respect of Exporters/Producers from China PR

57. The Authority notes that the exporters have not provided any evidence to establish that prices of basic inputs substantially reflect market values. The producers have named the raw materials suppliers and identified their legal status. The companies have not provided any evidence to establish that the inputs have been procured at prevailing international prices. As China PR has been treated as a NME for the purposes of anti-dumping investigations, the prices of raw-materials procured in the Chinese domestic market cannot be said to be reflecting the market values, particularly in the context that one of the Chinese producers has provided the data in respect of the exports of a major raw material, namely coal-based tar to Japan, which is significantly higher than the claims made by the companies.

58. Considering that the cost of the raw-material form a significant portion of the cost of the subject goods, the Authority is unable to grant market economy treatment to the Chinese exporters.

59. In view of the above, whether the prices of raw materials reflect market values, their impact on the cost and prices of the subject goods, accounting issues etc, the Authority is of the view that the producers/exporters from China PR have not been able to rebut the Non- market economy presumption.

Methodology adopted for constructing Normal Value in case of China PR

60. The Authority has constructed the Normal value for the Chinese producers on the following basis –

- a. Prices of major input, coal based tar considered on the basis of the price at which this material has been claimed to have been exported from China PR to Japan.
- b. Consumption of raw materials have been adopted on the basis of information/data of efficient respondent from China PR.
- c. Conversion costs have been adopted on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.

- d. Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- e. Profit has been taken @ 5% of ex-factory cost excluding interest.

61. For the purposes of conducting a fair comparison, separate Normal value has been calculated for each grade of subject goods produced and sold and separate Normal value has been calculated for each quarter of the Period of investigation. However, the dumping margins so arrived have been weighted averaged for the entire 'period of investigation' and for the 'product under consideration' as a whole thereafter.

Normal value in case of Australia, Russia and Thailand

62. Response to questionnaire were filed by the following companies:

S.N.	Name of Company	Country
1.	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	Australia
2.	M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskii Uglerod,	Russia
3.	M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd.	Thailand

63. The methodology adopted for determination of their Normal values is as follows:

The Authority notes that some interested parties have disputed the determination of one normal value for the exporting country as a whole. The Authority has, however, determined the normal values on the basis of records maintained by the respective respondents for the purpose of these findings to the extent their records could be relied upon.

General methodology followed for the responding exporters for determination of Normal Values

64. It was first seen, whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters in their home markets were representative and viable for permitting determination of Normal values on the basis of domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In their responses, the respondents have provided transaction-wise details of sales made in their home markets. The information so provided has been relied upon to determine separate weighted average domestic selling price for each grade/type of the subject goods to the extent feasible. For the determination of the ordinary course of trade test, the costs of production of the product concerned have been accepted. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. It was also seen whether the loss-making transactions account for over 20% of the sales or not.

65. Considering that there have been significant variations in the prices of major raw-material, the applicant and one of the Chinese exporters has requested the Authority to assess the impact of dumping on the basis of quarterly comparisons.

66. The Authority considers that there is merit in the above submissions and has observed significant changes in the cost of production and selling price from quarter to quarter for the same grade and therefore has assessed the dumping margin on a quarterly basis for ensuring a fair comparison.

M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd., Australia

67. The Normal value has been determined as per methodology mentioned in the earlier paragraphs based on the domestic selling price of the subject goods of the respondent. The adjustments have been made on account of discount and inland transport as claimed by the respondent.

M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskii Uglerod,

68. On examination of the respondent's response, certain deficiencies were noted and the respondents was requested to provide necessary information/clarification, including the information as mentioned in Appendix 1 of the response. Sufficient opportunity was provided to the respondent to submit the complete data, whereupon supplementary information was received. The Normal value has been determined as per methodology mentioned in the earlier paragraphs based on the domestic selling price of the subject goods.

M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd,

69. The Normal value has been determined as per methodology mentioned in the earlier paragraphs based on the domestic selling price of the subject goods of the respondent. However, on examination of the exporter's response, certain deficiencies were noted and the exporter was requested to provide necessary information/clarification, including information relating to certain transactions as mentioned in Appendix 1 of the response. Clarifications regarding certain transactions were sought vide the deficiency letter, however, the same was not responded to by the exporter; hence the Authority was constrained to proceed further after ignoring these transactions. Barring these transactions, the claims made by the exporter have been accepted. The adjustments have been made on account of discount and inland transport as claimed by the exporter.

Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers

70. Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has decided to determine their Normal Value as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules.

EXPORT PRICE

Export price for the responding exporters

71. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporters could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties.

M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd., Australia

72. Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of subject goods, as explained above. The adjustments have been made on account of inland freight, ocean freight, port handling charges, customs fees, and commission as claimed by the exporter.

M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskij Uglerod,

73. M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskij Uglerod had initially filed an incomplete response. On examination of their response, certain deficiencies were noted and the respondent was requested to provide necessary information/clarification, including relating to information as mentioned in Appendix 2 of the response. Sufficient opportunity was provided to the respondent to submit the complete data, whereupon supplementary information was received. Initially it was conveyed that the company does not directly export the subject goods to India, but supplies the subject goods through M/s Trigon, its agent. However, it was subsequently learnt that M/s Trigon has procured the subject goods not only from M/s Yaroslavskiy Tekhnicheskij Uglerod but from other companies as well. This material information was not shared by the company at all with the Authority. Infact, even during the verification visit, the DGAD team was led into belief that Trigon Gulf Fzco is merely an agent of M/s Yaroslavskiy Tekhnicheskij Uglerod. Besides, on further examination of the data significant inconsistencies have been noted between the responses received from the exporter, namely, M/s Trigon Gulf Fzco and M/s Yaroslavskiy Tekhnicheskij Uglerod, leading the Authority to disregard the export price data. Hence, the Authority is constrained not to rely on their response and establish the export price on the basis of facts available.

74. Thus, separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of subject goods based on imports reported in India as per the DGCI&S data. The adjustments have been made on account of inland transportation charges on road and rail, re-stuffing, warehousing and demurrage charges, ocean freight, bank charges, commission etc as per the submissions made by M/s Trigon Gulf Fzco.

M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd,

75. Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of subject goods, as explained above. The adjustments have been made on account of commission, freight, shipping and insurance as claimed by the exporter.

M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat")

76. Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods, as explained above. The adjustments have been made on account of inland transportation, overseas transportation, overseas insurance, credit, bank charges and export packing as claimed by the exporter. Besides, it is noted that the other exporters from China PR have made adjustments on account of VAT as well; but M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd has not done so. Therefore, the adjustment on account of Vat is also being made to the export price.

M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.

77. Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods as per data provided by the exporter in Appendix 2 of the response. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, output VAT, export packing, inland freight, handling, credit and bank charges as claimed by the exporter.

M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co.

78. Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods as per data provided by the exporter in Appendix 2 of the response. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, output VAT, handling, and bank charges as claimed by the exporter. Besides, the adjustments claimed by the producer M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd., the principal supplier of the subject goods to M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co., have been made on account of inland freight, packing and credit.

M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.

79. Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods as per data provided by the exporter in Appendix 2 of the response. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, output VAT, export packing, inland freight, handling, credit and bank charges as claimed by the exporter.

M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.

80. Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods as per data provided by the exporter in Appendix 2 of the response. The adjustments have been made on account of Customs declaration, port charges, inland transportation, overseas transportation, insurance, and bank charges as claimed by the exporter. Besides, it is noted that the other exporters from China PR have made adjustments on account of VAT as well; but M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd. has not done so. Therefore, the adjustment on account of Vat is also being made to the export price.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers

81. Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has decided to determine their Export Price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the applicant and the information provided by the co-operative exporters.

Dumping Margin – comparison methodology

82. It is noted that Carbon black for rubber applications is produced and sold in several grades. Information on record shows that there are significant differences in associated costs and prices of various grades, even though all the grades are employed for the same general purpose and perform the same function. In view of the same, the Authority has worked out a dumping margin separately for each grades of Carbon black by making a comparison between the Normal values and Export prices of the different grades at ex-

factory level. Weighted average overall dumping margin has been determined by computing the dumping found on each grade and associated volumes, without zeroing negative dumping found in individual grades.

83. Besides, information filed by the domestic industry and responding foreign producers show that there were significant differences in the prices of the product within the Period of Investigation. The Domestic industry submitted that there was significant increase in basic feedstock prices during the Period of Investigation, resulting in increase in the prices of the subject goods during the Period of Investigation. The domestic industry therefore requested that the Authority should consider Normal value and Export price at as nearly as possible same time. Some of the responding exporters also agreed that the comparison of Normal value with Export price on the basis of weighted average for the Period of investigation may not be appropriate.

84. Thus, considering the principles of fair comparison and distinctive facts of the present case, the Authority has compared Normal value with Export price on the basis of quarterly averages, which have thereafter been computed further to determine a single Dumping Margin for the product under consideration as a whole for the entire POI without zeroing negative dumping, if any. The comparison showed existence of dumping of the subject goods during the POI. The weighted average dumping margin, expressed as a percentage to the export price has been determined as positive and significant.

Issues raised by Interested parties:

85. Some interested parties have demanded disclosure of consumption norms. The Authority however noted that such norms can only be disclosed to the interested party whose data has been adopted. Such norms cannot be disclosed to other interested parties.

DUMPING MARGIN

86. Considering the Normal values and Export prices as determined above separately for product subject to investigation, the dumping margins have been determined as follows:

Exporter	Country	Dumping Margin US\$ per Kg	Dumping Margin as %
M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	Australia	***	38.36%
Non Co-operative producers/exporters	Australia	***	61.19%
M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd	China PR	***	20.93%
M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.	China PR	***	24.61%

M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.	China PR	***	28.77%
M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.	China PR	***	31.50%
M/s HHUI / Ningbo Sheen – All Chemical Co	China PR	***	29.34%
Non Co-operative producers/exporters	China PR	***	93.72%
M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskii Uglerod through M/s Trigon Gulf Fzco	Russia	***	27.29%
Non-Co-operative producers/exporters	Russia	***	79.62%
M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd	Thailand	***	21.27%
Non Co-operative producers/exporters	Thailand	***	43.49%

F. INJURY AND CAUSAL LINK

Injury Submissions made by interested parties

Submissions made by China Rubber industry Association, and M/s Suzhou Baohua Carbon Black Co. Ltd., China

87. Detailed submissions regarding injury to the Domestic industry have been made and it has been, inter alia, contended that the following table clearly establishes that the performance of the Domestic Industry has improved during the period of investigation as compared to the base year.

S. No.	Particulars	Comments on purported injury to Domestic Industry
1	Actual and potential decline in sales	Sales of Domestic Industry has increased in absolute terms. Domestic Industry is operating at its peak capacity.
2	Actual and potential decline in profits	Profitability has improved. Petitioners are making huge profits as compared to the base year when there was no allegation of dumping.
3	Actual and potential decline in output	Output has increased with increase in

		production and capacity utilization
4	Actual and potential decline in market share	All domestic producers have gained market share by 19%.
5	Actual and potential decline in productivity	Productivity has improved. There is no sign of deterioration in productivity.
6	Actual and potential decline in return on investment	Return on investment has improved during the period of investigation as compared to the base year when the same was negative.
7	Actual and potential decline in capacity utilization	Capacity utilisation has increased by more than 13%. Domestic Industry is operating at its peak capacity.
8	The magnitude of margin of dumping	Margin of dumping claimed is hypothetical.
9	Actual and potential negative effects on cash flow	Cash flow of the Domestic Industry has improved during period of investigation as compared to base year.
10	Actual and potential negative effects on inventories	There is no change in the overall position of average stock if considered in link with the number of day sale/ production. Domestic Industry is maintaining stock below the industry norms.
11	Actual and potential negative effects on employment	Number of employees has remained stable. There is no negative effect on employment.
12	Actual and potential negative effects on wages	Wages have increased even more than normal increase in the industry.
13	Actual and potential negative effects on growth	There is no negative effect on growth.
14	Actual and potential negative effects on ability to raise capital	The Domestic Industry has launched major expansion projects. This shows that they are able to raise capital easily.
15	Actual and potential negative effects on investments	The Domestic Industry has launched major expansion projects. This shows that there are no negative effects on investments because of alleged dumping.

88. It has been contended that the above table shows that the Domestic Industry is not affected on any of the mandatory injury parameters laid down under the Anti Dumping Agreement. Profits of the Domestic Industry have increased. Its capacity utilization including its enhanced capacity has increased. All injury parameters are showing signs of improvement during the period of investigation as compared to the base year. There is no causal relationship between alleged dumped imports and purported injury to the Domestic Industry.

89. Besides, it has been contended that the Domestic Industry is in expansion mode since 2007-08 due to improved performance and good profits. Various press releases issued by PCBL from time to time have been quoted. It has been contended that from this it is clear

that the PCBL is increasing its capacities by making huge investments. These expansion programs clearly show that the business environment for the Domestic Industry in respect of Carbon Black is excellent and this has resulted in launching expansion programs by the Domestic Industry. This also shows that the Domestic Industry is in good health and wants to make use of the favourable conditions for increasing its profitability. There is no adverse effect on the Domestic Industry due to alleged dumped imports.

90. As regards, the Threat of Material Injury, it has been contended that the Threat of injury and material injury are generally considered in the alternative, as the threat of injury implies material injury in the imminent future, rather than material injury in the present. It has been contended that the claim of the Domestic Industry with regard to threat of injury is based on simple assertion and not based on facts. It has been contended that there is neither material injury to the Domestic Industry nor a threat of injury to the Domestic Industry.

91. Besides, it has been, *inter alia*, contended that:

- (a) The Authority in Preliminary Finding has excluded certain grade i.e. Thermal Black and semi-conductive compound applications grades from the scope of product under consideration. The Designated authority has been requested to exclude these grades from import Statistics for injury analysis, as the same cannot have any impact on Indian domestic industry. Otherwise, analysis would suffer from error of having including non-product items.
- (b) The Authority should make the comparison on a monthly or if it is not practical, on quarterly basis as per Article 2.4 of the WTO Anti-dumping Agreement.
- (c) The Authority has determined the dumping margin and injury margin separately for different grades of subject goods. The Authority should determine and make available the Non-injurious Price and Injury Margin separately for each grade and recommend the duty, if any, separately for each grade.
- (d) Selection of the subject countries is on discriminatory basis as volume of import from some of non-subject countries is neither negligible nor the import price is lower.
- (e) No injury exists before April 2008 as per their own website, thus injury margin calculation should be based on data on the third and fourth quarter. Further quarterly determinations may be carried out for both injury and dumping determination due to the extreme volatility in prices and cost during the POI.
- (f) M/s PCBL has suffered loss due to sharp depreciation in value of Rupees. It is not known whether this fact has been considered while arriving at the Non-Injurious Price and causal link.
- (g) As a result of depreciation of INR, cost of import increased by 15-20%, which is more than the injury margin except for non-cooperative producers/exporters. The

Designated Authority should recommend duty on reference price basis instead of fixed duty.

- (h) There is no adverse volume effect and price effect during the POI as the financial condition of the Domestic Industry has improved in comparison with base year as well as previous year.
- (i) Since the Domestic Sales Realization has increased consistently year after year, and the increase in landed value has been higher than the increase in the average domestic sales price, the price effect does not exist.
- (j) The Domestic Industry's Market Share has dropped by only 4.66% and they still occupy 65.28% and the total Indian Industry's share is 87.24%. The decline in market Share of the domestic industry is due to the capacity constraint only. Import has become essential to make up the sudden increase in demand.
- (k) Information obtained from public domain shows with regard to injury to the domestic industry shows contrary to the preliminary findings. Financial performances of Phillips Carbon Black for the Quarters Oct-Dec. 2007, Jan-March 2008, April-June 08, reflects benefit of operational efficiency and robustness of the revised business model, which have mitigated the increase in feedstock cost. Highest sales volume have been achieved, PBIT of carbon black segment has also increased, operating margin of the company increased. Exports were curtailed due to increase in domestic demand.
- (l) The domestic industry has not suffered any significant injury within the POI due to imports. The fall in profitability during July 08 – Sep 08 is due to the reasons like abnormal rise in feedstock prices, depreciation in the value of the Rupee against foreign currency as a result of which the net profit have declined significantly. The losses suffered by the Domestic Industry have been because of the global financial crisis.
- (m) Evidence on record is insufficient to establish existence of causal link between the imports and injury suffered by the domestic industry.
- (n) Despite healthy performance of all the economic parameters during whole POI, Designated Authority has focused only on the trend analysis on quarter-by-quarter basis during the POI and the quarter post POI. The analysis is partial and not complete.
- (o) The Authority has considered 22% as a reasonable ROI for arriving at Non-Injurious Price whereas Phillip Carbon's ROI is 40%. Therefore there is no injury to the Domestic Industry.
- (p) The Authority has used post POI data to examine threat of injury. However post POI statistics has not been considered for analyzing injury. Selective use of

different time period is not justified. Use of different period for different injury factors is inconsistent with the obligation to carry out an objective examination of injury.

- (q) The domestic industry themselves have admitted in their annual report the low demand is due to global recession.
- (r) The Authority has stated that ATMA has not established that the domestic industry suffered financial losses in the period of investigation due to higher cost of raw material. Annual report of Hi-Tech Carbon and PCBL clearly states that the operating profits were severely impacted due to consumption of high prices CBFS. The bulk purchased carried out by domestic industry was the real reason for the fall in the profitability and this should not be attributed to import.
- (s) The prices of the Domestic Industry which have increased by 47% are proportionate to the increase in cost (which is 42%). The Domestic Industry cannot be said to have suffered from price suppression.
- (t) CBFS prices have come down in post POI period, as a result which the Non-Injurious Price for Domestic industry shall be low. If such an adjustment is not made to Non-Injurious Price, the domestic industry would get undue protection at very high level that is not warranted.
- (u) Since the non-injurious price and net sales realisations are almost similar, there is no material injury.
- (v) There is no evidence of significant freely disposable capacity in the exporting countries except the statement based on Chinese Customs data.
- (w) The claim of threat of material injury is based on bald statements and without any supporting evidence.
- (x) The threat of material injury should not be concluded merely based on the decline in some of the injury parameters in the quarter post POI, especially when some of the injury parameters have steadily increased during the whole investigation period which covers Apr 2005 to Sept. 2008.
- (y) The Authority should consider the import data up to May 2009 in order to find out actual threat of material injury.
- (z) While taking the data beyond POI, and while including Hi-tech Carbon, who did not submit information before initiation, the Authority has failed to fulfill its obligations under Art. 6.1 of the AD Agreement pertaining to Notice of Information and Submissions and those under Art. 6.2 of the AD Agreement pertaining to giving opportunity of being heard for defense.

- (aa) Increase in import volumes from subject countries seems significant due to the low import volumes in the base year. The increase in absolute and relative terms is actually slight.
- (bb) The imports from subject countries have increased as the Domestic Industry is already operating at the optimum level of Capacity utilisation and it cannot further increase it.
- (cc) The Authority has compared the sales volume of the last three quarter to the sales volume of the last quarter of the POI, as a result of which the injury analysis has remain confined within the POI.
- (dd) SME industrial users account for a significant proportion of the total demand for Carbon black in India. The Rubber market is a low margin market and since the cost of input plays vital role, imposition of anti-dumping duty will unjustly harm the industry.
- (ee) Carbon black has been shifted to restricted list vide notification 81 (RE-2008)/2004-2009. Consequently imports have already shrunk.

Submissions made by ATMA

92. ATMA has advanced elaborate submissions on various injury parameters, pleading non existence of injury to the domestic industry.

Views of the Domestic Industry:

93. The domestic industry has made the following submissions:-

- Considering the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Reliance Industries vs. Designated Authority [2006(202) E.L.T. 23 (sc)], the Authority should consider domestic producers as a whole for the purpose of injury determination. In fact, the Designated Authority has been directing the petitioners and/or Indian Producers in a large number of cases to provide information for non-participating companies. Therefore, in a situation where one of the other domestic producers has provided injury information, the same is required to be considered for injury assessment. The scope of domestic industry should therefore be redefined to include Philips carbon and Hi-tech carbon. The domestic Industry also referred to the WTO Panel decisions of Argentina – Definitive Anti-Dumping Duties On Poultry From Brazil (WT/DS241/R), and EC – Bed Linen in support of its argument.
- The scope of the domestic industry gets redefined at each stage of the proceeding having regard to information on records. Quality and quantity of evidence in an anti dumping investigation progresses as an investigation progresses.

- The dumping margin, injury margin and eventual duty should be one for the product under consideration as a whole. The Appellate Body report in the matter relating to European Communities – Anti-Dumping Duties On Imports of Cotton-Type Bed Linen From India (WT/DS/141/AB/R) has been referred in this regard.
- Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of profits, return on investments, cash profit, inventories and market share. Parameters such as production, sales volumes, and capacity utilization improved till Dec., 2007, but declined thereafter. The deterioration is more pronounced in terms of quarterly performance within the investigation period. Further, the domestic industry was threatened with material injury and the same is evidenced by a number of parameters relating to Oct.-Dec., 2008 period. The deterioration in performance is significant and material. The domestic industry has thus suffered material injury. In fact the post POI data also shows the existence of threat of material injury. The difference between the import price of the subject goods and that of the domestic industry prices is quite significant.
- The imports are entering at such prices that the same are having a significant depressing or suppressing effect on domestic prices and are likely to increase demand for further imports.
- There is no basis for the argument that appreciation or depreciation of INR impacts only the price. In fact, the appreciation or depreciation of INR impacts the costs of the domestic industry as well.
- The domestic industry has provided injury information in respect of parameters for the period Oct-Dec.08. Notwithstanding, while injury examination under Article 3.4 must be carried out in respect of or listed parameters, the Rules do not provide for all these parameters must be necessarily be examined for assessment of threat of material injury. Further, the domestic industry is willing to provide any further information required by the authority.
- The volume of imports subsequent to Nov., 2009 in the context of the import policy modified in November 09 must be considered quite significant. If imports would have increased to such an extent in spite of the fact that the product was transferred into restricted list, it follows that the volume of imports would have been significantly higher if the product had not been transferred to restricted list.
- The information contained in public domain cannot be directly co-related to the performance of the domestic industry with regard to product under consideration for the reasons (a) public domain information in respect of company operations and not product performance; (b) even in respect of product performance, the pricing information is with respect to only domestic operations, whereas the company information is in respect of domestic and export information, (c) the data provided by the domestic industry shows improvement till December 2007 and therefore actual performance reported in annual report is not contrary to the claims, (d) the injury to the domestic industry is required to be seen collectively to the domestic industry as a whole whereas the annual reports referred only to individual companies specific performance, (e) it is well settled position under the

law for performance of the domestic industry as a whole and not individual companies must be considered by the Authority.

- The decline in CBFS price is far less than the decline in import price. In other words, injury to the domestic industry has further increased in the most recent period.
 - Injury to the domestic industry is evident in terms of market share and adverse price effect.
 - Performance of the domestic industry has steeply deteriorated during the investigation period. In fact, period of investigation on stand-alone basis shows steep deterioration in performance on quarter-by-quarter basis.
 - Profitability and return on investment in period of investigation as a whole were lower than profitability and return on investment in 2007-08.
 - Return on investment was at the level considered reasonable by the authority in Oct-Dec., 07 period. Further, the same declined thereafter significantly.
- The fact that import volumes were low in base year itself establishes that the volume of imports increased over the injury period. The subsequent increase is due to dumping.
- The 4.66% decline in market share of the domestic industry cannot be described as immaterial. The AD Rules provide for a determination with regard to actual and potential negative effects or actual and potential decline in respect of certain parameters. Therefore, so long there is a material decline in one or more parameters, a positive finding of injury must be rendered. The term "material" has been interpreted as something not immaterial, not inconsequential and not insignificant etc. Thus decline in market share by 4.66% cannot be described as immaterial.
 - As regards high market share, the AD Rules do not provide for a positive finding of injury only when the share of domestic industry is low. The AD Rules only provide for a determination with regard to possible decline.
 - Non-injurious price and Net Sales Realization are not in the same region. There is significant difference in the two figures. Furthermore, price undercutting and price underselling must be seen together in order to understand the impact of dumping. As the data would show, the injury margin is quite significant in the present case.
 - In a situation where profitability of the domestic industry first improved and then declined must be considered significant deterioration.

Examination by the Authority

94. In view of the arguments of the interested parties to exclude information relating to other types of Carbon black produced by the domestic industry, the Authority has determined the injury by considering data in respect of Carbon black to the extent the

same was feasible, having regard to provisions of Annexure II to the AD Rules in this regard.

95. With regard to evidence of freely disposable production capacities, the Authority notes that the relevant evidence is contained in the questionnaire responses of the responding exporters and the information provided by the domestic industry.

96. Some parties referred to the performance of the domestic industry in the most recent quarter and claimed that the situation was improving. The Authority notes that only performance in the period of investigation and immediately succeeding quarter have been considered in assessing material injury and the threat of material injury respectively to the domestic industry. The interested parties have not provided evidence to show permanent nature of changes in the post investigation period.

97. Some interested parties have cited high volume of imports under advance licence and have argued that the domestic industry could not have suffered injury in view of low volume of imports under duty paid category. The Authority notes that the imports under advance licence are clearly relevant for assessing injury to the domestic industry as the Advance licence holder has an option to source the subject goods sought to be imported under the Advance Licence through indigenous sources as well.

98. Since the Authority has examined all injury parameters, the same addresses the views expressed by ATMA as well. Additionally, the Authority has following observations on the issues raised by ATMA.

- a. Price undercutting – the Authority is not recommending anti dumping duty in case of imports from Malaysia and Iran. But the volume of imports reported in DGCI&S data has been found to be understated in case of Thailand. The information made available by the responding Thai exporter shows positive price undercutting. With regard to remaining countries, the Authority notes that the price undercutting is positive. The fact that the said undercutting amount was reducing, at best, addresses the claim of the domestic industry that it was trying to reduce the gap between the imported and domestic product and resultantly volume of domestic sales did not decline.
- b. Price suppression/depression – the Authority notes that the impact of dumped imports on the domestic industry needs to be ascertained within the period of investigation itself as well. This is so particularly in a case, where the increase in the cost of production within the period of investigation itself is significant as is seen from the quarterly analysis of the data. It is noted that within the period of investigation, the increase in the cost of production was more than the increase in the selling price. Further, in Oct.-Dec., 08 period, this difference accentuated leading to losses to the domestic industry.
- c. Losses in Oct.-Dec., 08 period – the Authority notes that ATMA has not established that the domestic industry has suffered financial losses in this period due to higher cost of raw materials. In any case, the Authority considers the actual cost structures of the domestic industry. In a situation

where the input prices are rising, the Authority does not consider prevalent input prices for undertaking injury analysis but relies on the actual data. Thus, it would not be appropriate to assess injury based on prevailing input prices. Further, it is observed that whereas the sales volumes of the domestic industry declined significantly, those of imports showed an increase in this period.

- d. Normal value – While stating that the prices of the product or inputs are readily available, the Authority notes that ATMA has not provided any such information to the Authority. The purpose of evidence of Normal value in the application is to establish that there is sufficient prima facie evidence justifying initiation of the investigation. But the quality and quantity of the investigation improves gradually during the course of the investigation, as the investigation progresses. The responses received by the Authority show that the dumping margins are significantly positive except against imports from Malaysia and Iran. In fact, the Authority is not recommending anti dumping duty in case of imports from Malaysia and Iran, notwithstanding that no response has been received from any exporter/producer from these countries. It is also noted that there are various grades of the feedstock and coal-based tar. Carbon black feedstock and the subject goods fall under the same customs classification and therefore summary customs data in any case is not useful. Besides, coal-based tar has wide range of grades that differ significantly in associated applications and prices.
- e. The Authority is in agreement with ATMA's submission that the Normal value is required to be determined on the basis of cost of production in the country of origin. In fact, the applicant has determined Normal value based on cost of production in the country of origin. This has, however, been constructed based on best available information.
- f. Injury information in the Application – the Authority notes that the Application filed before the Authority contains information in respect of all mandated injury parameters. However, it notes that existence of information on all injury parameters and claim of the domestic industry with regard to presence or absence of injury on account of some injury parameters should not be mixed up. While the Applicant is required to provide information on all mandated injury parameters, it is not necessary that the Application claims injury in respect of each and every injury parameter. In any case, it is an accepted position that all mandated injury parameters need not establish injury to the domestic industry.
- g. Recommendation and imposition of preliminary anti dumping duties-- With regard to the conditions precedents for recommendation and imposition of preliminary anti dumping duties, the Authority notes that injury for this purpose need not be restricted only to material injury. Moreover, the Authority has recorded a positive preliminary finding of material injury as well, This has further aggravated in Oct.-Dec., 08 period, when situation in respect of a number of economic parameters has drastically deteriorated indicating threat of material injury as well.

- h. Contraction in demand – the Authority notes that demand for the product has not declined till Sept., 2008. While ATMA has claimed that import volumes steeply declined in Oct.-Dec., 08 without providing any evidence, information made available by the domestic industry from IBIS data shows that import volumes in fact substantially increased during this period. Further, while it is appreciated that vehicle production (and consequently all inputs to that industry, which in turn implies subject goods as well) declined steeply, a situation where demand for the product declines but import volumes increases, apparently shows injury being aggravated by the dumped imports.
- i. Raw materials prices – The Authority notes that spot and long term contracts have their own associated advantages & disadvantages.
- j. Difference in IBIS data – The Authority notes that while alleging that IBIS data provided by the Applicant and procured by ATMA are at variance; it is seen that ATMA has not established the variance. In any case, the Authority has now procured data from DGCIS and has recorded the present findings based on the same.

99. Issues raised by the interested parties after the Disclosure Statement:

Some interested parties have filed their response to the disclosure statement. However, only additional issues raised therein and found pertinent to the investigation are being mentioned herein below:

- Post POI un-audited results of M/s PCBL for establishes that after March 2009 when the demand of Carbon Black picked up the profitability improved dramatically, which resulted into Domestic Industry making abnormal profits. After the global meltdown has eased the Domestic Industry has started making bumper profits. During the quarter ending June 2009 and Sept 2009 the Domestic Industry's EPS has been even higher than that during the POI.
- The Authority has observed in an anti-dumping investigation the data undergoes changes at each stage. However any such refinement of data appears to have taken place after the Public File was closed.
- The increase in cost of sales is because of the increase in wage cost of the DI. The increase in selling price has been higher than the increase in cost of sales.
- The Hon'ble Authority ought to disclose the company specific injury margins of the cooperating exporters from each Subject Country.
- Even in the case of constructed NV based Dumping margin, the Authority should have disclosed in confidence to Black Cat the detailed grade wise export price and dumping margin calculations and the adjustments for each grade.

- The data verified by the Authority is the data pertaining to the POI. Since the post-POI data has not been verified by the authority, the same should not be relied upon.
- A number of figures including the landed price of dumped imports, P&L per Unit and ROI have been revised. The interested parties should be provided with the details of these revisions.

100. Examination by the Authority

- The Authority has considered the injury period till September 2008. The period Oct.-Dec., 2008 has been considered for assessing threat of material injury to the domestic industry. Any period thereafter is irrelevant to determine injury as envisaged under the AD Rules in the present case. Consideration of any subsequent period data will require full data with regard to dumping and injury analysis, which is neither feasible nor required in the present matter. The Authority further notes that subsequent period developments are addressed through the review mechanism as envisaged under the AD Rules and the Act.
- It is incorrect to state that public file was closed; in fact the public file has been inspected by interested parties from time to time during the investigation process. Further, the information relied upon in the present findings is not a new information; only the quality of information has improved due to verification conducted by the Authority and the nature or period of information has not undergone a change.
- It is seen that the domestic industry has claimed that entire increase in the cost of production is not due to increase in the wage costs. In fact, incidence of increase in the wage cost is quite insignificant as compared to decline in profitability.
- The information to the extent that is required to be disclosed: has been disclosed to the responding interested parties.
- The Authority is of the view that information that is based on confidential business information of other interested parties cannot be disclosed to other interested parties participating in the investigation.
- The verification of information is for the satisfaction of the Designated Authority. Although, none of the interested parties demanded that the data relating to post POI relied upon in the preliminary findings should be verified, yet the Authority has satisfied itself with regard to correctness of the data before adopting the same.
- The disclosure statement contains full details of the figures adopted. Any revision in the figures is a part of the investigation process, where the quality

of evidence improves during the investigation process. Even the figures of the producers/exporters may undergo a change as a result of verification conducted. However, it does not imply that the Authority should intimate such changes to the interested parties immediately thereafter. The information/data being relied upon in these findings have been duly disclosed through the disclosure statement as envisaged under the AD Rules.

101. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed injury to the domestic industry considering the facts available on record and the applicable law as follows:

Cumulative assessment

102. The analysis shows that the subject goods are being dumped into India from the subject countries. Attention is invited to Annexure II para (iii) of the AD Rules which provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of like article and
- b. cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

103. The Authority observes that:

- The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed above;
- The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed except from Iran as already recorded in relevant section of these findings);
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market. This is evident from the following:
 - a. The domestic industry produces various grades of the subject goods. Similar grades are being produced by producers from the subject countries and supplied to India. The subject goods manufactured by the producers from the subject countries *inter-se* and in comparison to the product manufactured by the domestic industry has comparable

properties. In other words, the subject goods supplied from various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.

- b. There are common parties who are resorting to use of imported material from various sources and domestic material. Imported and domestic materials are, therefore, being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported product and *inter-se* imported product.
- c. The exporters from the subject countries and domestic industry have sold the same product in the same periods to the same set of customers. The sales channels are comparable.
- d. Volume of imports from each of the subject countries is significant.
- e. Consumers make purchase decision on the basis of prices offered by various suppliers.

104. In view of the above, the Authority considers it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from Australia, China PR, Russia and Thailand.

105. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

106. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Demand and market share

107. Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Demand in India	MT	406557	437385	500273	515350

It is noted that demand for the product has shown significant and consistent increase over the injury period.

Import volumes and market share

108. The Applicant has provided information with regard to imports based on IBIS data for the entire injury period. The Authority requested the DGCI&S for the import data, which was received. Further, a number of producers/exporters from subject countries and Indian consumers/ importers have responded to the Authority. The Authority collated all imports information and compared the same in order to assess the volume of imports during the period. It is noted that the actual volume of exports reported by responding exporters in case of Thailand and Australia is higher than the volume reported in DGCI&S or IBIS data. Further, the volume of imports reported in DGCI&S data is significantly higher than the volume of imports reported in IBIS data. Therefore, in case of Thailand and Australia, the Authority has adopted the actual volume of exports reported by the responding exporters from Australia and Thailand. In all other cases, the volume of imports reported by DGCI&S has been adopted. It is seen that: -

- i. Imports from subject countries have increased significantly in absolute terms.

Imports	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Australia	Mt	2,142	2,094	5,905	6,655
China PR	Mt	1,342	6,221	11,565	12,580
Russia	Mt	16,194	8,379	25,008	26,391
Thailand	Mt	125	3,932	5,731	7,888
Subject countries	Mt	19804	20627	48209	53514
Other countries	Mt	4081	10043	14858	13645
Total import	Mt	23,885	30,670	63,066	67,159

- ii. Imports from subject countries have increased in relation to production and consumption in India as compared to the base year.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Dumped imports in relation to Indian	%	3.97	3.89	8.55	9.10

production					
Dumped imports in relation to demand in India	%	4.87	4.72	9.64	10.38

- iii. While market share of the subject countries have increased, that of the domestic industry has declined as compared to the base year and has marginally increased over the immediately preceding year as may be seen from the following table:

Market Share in demand as %	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Subject countries	%	4.87	4.72	9.64	10.38
Other countries	%	1.00	2.30	2.97	2.65
Domestic industry	%	69.84	68.25	65.55	65.96
Supporter companies	%	12.97	12.16	10.45	9.95
Other Indian Producers	%	11.31	12.57	11.39	11.06
Share of Indian Industry	%	94.13	92.99	87.39	86.97

109. It is thus seen that the market share of imports from the subject countries have significantly increased, whereas that of the domestic industry has declined over the injury period. The marginal decline in POI as compared to 2007-08 could be due to overlapping period as well.

Price effect of imports

110. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

111. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting. For the purpose, the Authority notes that there is significant difference in the prices of different grades. Further, there was significant increase in the input cost over the injury period, thus leading to increase in the prices within the Period of investigation. Therefore, the Authority has compared landed price of imports with the selling price of the domestic industry for comparable grades on a quarterly basis. Thus, weighted average price undercutting has been determined after considering associated import volumes. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the

selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting the position is as follows:

Country	Price undercutting (Rs/Mt)	Price undercutting as %
Australia- Continental	***	4 to 8%
China PR	***	8 to 12%
Russia	***	5 to 9%
Thailand – TCP	***	1 to 4%
Subject countries	***	3 to 8%

112. The Authority has determined price undercutting for the responding exporters in case of Thailand and Australia using their data instead of DGCI&S because the volume of exports reported by the responding exporters is higher than the volume reported in DGCI&S.

Economic parameters of the domestic industry

113. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

114. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

Sales volumes

115. Sales volumes of the domestic industry were analysed over the injury period. The position is as follows

Period	Domestic Sales volume	
	for the period	per quarter
	Mt	Mt

2005-06	283,934	70,984 (Average)
2006-07	298,522	74,631(Average)
2007-08	327,922	81,980(Average)
POI	339,937	84,984(Average)
Oct-Dec07	89,301	89,301(Actual)
Jan- Mar08	80,227	80,227(Actual)
Apr- Jun08	85,989	85,989(Actual)
Jul- Sep08	84,421	84,421(Actual)
Oct.-Dec.08 (Post POI)	63,664	63,664(Actual)

116. It is seen that the domestic sales volume have increased till Dec., 2007. The sales volumes declined in Jan.-March, 2008 period. Though the same increased once again in subsequent quarter, but this increase was less than the decline in previous quarter. The sales volumes thereafter declined in July-Sept., 08 and further declined in Oct.-Dec., 08 period. It is noted that the decline in sales volumes in Oct.-Dec., 2008 was significant.

Capacity and Plant Utilization

	Capacity	Production	Plant utilization
Unit	Mt	Mt	%
2005-06	440,000	394,279	90.01
2006-07	440,000	423,833	97.17
2007-08	485,000	459,361	96.00
POI	500,000	481,702	97.61
Oct-Dec07	125,000	121,723	98.78
Jan- Mar08	125,000	120,106	97.31
Apr- Jun08	125,000	120,678	97.51
Jul- Sep08	125,000	119,194	96.85
Oct.-Dec.08 (Post POI)	125,000	78,767	63.99

117. It is seen that production and plant utilization improved till Dec., 2007 over the injury period. However, it is noted that the utilization has gradually declined thereafter. Further, production and the utilisation declined significantly in Oct.-Dec., 08 period.

Factors affecting prices:

118. It is seen that imports are undercutting the domestic prices. Comparison of cost of production and selling price of the domestic industry along with landed price of imports shows that the imports are also suppressing prices of the domestic industry.

	Selling price	Cost of production	Contribution margin	Landed price of dumped imports
--	---------------	--------------------	---------------------	--------------------------------

Unit	Rs. Mt (Indexed)	Rs. Mt (Indexed)	Rs. Mt (Indexed)	Rs/Mt
2005-06	100	100	100	29,214
2006-07	125	119	135	41,046
2007-08	121	113	144	36,999
POI	147	143	144	43,608
Oct-Dec07	128	117	170	36,076
Jan- March 08	134	128	147	39,916
Apr- June 08	149	147	136	45,733
July- Sept 08	179	182	123	52,516
Oct-Dec, 08 (Post POI)	192	234	1	64,226

119. It is observed that the landed price of imports of the subject goods is below the selling price of these products by the domestic industry except during the April-June quarter. Apparently, the domestic industry has not been able to increase the prices of the product in proportion to the cost increases. As a result of price difference between the imported products' price and domestic industry' price, some consumers have increased their procurement of dumped imports, as seen from some of the responses to importer's questionnaire. The Authority notes that response to questionnaire was received from some of the importers/consumers of Carbon Black in India. The Authority analyzed information provided by these parties and compared sourcing of these parties from imports and domestic market. The table below summarizes the position:

	Subject Goods imported			Subject goods purchased from Domestic producers		
	2006-07	2007-08	POI	2006-07	2007-08	POI
Apollo	***	***	***	***	***	***
JK	***	***	***	***	***	***
Cabot India	***	***	***	***	***	***
Goodyear India	***	***	***	***	***	***

Goodyear SA	***	***	***	***	***	***
General Rubber	***	***	***	***	***	***

120. It is seen that sourcing of Apollo Tyres from domestic sources has marginally increased in the POI and imports declined. In case of J. K. Tyres, while sourcing from domestic market declined, sourcing from imports went up. The Authority determined price difference between domestic and imported product in case of Apollo Tyres and JK Tyres. The table below summarizes:

	Apollo	JK
Import volume (MT)	***	***
CIF import price per MT	***	***
Landed price of imports per MT	***	***
Purchase price from domestic industry per MT	***	***
Price undercutting per MT	***	***

121. Even though the above is on average basis, it is seen that the imports were significantly cheaper than the prices of domestic industry in case of JK Tyres. At the same time, while volume of imports by JK Tyres increased, volume of domestic sourcing declined. In case of Apollo Tyres, the import prices and domestic prices were somewhat comparable. The import volumes increased and domestic sales stagnated. However, in Period of investigation, the import volumes by Apollo slightly declined and domestic sales almost proportionately increased. The Authority thus notes the difference in the domestic and import prices directly impacted the decision of the consumers regarding their procurement of the subject goods. The Authority, however, notes that such analysis could be carried out only in respect of limited customers in view of insufficient responses from the importers/ consumers.

Profit/Loss, return on investment and cash profits

122. The position with regard to Profit/Loss, return on investment and cash profits was as follows

Period	Profit/Loss Rs. per MT (Indexed)	Return on investment as % (Indexed)	Cash profits Rs. per MT (Indexed)
2005-06	100	100	100

2006-07	243	205	185
2007-08	291	186	216
POI	231	132	179
Oct-Dec07	353	189	252
Jan-Mar08	255	136	196
Apr-Jun08	205	122	163
Jul-Sep08	107	81	103
Oct-Dec., 08 (Post POI)	(732)	(184)	(401)

123. It is observed that the profitability was improving till Dec., 2007. However, the profitability started declining thereafter significantly to such an extent that the profitability was below the levels of 2006-07 from April, 2008. Return on investment and cash profits have followed the similar trend as that of profitability. Return on investment and cash profit per unit increased up to Dec., 2007 and declined thereafter even beyond the levels registered in 2006-07. Further, profitability declined to such an extent in Oct.-Dec., 08 that the domestic industry suffered significant financial losses. Return on investment and cash profits became negative in this quarter. It is, however, noted that the profitability in the POI was better than profitability in 2005-06. Therefore, the profitability of the domestic industry was scrutinized further in 2005-06. It was found that while one of the constituents of the domestic industry had better profitability in 2005-06 (as compared to last two quarters of the POI), the other company had very low profitability (in fact, the other company suffered financial losses). Information provided by this company showed that the company suffered financial losses in this period due to other factors. Company claimed that lower profits suffered by the company in 2005-06 due to other factors must be segregated having regard to Annexure II in order to establish its profitability for the present purpose. The segregated profitability claimed by the company showed that the company had better profitability, in line with other company, in 2005-06 as compared to last two quarters of the POI.

124. On the spot investigation carried out at the premises of one of the petitioner companies showed that the determination of profits by the domestic industry was on incorrect basis. Accordingly, the company was directed to recompute the profitability, which has been adopted for the purpose of the present findings.

Inventories:

125. Data relating to inventories shows as follows

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Oct-Dec07	Jan-March 08	Apr-June 08	July-Sep08	Oct-Dec 08
Opening	Mt	10649	8361	8528	12322	12322	10049	9841	10228	16190

Closing	Mt	8361	8528	10024	16190	10049	9841	10228	16190	15164
Average	Mt	9505	8444	9276	14256	11186	9945	10034	13209	15677
Stock										

126. It is noted that inventories have increased in the POI. The increase in the last quarter of the POI was significant in spite of reduction in production, which further worsened in the October-December 2008 period. Increase in inventories by about 6000 MT is valued at about Rs. 35.16 crores considering the prices prevailing in that quarter, which is quite significant.

Employment, wages and productivity

127. Data relating to employment, wages and productivity show as follows

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Number of employees-Nos	Indexed	100.00	100.00	100.44	98.86
Wages-Rs.Lacs	Indexed	100.00	115.32	140.90	147.21
Wages per unit of production-Rs./MT	Indexed	100.00	106.78	119.81	119.38
Productivity per employee-MT	Indexed	100.00	108.07	117.00	124.78

128. It is seen that there was some decline in number of employees. Wages paid and productivity show improvement.

Dumping Margin:

129. It is observed from the section pertaining to Dumping Margin above that dumping margins in respect of the subject countries are significantly positive.

Growth

130. It is noted that the growth of the domestic industry was positive till Dec., 2007. The growth has however started becoming negative thereafter, as would be seen from the table below showing growth in various parameters.

	Unit	2006-07	2007-08	POI	Oct-Dec07	Jan-March08	April-Jun08	July-Sep08
Production	%	7.96	8.89	4.83	6.09	(1.50)	0.21	(0.68)
Sales volume	%	5.28	9.83	3.93	9.28	(10.04)	6.62	(1.42)
Profit/(Loss) per unit	%	143.02	19.88	(20.52)	21.27	(27.76)	(19.55)	(47.96)
Return on investment	%	11.42	(2.06)	(5.86)	0.29	(5.72)	(1.51)	(4.44)
Average stock	%	(11.16)	9.85	53.69	20.59	(11.09)	0.90	31.64

Ability to raise funds:

131. It is noted that the ability to raise funds has not got affected so far.

Threat of material injury

132. Besides the above, the claim of threat of material injury was also examined. For this purpose, the Authority also considered situation of the domestic industry for the quarterly period immediately following the POI.

- a. The imports of the subject goods in India have been increasing. The volume of imports beyond the POI for the October-December 2008 period is also significant.
- b. The difference between the import price of the subject goods and that of the domestic industry prices is significant. The imports are entering at such prices that the same are having a significant suppressing effect on domestic prices and are likely to increase demand for further imports. While the input prices were increasing till Sept., 2008 and the imports were suppressing the prices of the domestic industry, the input prices have started declining thereafter. Resultantly, the prices of the subject goods have also fallen. It is however seen that the decline in the domestic industry's product prices is more than the decline in the input costs (as established by the decline in contribution).
- c. The Applicant has provided information which suggests that demand for the subject goods in the subject countries has significantly fallen. From the data of Chinese Customs with regard to exports of Carbon black and tyres (majority of subject goods gets consumed in production of tyres), it is noted that export volumes of these countries have shown significant decline. Based on the information released by China customs, the applicant has claimed significant decline in exports of tyres from China PR, as shown in table below. The Applicant has claimed that even if it is assumed that the Chinese domestic demand has not declined, it would be evident that the consumption of Carbon black in China PR alone has so materially declined that the same is significantly higher than the gross consumption in India.

(N	Apr-Sept., 08	Oct-Dec., 08	Jan-Feb., 09
Average monthly export of Tyres (Nos.)	3,622,818	2,675,376	1,284,561
Average monthly Carbon black consumption (MT)	50,719	37,455	17,984
Decline in monthly Carbon black consumption (MT)		13,264	32,736
e			

- d. The Applicant has claimed that Chinese customs was earlier reporting figures in terms of numbers, whereas the same has been changed to weight w.e.f. January 2009 and therefore they have assumed average weight of tyre as 50 kg and average Carbon black consumption as 14 kg per tyre for the above analysis].

133. The Applicant also provided information to show that the demand for tyres in the domestic and export markets of some of the subject countries has significantly declined. Since majority of product under consideration is consumed in tyres production, this indicates creation of significant surpluses with the producers in these countries.

134. Examination of other issues raised by the interested parties

- With regard to changes in exchange rates subsequent to the POI, the Authority notes that actual exchange rates for the period of investigation have been adopted for the present purpose. Thus, it cannot be concluded that changes in exchange rate subsequent to the period of investigation unilaterally impact the import price.
- Some interested parties have argued that the published reports of the constituents of the domestic industry do not show injury. It is noted in this regard that the published annual reports show performance of the company, whereas the Authority is required to consider performance of the domestic industry in respect of the domestic operations relating to the product under consideration. While the interested parties have not established that performance of the company and performance of the domestic industry in domestic operations for the product under consideration alone are the same; the applicant has provided information establishing that performance in respect of domestic operations has deteriorated.
- As regards consideration of post POI data, the Authority observes that use of post POI data for the assessment of threat of material injury to the domestic industry is fully consistent with the AD Rules.
- With regard to the argument on global recession, the Authority observes that the POI in this case is up to 30th September 2008 and the demand for the product shows improvement. Further, even if it is considered that the demand for the product is suffering due to global recession, the impact of recession cannot be selectively felt on the domestic industry.
- As regards impact of increase in CBFS prices, the Authority observes that the AD Rules require an assessment whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree. Therefore, if the domestic industry is unable to increase its prices in a situation of increase in the input costs due to dumped

imports, the same would establish injury being caused to the domestic industry due to dumped imports.

- As regards concerns of SME consumers, the Authority notes that adverse impact of imposition of anti dumping duty has not been established with any quantified information. Further, the purpose of imposition of anti dumping duty is to remove unfair practice of dumping and redress consequent injury caused to the domestic industry. It is also noted that the applicant has claimed that majority of the product under consideration is consumed by tyre industry, which cannot be considered as SME.
- Some interested parties have argued that capacity utilization and market share of the domestic industry is quite high and imports have necessitated due to demand in the Country. The information on record, however, shows that even though the decline in capacity utilisation is not very significant, the domestic industry would have sold much higher volumes in the absence of imports. Further, the decline of about 3.88% market share needs to be seen along with less profitable exports of the domestic industry. Given less profitable exports, the domestic industry would naturally prefer to sell more in the domestic market, which has been prevented by the dumped imports.
- Some interested parties have argued that the Authority has focused on quarterly performance during the period of investigation. The Authority notes that injury to the domestic industry has been examined by considering the performance for the entire period of investigation. The purpose of analyzing data for the injury period is to determine whether performance of the domestic industry in the period of investigation could be described as injurious, having regard to the performance over the injury period. The analysis of impact of the dumped imports on a quarterly basis reflects the actual impact of dumped imports on the performance of the domestic industry and the same is fully consistent with the AD Rules.
- The verified information does not show that the return on investment for the domestic industry was 40%, as claimed by some interested parties.

Conclusion on material injury and threat of material injury

135. It is seen that performance of the domestic industry has deteriorated in terms of profits, return on investments, cash profit, inventories and market share. Parameters such as production, sales volumes, and the plant utilization improved till Dec., 2007, but declined thereafter. The deterioration is more pronounced in terms of quarterly performance within the period of investigation. Further, the domestic industry was threatened with material injury and the same is evidenced by significant price undercutting, freely disposable production capacities in the exporting countries, significant increase in the imports over the current injury period, inventories with the domestic industry and a number of parameters relating to Oct.-Dec., 2008 period. The deterioration in performance is significant and material. The domestic industry has thus

suffered material injury. The post POI data of the quarter immediately following the POI shows threat of material injury as well.

Causal Link

136. As per the AD Rules, the designated authority is, *inter alia*, obligated to also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, *inter alia*, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry.

137. It was examined whether these other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was noted that

- a. **Imports from Third Countries:** - The Authority notes that imports from third countries beyond de-minimis limits have been reported only from UK. The applicant has stated that there is no production facility in UK and imports from UK largely represent sales of off specs material. Other interested parties have not disputed this claim.
- b. **Contraction in Demand:** - The Authority notes that there is no contraction in the demand during injury period. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. It is, however, noted that there is some decline in demand in Oct.-Dec., 2008 period. While it is appreciated that there was a decline in demand in this period and the same would have had its own adverse impact on the domestic industry in terms of sales and consequently production & capacity utilization, it is noted that the import volumes increased further in this quarter. Thus, while the domestic sales (and consequently production & the plant utilization) declined significantly in this quarter, the imports increased in this quarter.
- c. **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.
- d. **Conditions of competition:** - the investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- e. **Developments in technology:** - the investigation has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- f. **Export performance of the domestic industry:** - While the export volumes of the domestic industry have increased, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment. Therefore, the analysis on injury is not misrepresentative due to possible inclusion of export performance.

138. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- a. Whereas feedstock prices increased significantly over the injury period, the import prices did not increase in proportion to such increase in the feedstock prices. The landed prices of imports were lower than the selling price of the domestic industry. As a result of price undercutting, the consumers have resorted to higher volume of imports, thus leading to loss of potential sales and decline in market share.
- b. Decline in market share has prevented the domestic industry from raising their production and plant utilization. It is observed that the production and the utilization declined after Dec., 2007 due to presence of dumped imports.
- c. Landed price of imports were undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, lower import prices appear to have prevented the domestic industry from increasing their prices.
- d. Price suppression effect of the imports has directly resulted in deterioration in profitability of the domestic industry and consequently the return on investment and cash profits. Thus, the decline in profits, return on investments and cash profits is apparently due to presence of dumped imports in the market.
- e. Significant deterioration in performance of the domestic industry in Oct.-Dec., 08 period is apparently due to presence of dumped imports in the market.

139. The Authority is of the view that material injury to the domestic industry has been caused by dumped imports. The data along with the data of Oct.-Dec., 08 period shows threat of material injury as well.

Magnitude of injury and injury margin

140 The Authority has determined non-injurious prices of different grades of subject goods for the domestic industry taking into account cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

Country	Exporter	IM US\$ per Kg	IM%
Australia	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	***	12.91%
Australia	Non Co-operative producers/exporters	***	34.55%
China PR	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd	***	10.56%

China PR	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.	***	11.42%
China PR	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.	***	8.38%
China PR	M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.	***	15.68%
China PR	M/s HHUI / Ningbo Sheen – All Chemical Company	***	9.41%
China PR	Non Co-operative producers/exporters	***	51.70%
Russia	M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskii Uglerod through M/s Trigon Gulf FZCO	***	12.89%
Russia	Non Co-operative producers/exporters	***	49.62%
Thailand	M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd	***	6.95%
Thailand	Non Co-operative producers/exporters	***	17.67%

H. Conclusions:

141. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below associated Normal values, thus resulting in dumping of the product under consideration.
- (b) The domestic industry has suffered material injury in respect of the subject goods. Besides, there is a case of threat of material injury to the domestic industry as well.
- (c) The material injury and threat thereof has been caused by the dumped imports from subject countries.

I. Indian industry's interest & other issues

142. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

143. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J. Recommendations

144. In view of the foregoing, the Authority considers it necessary to recommend definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

145. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty as per amount specified in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of this notification in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

S.N	Heading/ Subhead- ing	Description of goods *	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Curren- cy
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	28030010	Carbon Black used in rubber applications	Australia	Australia	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	0.138	Per Kg	US\$
2.	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Australia	Australia	Any combination other than at Sr. No.1		0.330	Per Kg	US\$
3.	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Australia	Any country other than Australia	Any	Any	0.330	Per Kg	US\$
4	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Any country other than countries attracting Anti-dumping duty	Australia	Any	Any	0.330	Per Kg	US\$

5	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd	0.143	Per Kg	US\$
6	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co., Ltd.	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co., Ltd.	0.089	Per Kg	US\$
7	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	M/s Longxing Chemical Stock Co., Ltd.	M/s Longxing Chemical Stock Co., Ltd.	0.168	Per Kg	US\$
						M/s Ningbo Sheen All Chemical Co. Ltd through M/s Hhui Chemical Co., Ltd	0.101	Per Kg	US\$
8	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd	0.121	Per Kg	US\$
9	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	Any combination other than at Sr. nos. 5,6,7 & 8.		0.423	Per Kg	US\$
10	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	0.423	Per Kg	US\$
11	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Any country other than countries attracting Anti-dumping duty	China PR	Any	Any	0.423	Per Kg	US\$
12	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Russia	Russia	M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskij Uglerod	M/s Trigon Gulf FZCO	0.136	Per Kg	US\$
13	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Russia	Russia	Any combination other than at Sr. No.12.		0.391	Per Kg	US\$
14	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Russia	Any country other than Russia	Any	Any	0.391	Per Kg	US\$
15	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Any country other than countries attracting	Russia	Any	Any	0.391	Per Kg	US\$

			Anti-dumping duty						
16	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Thailand	Thailand	M/s Thai Tokai Carbon Product Company Ltd.	M/s Thai Tokai Carbon Product Company Ltd.	0.084	Per Kg	US\$
17	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Thailand	Thailand	Any combination other than at Sr. No.16.		0.186	Per Kg	US\$
18	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Thailand	Any country other than Thailand	Any	Any	0.186	Per Kg	US\$
19	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Any country other than countries attracting Anti-dumping duty	Thailand	Any	Any	0.186	Per Kg	US\$

*Note: - Thermal Black and Carbon black grades meant for semi conductive compound applications are excluded from the scope of the product under consideration.

146. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 25th May, 2009. However duty recommended in para 8 above would be applicable from the date of imposition of provisional anti dumping duty as per Section 9A(2) of the Custom Tariff Act 1975.

147. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

R. GOPALAN, Designated Authority